THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 204 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) अश्विन शु.14, 2079 शनिवार, 8 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

शाह बोले 5 साल में हर पंचायत में होगी एक डेयरी

गंगटोक, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह व सहकारिता मंत्री अमित शाह शुक्रवार को सिक्किम के गंगटोक पहुंचे। यहां सैंकड़ों लोग सड़क किनारे उनका स्वागत करने के लिए पहुंचे। इसके बाद शाह गंगटोक के राजभवन पहुंचे और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का उद्घाटन किया। इस दौरान प्रदेश के राज्यपाल गंगा प्रसाद भी मौजूद रहे। तय कार्यक्रम के तहत गृह मंत्री शाह ने गंगटोक में पूर्वी और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र डेयरी सहकारी सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस दौरान शाह ने कहा, नरेंद्र मोदी सरकार ने लगभग 65,000 सक्रिय पीएसीएस (प्राथमिक कृषि ऋण समिति) स्थापित करने का निर्णय लिया है। हमने तय किया है कि 5 साल के भीतर प्रत्येक पंचायत में एक पैक्स और एक डेयरी होगी।

प्रधानमंत्री नहीं, प्रचार मंत्री हैं मोदी : केटीआर

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) के अपनी पार्टी तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) का नया नाम भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) करने के बाद से उनकी पार्टी के सभी नेताओं के निशाने पर अब सिर्फ भाजपा है। आज केसीआर के बेटे और तेलंगाना सरकार में मंत्री केटी रामा राव (केटीआर) ने सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमला बोलते हुए कहा कि वह प्रधानमंत्री नहीं, प्रचार मंत्री हैं। प्रधानमंत्री के मन की बात तो हमें सुननी पड़ती है, लेकिन जनता की बात प्रधानमंत्री नहीं सुनते।

केटी रामा राव ने कहा कि हममें लड़ने और बर्दाश्त करने की ताकत है। हम पर जल्द ही केंद्रीय एजेंसियों के हमले होंगे, मगर हम इसके लिए तैयार हैं। हम उन्हें हरा देंगे। सीबीआई, ईडी, आईटी भाजपा की टीम की तरह काम कर रहे हैं। मोदी सरकार लगातार इनका दुरूपयोग कर रही है। इन एजेंसियों के हमले हमारे लिए नए नहीं हैं। केसीआर ने बहुत अपमान सहे हैं। टीआरएस ने जब तेलंगाना में सरकार बनाई थी तो बहुत सारे संदेह जताए जा रहे थे, लेकिन टीआरएस ने तेलंगाना को सरकार चलाने का एक नया मॉडल दिया।

केटीआर ने इस अपनी सरकार की कई योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि इन योजनाओं से गरीबों को बहुत फायदा हुआ है। भाजपा वाले गुजरात का भ्रामक मॉडल दिखाकर सत्ता में आए हैं। संसदीय स्थाई समिति और राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ने कहा है कि आत्महत्याओं की संख्या में कमी आई है। तेलंगाना अब पंजाब और हरियाणा के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहा है। आपको बता दें कि केसीआर ने अपनी पार्टी को राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य बनाने के लिए उसका नाम बदला है।

दिल्ली उच्च न्यायालय ने एनआईए से जवाब मांगा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) से एक याचिका पर जवाब मांगा है। याचिका में प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के कथित सदस्यों के खिलाफ यूपीए के तहत दर्ज एक मामले से जुड़ी प्राथमिकी की प्रति उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति अनूप कुमार मेंदीरत्ता ने मोहम्मद यूसुफ द्वारा दायर इसी याचिका पर एनआईए को नोटिस जारी किया।

यूसुफ को गैर-कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) के तहत दर्ज मामले में 22 सितंबर को चेन्नई में उसके घर से गिरफ्तार किया गया था। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 10 अक्टूबर की तारीख मुकर्रर की है। आपको याद दिला दें कि केंद्र सरकार ने पीएफआई पर पांच सालों के लिए प्रतिबंध लगा दिया है।

सीजेआई के उत्तराधिकारी की तलाश शुरू

8 नवंबर को रिटायर होंगे चीफ जस्टिस, डीवाई चंद्रचूड़ हो सकते हैं 50वें सीजेआई

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र ने चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) उदय उमेश ललित को पत्र लिखा है। केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने इस पत्र में सीजेआई से उनके उत्तराधिकारी के नाम की सिफारिश करने को कहा है। सीजेआई 8 नवंबर को रिटायर होने वाले हैं। उन्होंने 26 अगस्त, 2022 को चीफ जस्टिस के रूप में शपथ ली थी। सीजेआई के तौर पर उनका कार्यकाल सिर्फ 74 दिन का होगा।

परंपरा के अनुसार, सीजेआई दूसरे सबसे सीनियर जज के नाम की सिफारिश सरकार को भेजते हैं। सीजेआई ललित के बाद दूसरे सबसे सीनियर जज जस्टिस चंद्रचूड़ हैं। ऐसे में जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ 50वें हो सकते हैं। अगर चंद्रचूड़ सीजेआई बनते हैं, तो उनका कार्यकाल 9 नवंबर, 2022 से 10 नवंबर, 2024 तक यानी 2 साल का होगा।

सीजेआई ने अब तक 5000 मामलों का निपटारा किया :

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, यूयू ललित ने 27 अगस्त को सीजेआई का पदभार संभालने के बाद अब तक कुल 5,000 से ज्यादा मामलों का निपटारा किया है। इनमें 13 कार्य दिवसों में 3500 से अधिक विविध मामलों, 250 से अधिक नियमित सुनवाई मामलों और 1200 से अधिक स्थानांतरण याचिकाओं के मामले शामिल हैं।

फास्ट ट्रैक तरीके से कर रहे हैं सुनवाई

सीजेआई यूयू ललित

लिस्टिंग सिस्टम की शुरूआत :

सीजेआई यूयू ललित ने लिस्टिंग सिस्टम की शुरूआत भी की, ताकि सालों पुराने लंबित मामलों की तेजी से निपटाया जा सके। सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, 26 अगस्त तक कोर्ट में 71,411 अन्य मामले लंबित थे। इनमें आर्टिकल 370, नोटबंदी, सीएए, इलेक्टोरल बॉन्ड, यूएपीए और सबरीमाला जैसे केस शामिल रहे। जस्टिस ललित ने जून 1983 में एक एडवोकेट के रूप में नामांकन किया। उन्होंने दिसंबर 1985 तक बॉम्बे हाईकोर्ट में प्रैक्टिस की, फिर जनवरी 1986 में प्रैक्टिस को दिल्ली ट्रांसफर कर दिया।

जस्टिस बालकृष्णन की अध्यक्षता में समिति गठित

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने आज बड़ा फैसला करते हुए पूर्व सीजेआई केजी बालकृष्णन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है। यह समिति धर्मांतरण कर चुके देशवासियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने पर विचार कर सरकार को रिपोर्ट देगी। जम्मू-कश्मीर व देश के अन्य राज्यों में बलात धर्मांतरण के बाद इन लोगों का अजा दर्जा छीन गया था। अब सरकार इन्हें फिर मुख्य धारा में लाने पर विचार कर रही है। यह आयोग उन व्यक्तियों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने के मामले की जांच करेगा, जो ऐतिहासिक रूप से अनुसूचित जाति से संबंधित होने का दावा करते हैं, लेकिन उन्होंने धर्मांतरण कर लिया है। अनुसूचित जाति का दर्जा केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के लोगों को ही दिया जा सकता है। आयोग के गठन की आज जारी अधिसूचना में कहा गया है कि कुछ समूहों ने अनुसूचित जाति की मौजूदा परिभाष पर फिर से विचार करने की मांग की है।

ज्ञानवापी में मिले 'शिवलिंग' की कार्बन डेटिंग पर फैसला टला, अब 11 अक्टूबर को सुनवाई

वाराणसी, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले में हिन्दू पक्ष द्वारा ज्ञानवापी परिसर में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग और वैज्ञानिक परीक्षण कराने के मांग पर वाराणसी कोर्ट ने आज फैसला नहीं सुनाया. कोर्ट का फैसला टल गया है और अब 11 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। सर्वे के दौरान जो कथित तौर पर शिवलिंग बरामद हुआ है वह इसकी प्रॉपर्टी है या नहीं, कोर्ट ने वैज्ञानिक जांच पर इन्वेस्टिगेशन मांगा है। बता दें कि पिछली सुनवाई में कोर्ट ने कार्बन डेटिंग मामले पर अपने आदेश को 7 अक्टूबर तक के लिए सुरक्षित रख लिया था। वहीं, मुस्लिम पक्ष के वकील ने कोर्ट में आपत्ति भी जताई थी।

फैसले से पहले काशी में पूजा-पाठ :

फैसले से पहले ही वाराणसी में पूजा-पाठ का दौर शुरू हो गया है। हिन्दू संगठन के लोग वाराणसी के पांडेयपुर स्थित काली मंदिर में हवन पूजन कर रहे हैं। आयोजन राम सिंह ने कहा कि कार्बन डेटिंग की मांग पर फैसला हिन्दू पक्ष में आये, इसलिए हिन्दू पक्ष की ओर से मां काली से प्रार्थना की प्रार्थना की गई और हवन किया गया। मुस्लिम पक्षकार के वकील ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा शिवलिंग के संरक्षण की बात कही गई थी तो उसके बाद जिला अदालत में इस मामले की सुनवाई का कोई मतलब नहीं है। हम फैसले के बाद आगे की रणनीति बनाएंगे। जिला शासकीय अधिवक्ता महेंद्र पांडेय ने बताया था कि हिन्दू पक्ष की वादी संख्या दो, तीन, चार और पांच ने ज्ञानवापी मस्जिद के वजूखाने में मिले कथित शिवलिंग की कार्बन डेटिंग कराने की मांग की थी, जिस पर मुस्लिम पक्ष ने आपत्ति दर्ज कराई गई है आपत्ति में कहा गया था कि वजूखाने में जो आकृति पायी गई है उसे उच्चतम न्यायालय ने वाराणसी जिला मजिस्ट्रेट से सुरक्षित रखने को कहा है और उस पर फैसला आना अभी बाकी है।

पार्टी के चिन्ह को लेकर उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग को सौंपा अपना जवाब

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम उद्धव ठाकरे ने शिवसेना पार्टी पर अपने अधिकार का दावा करते हुए शुक्रवार को चुनाव आयोग में जवाब दाखिल किया है। इस जवाब में उद्धव ठाकरे ने कहा है कि महाराष्ट्र के मौजूदा सीएम एकनाथ शिंदे शिवसेना के अन्य बागी विधायकों के साथ मिलकर पहले ही अपनी स्वेच्छा से पार्टी छोड़ चुके हैं। ऐसे में वो पार्टी के चिन्ह को लेकर अपने अधिकार की बात नहीं कर सकते हैं। सूत्रों से मिल रही जानकारी के अनुसार उद्धव गुट ने 5 लाख से ज्यादा पार्टी पदाधिकारियों और सदस्यों के समर्थन वाला एक हलफनामा भी दाखिल किया है। ठागरे गुट के वकील का कहना है कि अभी तक 2.5 मिल चुके हैं जबकि अन्य 3 लाख हलफनामों को मुंबई में सेना भवन में तैयार किया जा रहा है। इन सभी को अगले सप्ताह तक दर्ज किए जाने की योजना है।

नोबेल पीस प्राइज 2022 : एक व्यक्ति और दो संगठनों को देने का ऐलान

बेलारूस के ह्यूमन राइट्स एडवोकेट आलिस चुने गए

ओस्लो, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल नोबेल पीस प्राइज (नोबेल शांति पुरस्कार 2022) एक व्यक्ति और दो संगठनों को दिया गया है। बेलारूस के ह्यूमन राइट्स एडवोकेट आलिस बिलिआत्स्के को इस पुरस्कार के लिए चुना गया है। नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में इस पुरस्कार का ऐलान किया गया। आलिस के अलावा रशियन ह्यमून राइट्स ऑर्गनाइजेशन मेमोरियल और यूक्रेनियन ह्यूमन राइट्स ऑर्गनाइजेशन सेंटर फॉर सिविल लिबर्टीज को दिया गया है। ये दोनों ही संस्थान मानवाधिकार के लिए काम करते हैं।

नोबेल वीक 3 अक्टूबर को शुरू हुआ और 10 अक्टूबर तक चलेगा। 7 दिन में कुल 6 प्राइज अनाउंस होते हैं। सबसे आखिर में इकोनॉमिक्स कैटेगरी का नोबेल अनाउंस किया जाता। इस सप्ताह सिर्फ पुरस्कार जीतने वाले व्यक्ति या संस्थान के नामों का ऐलान होगा। दिसंबर में इन्हें प्राइज दिए जाएंगे। कोविड की वजह से 2020-21 के विजेता स्टॉकहोम नहीं पहुंच पाए थे। कमेटी ने इस बार इन दो साल के विजेताओं को भी स्टॉकहोम इनवाइट किया है। शांति पुरस्कार नॉर्वे में प्रदान किया जाता है। बाकी सभी कैटेगरीज के प्राइज स्टॉकहोम में दिए जाते हैं।

सोमवार को मेडिसिन का नोबेल स्वीडन के सावन्ते पाबो को दिए जाने का ऐलान हुआ था। मंगलवार को फिजिक्स और बुधवार को केमिस्ट्री के नोबेल का ऐलान किया गया था। दोनों ही पुरस्कार तीन-तीन वैज्ञानिकों को दिए गए हैं। गुरुवार को लिट्रेचर यानी साहित्य का नोबेल फ्रांस की लेखिका एनी एर्नेक्स को दिए जाने की घोषणा हुई थी। नोबेल कमेटी के मुताबिक, इस साल कुल 340 व्यक्ति या संस्थाओं ने शांति पुरस्कार के लिए नॉमिनेशन फाइल किए। इनमें 251 व्यक्ति और 92 ऑर्गनाइजेशन हैं। पिछले साल यानी 2021 में 329 नॉमिनेशन मिले थे। इस साल 343 का आंकड़ा नोबेल पीस प्राइज नॉमिनेशन के इतिहास में दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसके पहले 2016 में इस कैटेगरी के लिए 376 नॉमिनेशन प्राप्त हुए थे।

9 महीने में पाकिस्तान की हिरासत में छह भारतीयों की मौत, भारत ने जताई चिंता

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि पिछले 9 महीने में पाकिस्तान की हिरासत में 6 भारतीय लोगों की मौत हुई है जिसमें से 5 मछुआरे थे। इन सभी 6 लोगों ने अपनी सजा पूरी कर ली थी। भारत के द्वारा उनकी देश वापसी की अपील के बावजूद उन्हें गैरकानूनी ढंग से हिरासत में रखा गया।

उन्होंने कहा कि भारतीय कैदियों की पाकिस्तान में कैद के दौरान मृत्यु के बढ़ते मामले चिंता का विषय है। भारतीय कैदियों की सुरक्षा का मुद्दा इस्लामाबाद में हमारे हाई कमीशन द्वारा बार-बार उठाया गया है। पाकिस्तान सरकार से अपील है कि सभी भारतीय कैदियों को तुरंत रिहा करके भारत भेजा जाए।

चीन मुद्दे पर कही यह बात :

चीन के साथ एलएसी पर विवाद को लेकर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि एलएसी पर डिसइंगेजमेंट के जो कदम जरूरी हैं, अभी उस स्थिति तक नहीं पहुंचे हैं। ऐसा कहना सही नहीं होगा कि स्थिति सामान्य है। कुछ सकारात्मक कदम हुए हैं, लेकिन कुछ कदम अभी शेष हैं।

कैलिफोर्निया की घटना चौंकाने वाली :

कैलिफोर्निया में एक भारतीय मूल के परिवार की हत्या पर विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने कहा कि घटना चौंकाने वाली है। हमारा दूतावास परिवार के संपर्क में है। मर्सिड काउंटी की पुलिस मामले की जांच कर रही है। हम उन्हें हर संभव सहायता प्रदान कर रहे हैं। इंडियाना (यूएस) छात्रावास में भारतीय मूल के छात्र की हत्या पर विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। हमें बताया गया है कि अपराधी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सचिन वाजे को दिल्ली हाईकोर्ट से झटका

एंटीलिया मामले में यूएपीए के तहत केस चलेगा

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बर्खास्त पुलिस अधिकारी सचिन वाजे को आज दिल्ली हाईकोर्ट से बड़ा झटका लगा। हाईकोर्ट ने मुंबई में उद्योगपति मुकेश अंबानी के निवास एंटीलिया के बाहर एक वाहन में बम लगाने के मामले में वाजे के खिलाफ यूएपीए के तहत केस चलाने को चुनौती देने वाली उनकी याचिका खारिज कर दी।

वाजे ने एंटीलिया मामले में अपने खिलाफ गैर कानूनी गतिविधियां निवारक कानून के तहत केस दायर करने को चुनौती दी थी। जस्टिस मुक्ता गुप्ता और जस्टिस अनीश दयाल की पीठ ने कहा कि यह याचिका दिल्ली हाईकोर्ट के क्षेत्राधिकार से बाहर है।

केंद्र ने वाजे की याचिका का इस आधार पर विरोध किया था कि वह दिल्ली हाईकोर्ट द्वारा स्वीकार करने योग्य नहीं है। यह बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर की जाना चाहिए, क्योंकि यह पूरा मामला मुंबई में हुआ है। वहीं, याचिकाकर्ता सचिन वाजे ने दावा किया था कि यह मामला दिल्ली हाईकोर्ट के अधिकार क्षेत्र का है, क्योंकि उनके खिलाफ यूएपीए के तहत केस चलाने की मंजूरी केंद्रीय गृह मंत्रालय ने जारी की है और यह राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में स्थित है। वाजे ने याचिका वकील चैतन्य शर्मा के माध्यम से दायर की थी। इसमें उनके खिलाफ आतंकवादी रोधी कानून यूएपीए की धारा 15 (1) को खत्म करने की मांग की गई थी। इसमें दावा किया गया था कि यह संविधान के अनुच्छेद 14 (कानून के समक्ष समानता) और अनुच्छेद 21 (जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा) का उल्लंघन है। वाजे ने याचिका में केंद्र द्वारा उनके खिलाफ इस कानून के तहत केस चलाने के 2 सितंबर, 2021 के आदेश को रद्द करने और उन्हें राहत देने की मांग की थी।

गृह मंत्रालय ने पिछले साल सितंबर में उद्योगपति मुकेश अंबानी के मुंबई स्थित निवास के पास विस्फोटकों से भरा एसयूवी खड़ा करने और कारोबारी हिरेन मनसुख की हत्या के मामले में वाजे के खिलाफ मुकदमा चलाने की मंजूरी दी थी। एनआईए ने चर्चित एंटीलिया केस में वाजे व अन्य के खिलाफ भादंवि के विभिन्न प्रावधानों के तहत आरोप पत्र दायर किया है। इसमें हत्या, आपराधिक साजिश, अपहरण और विस्फोटक पदार्थों के इस्तेमाल, यूएपीए, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और शस्त्र अधिनियम के प्रावधानों के उल्लंघन का आरोप है। 25 फरवरी, 2021 को एंटीलिया के बाहर लावारिस मिले एक वाहन में विस्फोटक बरामद किए गए थे। इस वाहन को लेकर कारोबारी हिरेन मनसुख ने दावा किया था कि यह चोरी हो गया था। इसके बाद गत वर्ष 5 मार्च को मनसुख मुंबई के समीप ठाणे जिले में एक नाले में मृत मिला था। इस मामले ने महाराष्ट्र की राजनीति में भूचाल ला दिया था। इसी मामले में आगे चलकर मुंबई व महाराष्ट्र पुलिस पर अवैध वसूली के आरोप लगे थे। मुंबई के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर परमबीर सिंह ने तत्कालीन गृहमंत्री अनिल देशमुख पर 100 करोड़ रुपये की अवैध वसूली के आरोप लगाए थे। देशमुख व वाजे अब भी जेल में हैं।

भाजपा सांसद की याचिका पर शिबू सोरेन को नोटिस

लोकपाल में सुनवाई पर रोक हटाने की मांग

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने आज भाजपा सांसद निशिकांत दुबे की याचिका पर झामुमो के संस्थापक व राज्यसभा सदस्य शिबू सोरेन को नोटिस जारी किया है। दुबे ने सोरेन के खिलाफ अनुपातहीन संपत्ति 'डीए' मामले में लोकपाल में सुनवाई पर रोक के हाईकोर्ट के पूर्ववर्ती आदेश को खारिज करने की मांग की है। इससे पहले 11 सितंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने झामुमो के राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन की याचिका पर नोटिस जारी किया था और सुनवाई की अगली तारीख तक सोरेन के खिलाफ डीए मामले में लोकपाल के समक्ष कार्यवाही पर रोक लगा दी थी। सोरेन ने अधिकार क्षेत्र के आधार पर इस मामले में सीबीआई को प्रारंभिक जांच कार्यवाही और आदेश को चुनौती दी है।

मुंबई में 120 करोड़ की ड्रग्स जब्त

तस्करी में एयर इंडिया का पूर्व पायलट शामिल, अब तक 6 लोग गिरफ्तार

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने शुक्रवार को मुंबई के एक गोदाम से करीब 120 करोड़ रुपए की 60 किलो मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस मामले में अब तक 6 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दो लोग एयर इंडिया के हैं, जिसमें एक पूर्व पायलट सोहेल गफ्फार है। सोहेल ने कुछ साल पहले ही स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए नौकरी छोड़ दी थी। एजेंसी के अधिकारियों ने बताया कि इसी ड्रग कार्टेल ने बाजार में करीब 225 किलो मेफेड्रोन ड्रग बेची है। इसमें से 60 किलो ड्रग्स जब्त की गई।

गुजरात ड्रग मामले से जुड़ा है मुंबई ड्रग्स केस

पुलिस के मुताबिक, ये किसी बड़े नेटवर्क से जुड़े हुए हैं। इसी हफ्ते गुजरात के जामनगर में ड्रग्स तस्करी में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया था। जामनगर में नौसेना की खुफिया जानकारी के बाद मुंबई ड्रग का भंडाफोड़ हुआ था। अब उसी मामले का कनेक्शन भी इस मामले से जुड़ा बताया जा रहा है।

अगस्त में वडोदरा में 200 किलो मेफेड्रोन ड्रग्स हुई थी जब्त

इस साल की शुरुआत में गुजरात में कई ठिकानों से ड्रग्स जब्त की गई थी।

अगस्त में वडोदरा में 200 किलो मेफेड्रोन ड्रग्स जब्त का गई थी। अप्रैल में कांडला पोर्ट से 260 किलो ड्रग्स जब्त किया गया था। इसी तरह पिछले सितंबर में मुंबई पोर्ट से 21 हजार करोड़ रुपए की सबसे ज्यादा नशीली ड्रग्स जब्त की गई थी।

रोचक खबरें

11 साल पहले सुनामी में बह गई थी पत्नी, आज भी हर हफ्ते समंदर में शव ढूंढने जाता है पति!

अगर किसी इंसान की ज़िंदगी में सबसे दूर तक कोई रिश्ता साथ चलता है तो वो पति-पत्नी का है. ऐसे में एक को कुछ हो जाए तो दूसरे को तकलीफ होना लाज़मी है. कुछ लोग टूट जाते हैं तो कुछ इस सदमे को सालों तक नहीं भूल पाते. कुछ ऐसा ही हुआ जापान के एक शख्स के साथ, जिसकी पत्नी साल 2011 में आई सुनामी में बह गई, लेकिन पति आज तक उसके शव को ढूंढने की कोशिश कर रहा है।

ये कहानी यासुओ ताकामात्सु की है, जिनकी पत्नी 11 साल पहले जापान के ओनागावा से लापता हो गई थीं. युको ताकामात्सु को आपदा के बाद फिर कभी नहीं देखा गया, लेकिन उनके पति यासुओ ताकामात्सु को आज भी अपनी पत्नी का शव मिलने की उम्मीद है. वे हर हफ्ते उन्हें ढूंढने जाते हैं।

11 साल से पत्नी के शव की तलाश

जापान में 11 मार्च, 2011 को पानी के अंदर आए भीषण भूकंप ने सुनामी की तबाही लाई थी. इस दौरान 40.5 मीटर ऊंची लहरों ने लगभग 20 हज़ार लोगों की जान ले ली थी, जबकि 2500 लोग लापता हो गए. इन्हीं में से एक युको ताकामात्सु भी थीं, जो न तो खुद मिलीं, न ही उनका शव मिला. इस बात को यूं तो 11 साल बीत गए हैं, लेकिन युको के पति अब भी उनके शव को ढूंढने के लिए हर साल समंदर में डाइविंग करने जाते हैं. साल 2013 में उन्होंने इसी काम के लिए डाइविंग लाइसेंस हासिल किया और पिछले 9 साल से वो लगातार पत्नी के शव की तलाश कर रहे हैं।

अब कुत्ते भी रोबोट वाले लेकर घूम रहे हैं लोग नए-नवेले ट्रेंड ने बदला सड़क का नज़ारा!

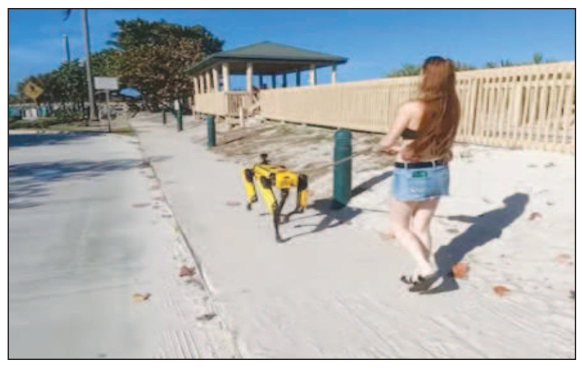

दुनिया विज्ञान के मामले में बहुत तेज़ी से प्रगति कर रही है. रोज़ाना कुछ न कुछ ऐसे आविष्कार सामने आते हैं, जो हमें हैरान कर देते हैं. फिर चाहे को अंतरिक्ष या मेडिकल जगत से जुड़े हों या फिर मशीनरी से जुड़े हुए. कुछ ऐसा ही एक मैकेनिक ट्रेंड इस वक्त पड़ोसी देश चीन में दिखाई दे रहा है, जहां लोगों को फैक्ट्रियों से बाहर लाकर रोबोट्स को शौकिया तौर पर घुमाने का भी जुगाड़ कर लिया है।

हो सकता है कि ये आपको बेहद अजीब लगे लेकिन पड़ोसी देश चीन में रोबोटिक्स का एक अलग ही लेवल देखने को मिल रहा है. यहां लोग सड़क पर रोबोट डॉग्स को घुमाते हुए अपनी फोटो और वीडियो डाल रहे हैं. इसके लिए कुछ खास डॉग रोबोट्स बनाए गए हैं, जिन्हें यंग जेनरेशन अपनी ज़रूरत के मुताबिक खरीद रही है. असली डॉग की तरह इमोशन वाले न सही लेकिन स्वैग के लिए लोगों को ये मैकेनिक डॉग्स पसंद आ रही हैं.

बॉस्टन डाएनामिक नाम की कंपनी रोबोटिक डॉग्स तैयार करती है, जो चीन के शॉपिंग प्लेटफॉर्म्स पर इस वक्त खूब लोकप्रिय हो रहे हैं. चीन में सड़कों पर लोग ऐसे मशीन वाले कुत्तों के साथ घूमते हुए खूब दिख रहे हैं. वैसे तो इनकी तुलना सामान्य पेट डॉग्स से बिल्कुल नहीं की जा सकती है, लेकिन लोग इन्हें खरीद रहे हैं क्योंकि इनकी मेनटेनेंस कम होती है. न तो इन डॉग्स को खाना चाहिए, न ही इन्हें साफ सुथरा रखना होता है, यहां तक कि इनकेसाथ वक्त बिताने की भी ज़रूरत नहीं होती है. ऐसे में जिन्हें बिना मेहनत के पेट्स पालने का शौक है, उनके लिए ये रोबो डॉग्स परफेक्ट साबित हो रहे हैं।

लाखों की कीमत में मिल रहे हैं अनोखे कुत्ते

चीन के स्थानीय अखबारों के मुताबिक इन रोबोट डॉग्स का वज़न 5 किलोग्राम है, जिन्हें हैंडल करना आसान होता है. ये लुढ़क सकते हैं, बैठ सकते हैं, दौड़ सकते हैं और 5 किलोग्राम का वजन भी उठा सकते हैं. उनके सिर पर इनबिल्ट कैरा है, जिससे वो खुद ही रुकावट और बाधाएं देख लेते हैं और अपने मालिकों को पहचान भी सकते हैं. ऐसे रोबोट डॉग्स की कीमत 1 लाख 72 हज़ार रुपये से लेकर 11 लाख 50 हज़ार तक रखी गई है. कीमत उनके फीचर्स और बैटरी लाइफ के हिसाब से तय की गई है. एक बार फुल चार्ज करने के बाद डॉग्स 45 मिनट तक एक्टिव रह सकते हैं।

चिम्पैंजी ने ऑनलाइन मंगाया पिज्जा

फिर हाथ में पैसे लेकर खड़े जानवर को देख घबरा गया डिलीवरी ब्वॉय

ट्विटर के ऑड्ली टेरिफाइंग पर शेयर एक वीडियो में चिम्पैंजी कि स्मार्टनेस देख आप दंग रह जाएंगे. वायरल वीडियो में चिंपैंजी ऑनलाइन पिज़्ज़ा ऑर्डर किया. और जब डिलिवरी बॉय दरवाज़े पर पहुंचा, तो हाथ पैसे लेकर निकले चिंपैंजी को देख घबरा गया. वीडियो को 1.70 करोड़ से ज्यादा व्यूज मिल चुके हैं। वायरल वीडियो में एक पिज्जा डिलीवरी बॉय एक दरवाजे पर खड़ा दिखाई देता है. वो ऑर्डर लेकर आता है और दरवाजा खटखटाता है. अगले ही पल दरवाजा खुलने के बाद जो मंजर उसे नजर आता है उसे देख उसकी हालत खराब हो गई. डिलिवरी बॉय सपने में भी नहीं सोच सकता था कि उसे ये पिज़्ज़ा किसी इंसान को नहीं, बल्कि जानवर को सुपुर्द करना होगा. जी हां, जैसे ही दरवाजे पर नॉक हुआ, भीतर से एक चिम्पैंजी जींस-टी शर्ट पहनकर बाहर निकला. जिसे देखते ही डर से डिलीवरी बॉय चार कदम पीछे छटक गया. लेकिन चिम्पैंजी के हाथ में पिज्जा के पैसे थे जिसे देख वो ये समझ गया कि मुझे इस स्मार्ट जानवर के हाथों में पिज्जा सौंपना होगा. फिर वो पिज़्ज़ा देकर और पैसे लेकर वहां से चला गया.

सीएम राइज स्कूल में मरम्मत के पैसे से बनवा दी मजार

मुस्लिम प्राचार्य को किया निलंबित

भोपाल, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदिशा जिले के कुरवाई में सीएम राइज स्कूल में मरम्मत के पैसे से मजार बनाने के मामले में राज्य सरकार ने मुस्लिम महिला प्राचार्य को निलंबित कर दिया है। प्राचार्य का पति स्कूल में स्पोर्ट्स टीचर था और उसने ही यह मजार बनवा दी थी। स्कूल के रिटायर्ड शिक्षक ने सरस्वती मंदिर बनाने की अनुमति मांगी थी, जिसे प्राचार्य ने खारिज कर दिया था। इस स्कूल में राष्ट्रगीत और राष्ट्रगान भी नहीं होता था। कुरवाई के सीएम राइज स्कूल की तत्कालीन प्राचार्य शायना फिरदौस को सरकार ने निलंबित कर दिया है। गुरुवार शाम लोक शिक्षण आयुक्त अभय वर्मा ने शायना का निलंबन आदेश जारी किया। राज्य सरकार ने हाल ही में इस स्कूल का चयन सीएम राइज स्कूल के तौर पर विकसित करने के लिए किया था। इसके लिए जारी फंड के दुरुपयोग का मामला भी सामने आया है। शायना फिरदौस ने न केवल सरकारी खर्च पर स्कूल परिसर में चबूतरा बनवाया, बल्कि यहां जुमे पर लोग नमाज भी पढ़ने लगे थे।

चार शवों के उत्तरकाशी पहुंचते ही मचा कोहराम

बर्फीले तूफानों में अभी दस की तलाश जारी

देहरादून, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। उच्च हिमालयी क्षेत्र में प्रशिक्षण के लिए निकले नेहरू पर्वतारोहण संस्थान के दल में से 29 सदस्य रविवार को डोकराणी बामक ग्लेशियर क्षेत्र में हिमस्खलन की चपेट में आने के बाद लापता हो गए थे। मौसम खराब होने के कारण रेस्क्यू टीम को भी लगातार चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था। एडवांस बेस कैंप में तैनात रेस्क्यू टीम द्वारा लापता शेष 10 ट्रेनी की खोज बीन की जा रही है। वहीं आज शुक्रवार सुबह दो हेलीकॉप्टर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। इसके बाद एएलएच हेलीकॉप्टर समिट कैंप से चार शवों को लेकर हर्षिल हेलीपैड पहुंचा। हेलीकॉप्टर द्वारा शवों को मातली हेलीपैड लाने का प्रयास किया गया, लेकिन खराब मौसम के कारण शवों को हर्षित हेलीपैड पर उतारा गया है, जिन्हें अब सड़क मार्ग से उत्तरकाशी भेजा गया।

जम्मू कश्मीर में भी कफ सीरप पीने से हो चुकी है 12 बच्चों की मौत

जम्मू, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी अफ्रीकी में स्थित गांबिया देश में कफ सीरप पीने से बच्चों की मौत का कारण सिरप में डायथाइलीन ग्लाइकॉल की अधिक मात्रा पाया जाना सामने आया है। यह डायथाइलीन ग्लाइकॉल उधमपुर जिले की रामनगर तहसील में भी 2019-20 में कहर बरपा चुका है। उस समय कोल्ड बेस्ट पीसी सीरप पीने से 12 शिशुओं की मौत हो गई थी, जबकि छह बच्चे दिव्यांग हो गए।

अनाधिकारिक तौर पर इस घटना में 14 बच्चों की मौत हुई थी, जिसमें एक बिश्नाह का शिशु भी शामिल था और एक अन्य मामले में अभी विवाद है। बाद में राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग की सिफारिश पर प्रदेश सरकार ने जान गंवाने वाले 12 शिशुओं के परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये की मुआवजा राशि दी। लेकिन केंद्र शासित प्रशासन ने दोबारा से मामला सर्वोच्च न्यायालय में उठाया और वहां यह याचिका लंबित है। किसी दवा में डायथाइलीन ग्लाइकॉल की अधिक मात्रा पेट दर्द, उल्टी, दस्त से लेकर गंभीर मामलों में किडनी फेल होने तक का कारण बन सकती है, जिससे मौत का खतरा अधिक होता है। रामनगर में हुई घटना के अनुसार दिसंबर 2019 से जनवरी 2020 की अवधि में अचानक 12 शिशुओं की मौत हो गई। जांच में पाया गया कि सभी बच्चों ने एक स्थानीय दवा विक्रेता से सामान्य खांसी-जुकाम के लिए कोल्ड बेस्ट पीसी कफ सीरप ली थी। इसका उत्पादन एमएस डिजिटल विजिन, कालाअंब (हिमाचल प्रदेश) ने किया था।

हिमाचल में बनी थी दवा

सामाजिक कार्यकर्ता खजूरिया ने उठाया था मामला

इस मामले को स्थानीय वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता सुकेश सी खजूरिया ने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के समक्ष उठाया। आयोग ने सितंबर 2020 में मामले पर कड़ा संज्ञान लेते हुए जांच में पाया कि इसमें राज्य सरकार के ड्रग कंट्रोल विभाग की लापरवाही हुई है, जिसने दवा की जांच नहीं की गई। आयोग ने बच्चों के परिवार वालों को तीन-तीन लाख रुपये का मुआवजा देने की सिफारिश की। इसके बाद राज्य सरकार मामले को सर्वोच्च न्यायालय में ले गई। लेकिन न्यायालय ने आयोग के फैसले को बरकरार रखा और आखिर में राज्य प्रशासनिक परिषद की मंजूरी के बाद 21 दिसंबर 2021 को प्रभावित परिवारों में 36 लाख रुपये का मुआवजा जारी किया। वर्तमान में यूटी प्रशासन ने इस मामले को दोबारा सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी है, लेकिन अभी याचिका लंबित है। सामाजिक कार्यकर्ता सुकेश ने बताया कि एक अन्य बच्चे की मौत का मामला विवाद में है, जिस पर काम हो रहा है।

घबराएं नहीं, प्रदेश में नहीं है ऐसी दवा : ड्रग कंट्रोलर

ड्रग कंट्रोलर लोतिका खजूरिया ने दावा किया कि विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दिशानिर्देशों के बाद हमने जम्मू-कश्मीर में सर्वे करवाया है। इसमें पाया गया है कि उक्त दवा का निर्यात सिर्फ गांबिया को हुआ था।

भारत में इसकी कहीं आपूर्ति नहीं हुई है। फिर भी विभाग ने एहतियात बरतते हुए दवा विक्रेताओं को दिशानिर्देश जारी किए हैं कि अगर कहीं ऐसी दवा की उपलब्धता है भी तो उसकी बिक्री पर तत्काल प्रभाव से बंद कर दें।

हरियाणा पंचायत चुनाव का एलान : पहले चरण में 10 जिलों में डाले जाएंगे वोट

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा में पंचायत चुनाव की तारीखों का एलान कर दिया गया है। जिला परिषद और ब्लॉक समिति के लिए 30 अक्तूबर को चुनाव होंगे। सरपंच और पंच के लिए दो नवंबर को चुनाव होंगे। आठ अक्तूबर को नोटिफिकेशन जारी होगा। 14 से 19 अक्तूबर तक नॉमिनेशन भरे जाएंगे। 20 अक्तूबर को नॉमिनेशन की छंटनी होगी और 21 अक्तूबर तक नॉमिनेशन वापस लिए जा सकेंगे। पहले चरण में 10 जिलों में चुनाव होंगे। इसमें 35 हजार ईवीएम इस्तेमाल होंगी। ईवीएम में वीवीपीएटी सुविधा नहीं है।

चुनाव में 38 हजार कर्मचारियों की ड्यूटी लगी है। वहीं हिसार में अगले चरण में चुनाव होंगे। चुनाव में हर बूथ पर दो-दो पुलिस कर्मी की ड्यूटी लगेगी। संवेदनशील और अति संवेदनशील बूथों पर दो-दो अतिरिक्त पुलिस कर्मी रहेंगे। पहले चरण में भिवानी, फतेहाबाद, झज्जर, जींद, कैथल, महेंद्रगढ़, नूंह, पंचकूला, यमुनानगर और पानीपत में चुनाव होंगे। सुबह 7 से शाम 6 बजे तक मतदान होगा। राज्य चुनाव आयोग ने लोगों से अपील की है कि अधिक से अधिक मतदान करें और सही उम्मीदवार चुनें।

सिर्फ ग्रामीण क्षेत्रों में आचार संहिता लागू

दस जिलों के सिर्फ ग्रामीण क्षेत्र में ही आचार संहिता लागू की गई है। शहरी क्षेत्रों में आचार संहिता का कोई असर नहीं होगा। पंच-सरपंच का परिणाम मतदान के दिन ही आएगा। ब्लॉक समिति व जिला परिषद सदस्यों का चुनाव परिणाम सभी 22 जिलों का एक साथ घोषित होगा।

शिंदे सरकार का डेढ़ करोड़ राशन कार्डधारकों को 'दिवाली गिफ्ट', 513 करोड़ की राशि आवंटित

हाइलाइट्स

- > दिवाली में रवा, तेल, शक्कर और चना दाल सस्ते दरों पर उपलब्ध करवाई जाएगी.
- > इन चारों वस्तुओं का पैकेट केवल 100 रुपये में राशन की दुकान में मिलेगा.
- > इससे पहले सीएम शिंदे ने राज्य में 700 हेल्थ क्लीनिक खोलने का किया था ऐलान.

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की एकनाथ शिंदे सरकार ने राशन कार्डधारियों को दिवाली का तोहफा देने का ऐलान किया है. शींदे सरकार ने दिवाली के त्योहार के मद्देनजर राज्य के 1.5 करोड़ राशन कार्ड धारकों के लिए दिवाली पैकेज योजना के लिए 513 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं. इस फैसले से राशनकार्ड धारकों को बड़ा फायदा होगा. महाराष्ट्र सरकार की ओर से इस संबंध के एक प्रस्ताव भी जारी किया गया है। इस बीच देखा जाए तो शींदे सरकार ने तीन दिन पहले ऐलान किया था कि राज्य के राशन कार्ड धारकों को दिवाली में रवा, तेल, शक्कर और चना दाल सस्ते दरों पर उपलब्ध करवाई जाएगी. इन चारों वस्तुओं का पैकेट केवल 100 रुपये में राशन की दुकान में मिलेगा. दिवाली से पहले मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने राशन कार्ड धारकों को ये गिफ्ट दिया है।

महाराष्ट्र सरकार 700 हेल्थ क्लीनिक खोलेगी

उधर, गत मंगलवार को सीएम एकनाथ शिंदे ने प्रदेश की जनता के लिए 700 हेल्थ क्लीनिक खोलने का ऐलान किया था. महाराष्ट्र सरकार के यह 700 हेल्थ क्लीनिक शिवसेना के संस्थापक बाल ठाकरे के नाम पर खोले जाएंगे, जिन्हें आपला दवाखाना कहा जाएगा।

सिंधिया ने देखा नक्शा, कराए बदलाव-बोले मुझे अब 13 तक सब रेडी चाहिए

ग्वालियर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। एयरपोर्ट के विस्तार कार्य का शुभारंभ करने के लिए 16 अक्टूबर को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ग्वालियर आ रहे हैं। उनकी सभा मेला मैदान में होगी। मेला मैदान में उनकी सभा को लेकर तैयारियां चल रही हैं।

इन्हीं तैयारियों को देखने के लिए केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया मेला मैदान पहुंचे। उनके साथ इस दौरान प्रदेश के परिवहन मंत्री गोविंद राजपूत, ऊर्जा मंत्री प्रदुम सिंह तोमर, प्रभारी मंत्री तुलसी सिलावट, ओपी एस भदौरिया सहित नागरिक उड्डयन मंत्रालय के सचिव व एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पदाधिकारी मौजूद थे। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने 16 अक्टूबर को नए एयर टर्मिनल के शिलान्यास समारोह की तैयारियों के बारे में जानकारी ली और आयोजन स्थल मेला मैदान का नक्शा अधिकारियों के साथ देखा।

इस दौरान कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह और नगर निगम आयुक्त ने पूरी बैठक व्यवस्था के बारे में नक्शे के जरिए बताया। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने नक्शे पर पूरा मामला समझने के बाद कुछ बदलाव कराए। लोगों के आने-जाने के रास्ते पार्किंग और मंच को लेकर उन्होंने अपने सुझाव दिए। जिन्हें अब अमल में लाया जाएगा। इस दौरान एयर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के पदाधिकारी ने आगरा के वेंडर जोया आयोजन की तैयारी कर रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने वेंडर से कहा कि 13 तारीख तक सब रेडी हो जाना चाहिए। इसी बीच केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि मैं अब तक देख चुका हूं और जा रहा हूं 13 तारीख को मुझे सब कुछ तैयार चाहिए। 13 को फिर से मैं निरीक्षण करने आ सकता हूं। इसलिए सभी तैयारियां 13 अक्टूबर तक पूरी हो जानी चाहिए।

जीएचएमसी का शहर में 90 किमी साइकिल ट्रैक बनाने की तैयारी

मंत्री केटीआर के निर्देश पर कई जगहों पर बन चुका है साइकिल ट्रैक

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीएचएमसी हैदराबाद शहर के लोगों को मानकों के साथ बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए कड़ी मेहनत कर रही है। जीएचएमसी जीवन स्तर में सुधार के लिए अभिनव विचारों, विशेष रूप से परिवहन प्रणाली और बुनियादी सुविधाओं में रचनात्मकता जोड़कर लोगों को विभिन्न कोणों से सुविधाएं प्रदान करने में एक प्रमुख भूमिका निभाता है। औद्योगिक विकास के साथ रोजगार सृजन में वृद्धि को देखते हुए उच्च यातायात प्रवाह की आवश्यकता को शीघ्र ही पहचान लिया गया और सौंदर्यीकरण कार्यों के लिए जंक्शनों का विकास और सुधार किया गया। साथ ही सिग्नल फ्री ट्रांसपोर्ट सिस्टम को मजबूत किया गया है। यह सर्वविदित है कि लोगों के वायु प्रदूषण के बिना पर्यावरण की रक्षा के लिए कई अलग-अलग नामों से पौधे उगाकर शहर में वन क्षेत्र में वृद्धि की गई है। शहर में लगभग 709 किमी फोर लेन और चौड़ी सड़क है। सभी के लिए बेहतर परिवहन व्यवस्था को मजबूत करने के लिए सीआरएमपी के माध्यम से सड़कों का निर्माण किया गया। इस तरह की सड़कों पर उपयुक्त स्थानों की पहचान करके और शहर के लोगों के लिए एक बेहतर साइकिलिंग प्रणाली स्थापित करके वर्तमान व्यस्त दुनिया में शारीरिक और मानसिक तनाव को कम करने और शारीरिक फिटनेस बढ़ाने के लिए साइकिल ट्रैक की स्थापना के आदेश जारी किए गए हैं। राज्य के नगर प्रशासन व आईटी मंत्री केटीआर के निर्देश में जीएचएमसी के तहत कई क्षेत्र में कार्य चल रहा है। शहर के सभी हिस्सों में कुछ स्थानों पर अस्थायी रूप से और अन्य स्थानों पर स्थायी रूप से साइकिल ट्रैक स्थापित करने का प्रस्ताव है। शहर में स्थापित जोनों में करीब 90 किलोमीटर लंबा साइकिल ट्रैक स्थापित किया जाएगा। कुछ क्षेत्रों में साइकिल ट्रैक पहले ही स्थापित किया जा चुका है। एलबी नगर अंचल में हब्सीगुड़ा क्रॉस रोड से उप्पल चौराहे तक 3 किमी का साइकलिंग ट्रैक स्थायी रूप से स्थापित किया जाएगा।

बुनियादी सुविधाएं है बड़ी बात : विजयलक्ष्मी

हैदराबाद शहर भविष्य में एक महानगरीय शहर के रूप में विकसित हो रहा है, इसलिए लोगों को सभी सुविधाएं प्रदान करने की आवश्यकता है। महापौर गदवाल विजयलक्ष्मी ने कहा कि बुनियादी ढांचे के साथ-साथ लोगों के शारीरिक और मानसिक तनाव को कम करने के लिए साइकिल ट्रैक की स्थापना की जा रही है। उन्होंने कहा कि पूर्व में संबंधित क्षेत्रों में साइकिल ट्रैक की प्रायोगिक व्यवस्था के कारण जितने लोगों ने रुचि दिखाई, हैदराबाद में लोगों के लिए उपयुक्त स्थानों पर स्थायी और अस्थायी 90 किलोमीटर शहर भर में स्थापित करने का प्रस्ताव किया गया है।

लोगों के स्वास्थ्य में सुधार स्वास्थ्य सुधार : उप महापौर

डिप्टी मेयर श्रीलता शोभन रेड्डी ने कहा कि साइकिल ट्रैक शहर के लिए अच्छा होगा। उप महापौर ने कहा कि प्रदेश में अन्यत्र जैसी उत्कृष्ट सड़कों के विकास के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं और साइकिल ट्रैक से लोगों का स्वास्थ्य बेहतर होगा।

मुनुगोड़े विधानसभा उपचुनाव के लिए पूरी तरह तैयार, नामांकन शुरू

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोड़े विधानसभा उपचुनाव के आयोजन के लिए पूरी तरह तैयार है। नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया आज से शुरू हुई। नामांकन पत्र जमा करने की प्रक्रिया सुबह शुरू हुई और नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया सुबह 11 बजे से शुरू होकर 14 अक्टूबर को समाप्त होगी। 15 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच की जाएगी और 17 अक्टूबर तक नामांकन वापस लिए जाएंगे। 3 नवंबर को मतदान होगा और 6 नवंबर को मतगणना होगी।

चंदूर तहसीलदार के कार्यालय में नामांकन पत्र दाखिल करने की प्रक्रिया चल रही है। अधिकारियों ने कहा कि शनिवार और रविवार को छोड़कर, उम्मीदवार 14 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे तक अपना पर्चा दाखिल कर सकते हैं। उम्मीदवार के साथ केवल पांच व्यक्ति कार्यालय में जा सकते हैं।

सोमवार से मेट्रो ट्रेनों के समय में बदलाव

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद मेट्रो रेल की सेवा का समय 10 अक्टूबर (सोमवार) से बढ़ाए जा रहे हैं। अंतिम ट्रेन संबंधित टर्मिनल स्टेशनों से रात 11 बजे प्रस्थान करेगी, जबकि दैनिक सेवाएं सामान्य रूप से सुबह 6 बजे शुरू होंगी। एल एंड टीएमआरएचएल के एमडी और सीईओ केवीबी रेड्डी ने कहा कि यात्रियों से अनुरोध है कि वे मेट्रो यात्रा को सुरक्षित रखने की दिशा में हैदराबाद मेट्रो रेल के सुरक्षा कर्मियों और कर्मचारियों के साथ सहयोग करें। एचएमआरएल के एमडी एनवीएस रेड्डी ने कहा कि इसे 10 अक्टूबर से बढ़ाया जा रहा है।

देश में शांति बनाए रखने में आरएएफ की अहम भूमिका : अजय मिश्रा

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री ने 30वीं आरएएफ वर्षगांठ परेड को संबोधित किया

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्रा ने कहा कि रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) देश में शांति बनाए रखने और सभी क्षेत्रों में देश की प्रगति में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

हैदराबाद में आज 30वीं आरएएफ वर्षगांठ परेड को संबोधित करते हुए मंत्री ने कहा कि पूरी दुनिया भारत को सम्मान की नजर से देख रही है। यह कहते हुए कि आंतरिक स्थितियां बदल रही हैं, मंत्री ने कहा कि भारत को उसके पारंपरिक ज्ञान और आध्यात्मिक नेतृत्व के लिए दुनिया भर में पहचाना जा रहा है। आपदा प्रबंधन, बचाव और राहत कार्यों जैसी आपात स्थितियों से निपटने में आरएएफ की विशेषज्ञता की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि बल उत्कृष्ट सेवा कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार सकारात्मक बदलाव लाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है और सभी विकास शांति से जुड़े हैं। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय पुलिस बलों की स्थिति में सुधार के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। मंत्री ने कहा कि कश्मीर से लेकर देश के सुदूर पूर्व में कन्याकुमारी और अरुणाचल प्रदेश से लेकर पश्चिम में गुजरात तक, जहां भी कोई घटना और गड़बड़ी हुई है, आरएएफ अपने महान कौशल और भीड़ को नियंत्रित करने की अद्भुत क्षमता के साथ राष्ट्र विरोधी तत्वों को नियंत्रित करने में सफल रहा है। शांति, कानून और व्यवस्था स्थापित करने के लिए। साहस और धैर्य इस शक्ति की विशेषता है जिसने सफलता का इतिहास बदल दिया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि वे देश में कानून और व्यवस्था की स्थिति को उच्च समर्पण के साथ संभालने और लोगों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना जारी रखेंगे। परेड के दौरान आरएएफ के 08 टुकड़ियों ने भाग लिया और बचाव कार्यों, आपदा प्रबंधन, प्राथमिक चिकित्सा आदि में अपने पेशेवर कौशल का प्रदर्शन किया और बल की शक्ति और दक्षता का प्रदर्शन किया।

1992 से विशेष आरएएफ की पंद्रह बटालियनें बनाई गई हैं। वर्तमान में, आरपीएफ बटालियन देश भर के 15 शहरों में रणनीतिक रूप से स्थित हैं। आरपीएफ एक शून्य प्रतिक्रिया बल है क्योंकि यह कम से कम समय के भीतर संकट की स्थिति में आ जाता है और हमेशा तेजी से तैनाती के लिए तैयार रहता है, इस प्रकार आम जनता के बीच सुरक्षा और आत्मविश्वास की तत्काल भावना को उत्साहित करता है। भीड़ को कम से कम नुकसान से तितर-बितर करने के लिए बल गैर-घातक हथियारों से लैस है।

डॉ. सुजॉय लाल थाओसेन, आईपीएस महानिदेशक सीआरपीएफ, एस.एस. चतुर्वेदी, आईपीएस, एडीजी, दक्षिणी क्षेत्र, विवेक वैद, पीएमजी, पुलिस महानिरीक्षक, आरएएफ, महेश चंद्र लड्ढा, आईपीएस, आईजीपी दक्षिणी सेक्टर सीआरपीएफ और बल के अन्य वरिष्ठ अधिकारी, जवानों और उनके परिवारों ने परेड देखी।

वीएच ने सभी धर्मनिरपेक्ष दलों से किया एकजुट होने का आह्वान

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा के पूर्व सांसद वी. हनुमंत राव ने आज कहा कि देश के सभी धर्मनिरपेक्ष दलों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हराने के लिए एक मंच पर आना चाहिए। यहां मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, वीएच ने आरोप लगाया कि सीएम केसीआर ने भाजपा की मदद के लिए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) का गठन किया है और कहा कि बीआरएस भगवा पार्टी की बी-टीम है। उन्होंने सीएम केसीआर से पूछा कि अगर उनकी पार्टी सुप्रीमो सोनिया गांधी ने अलग तेलंगाना राज्य नहीं बनाया होता तो वह क्या करते? उन्होंने केसीआर से यह भी पूछा कि क्या उन्होंने कभी 1969 के अलग तेलंगाना आंदोलन के शहीदों के बारे में सोचा था।

वीएच ने मज़ाक उड़ाया कि बीआरएस प्रचार पाने के लिए है। पार्टी नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने साहस के साथ 3500 किलोमीटर लंबी राष्ट्रव्यापी पदयात्रा शुरू की है और उन्होंने कहा कि उन्होंने मनमोहन सिंह जैसे महान अर्थशास्त्री के लिए दो बार प्रधानमंत्री पद का त्याग भी किया है। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने खराब स्वास्थ्य के बावजूद कर्नाटक में उनके बेटे राहुल गांधी की पदयात्रा में हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि उन्होंने सोनिया गांधी की तस्वीर को दूध से नहलाया।

यादाद्री मंदिर में टिकट की कीमत बढ़ाकर 50 रुपये की गई

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। यदाद्री श्री लक्ष्मीनरसिंह स्वामी देवस्थानम ने मुनक्का टिकट की कीमत मौजूदा 20 रुपये से बढ़ाकर 50 रुपये कर दी है।

मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एन. गीता ने बताया कि मुंडन टिकट (केशा खंडना) की बढ़ोतरी तत्काल प्रभाव से लागू होगी। उन्होंने कहा कि टिकट की कीमत का लगभग 60 प्रतिशत नए ब्राह्मणों को पारिश्रमिक के रूप में दिया जाएगा।

तेलंगाना आईसेट काउंसिलिंग आज से

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना स्टेट इंटीग्रेटेड कॉमन एंट्रेंस टेस्ट (टीएस आईसेट-2022) के माध्यम से एमबीए और एमसीए पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए वेब काउंसलिंग का पहला चरण शनिवार, 8 अक्टूबर को पंजीकरण के साथ शुरू होगा। टीएस आईसेट-2022 क्वालिफाइड उम्मीदवार 8 से 12 अक्टूबर के बीच पंजीकरण कर सकते हैं, प्रोसेसिंग फीस का भुगतान कर सकते हैं और सर्टिफिकेट वेरिफिकेशन के लिए स्लॉट बुक कर सकते हैं। प्रमाणपत्र सत्यापन 10 से 13 अक्टूबर तक किया जाएगा और वेब विकल्पों का प्रयोग 10 अक्टूबर से 15 अक्टूबर के बीच किया जा सकता है। वेब विकल्पों का प्रयोग करते हुए, उम्मीदवारों को अधिक से अधिक विकल्प देने का आग्रह किया गया है ताकि बेहतर कॉलेज में सीट मिल सके। 18 अक्टूबर को अस्थायी रूप से सीटें आवंटित की जाएंगी और ऐसे सीट आवंटन आदेश प्राप्त करने वालों को 18 से 21 अक्टूबर के बीच ऑनलाइन रिपोर्ट और ट्यूशन फीस का भुगतान करना होगा।

बीआरएस बनाकर नाटक कर रहे हैं केसीआर : कोदंडराम

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जन समिति (टीजेएस) के संस्थापक अध्यक्ष प्रो. कोडंडरम ने आज कहा कि वे बहुत जल्द सीएम केसीआर और उनकी नई घोषित बीआरएस पार्टी की साजिशों का पर्दाफाश करेंगे। यह स्पष्ट करते हुए कि बीआरएस पार्टी केसीआर का एक असफल अनुभव है, उन्होंने कहा कि वह दिल्ली स्तर पर सीएम को बेनकाब करेंगे।

यह आरोप लगाते हुए कि सीएम केसीआर ने अपने राजनीतिक हितों के लिए तेलंगाना राज्य के अस्तित्व का वादा किया था, उन्होंने कहा कि राज्य के अस्तित्व की रक्षा करने की आवश्यकता है। यह कहते हुए कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और बीआर अंबेडकर के सटीक आदर्श हैं, उन्होंने कहा कि उन्होंने समान आदर्शों के आधार पर देश का आर्थिक मॉडल तैयार किया और कहा कि नेहरू और अंबेडकर का नाम लेने वाले केसीआर के पास वे आदर्श नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम अपनी गलतियों और विफलताओं को छिपाने के लिए बीआरएस पार्टी के नाम पर नाटक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सीएम ने इब्राहिमपट्टनम क्षेत्र के अस्पताल में चार गर्भवती महिलाओं की मौत के लिए जिम्मेदार डॉक्टर और अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

टीएसजीईएनसीओसी एमडी ने की यादाद्री थर्मल पावर प्लांट पर एनजीटी के आदेश की समीक्षा

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसजीईएनसीओ के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डी.प्रभाकर राव ने यादाद्री थर्मल पावर स्टेशन के संबंध में 30 सितंबर को 2022 को जारी एनजीटी आदेश पर टीजीईएनसीओ के सभी निदेशकों के साथ पूरी तरह से समीक्षा की और निर्देश जारी करने के लिए एमओईएफएंडसीसी, भारत सरकार को एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्णय लिया। एनजीटी के आदेश में 'अमराबाद टाइगर रिजर्व की सीमा, राख तालाब की डिजाइन, रेडियो गतिविधि प्रभाव' के संबंध में उठाए गए मुद्दों का पहले ही अनुपालन किया जा चुका है। वाईटीपीएस के लिए पर्यावरण मंजूरी (ईसी) के लिए आवेदन करते समय, परिवेशी वायु गुणवत्ता (एएक्यू) मॉडलिंग परियोजना के 10 किमी के दायरे में 14 सितंबर, 2016 की मौजूदा एमओईएफ और सीसी अधिसूचना के अनुरूप आयोजित की गई थी। हालांकि, जैसा कि उपरोक्त आदेश में एनजीटी द्वारा निर्देशित है, टीएसजीईएनसीओ परियोजना के 25 किमी के दायरे में 'परिवेश वायु गुणवत्ता मॉडलिंग और संचयी प्रभाव आकलन' का संचालन करेगा। इसके अलावा, एनजीटी के निर्देशों का पालन करते हुए संशोधित कार्यक्रम के अनुसार परियोजना को चालू करने का हर संभव प्रयास किया जाएगा।

भाजपा ने विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी नियुक्त किए

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव के साथ, भाजपा की राज्य इकाई के प्रमुख बंदी संजय ने शुक्रवार को राज्य के सभी 119 विधानसभा क्षेत्रों के लिए पार्टी प्रभारी नियुक्त किए। भाजपा के वरिष्ठ नेताओं के अनुसार, जमीनी स्तर पर पार्टी कार्यकर्ताओं को तैयार करने के लिए निर्धारित विधानसभा चुनाव से एक साल पहले सभी विधानसभा क्षेत्रों के लिए प्रभारी की नियुक्ति की गई है। उन्होंने कहा कि पार्टी ने बड़ी संख्या में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं और पूर्व विधायकों को निर्वाचन क्षेत्रों में पार्टी के आधार को मजबूत करने में स्थानीय नेताओं का मार्गदर्शन करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र का प्रभारी नियुक्त किया है।

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I, Bondili Navitha Bai D/o Bondili Laxmi Narayan Sing W/o Kamini Sunil Kumar, R/o H.No.10-237, Road No 17, New Gayatri Nagar, Jilalguda, Meerpet, R.R.Dist, 500097, has Change my Name as KAMINI NAVITHA W/o KAMINI SUNIL KUMAR.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन के प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

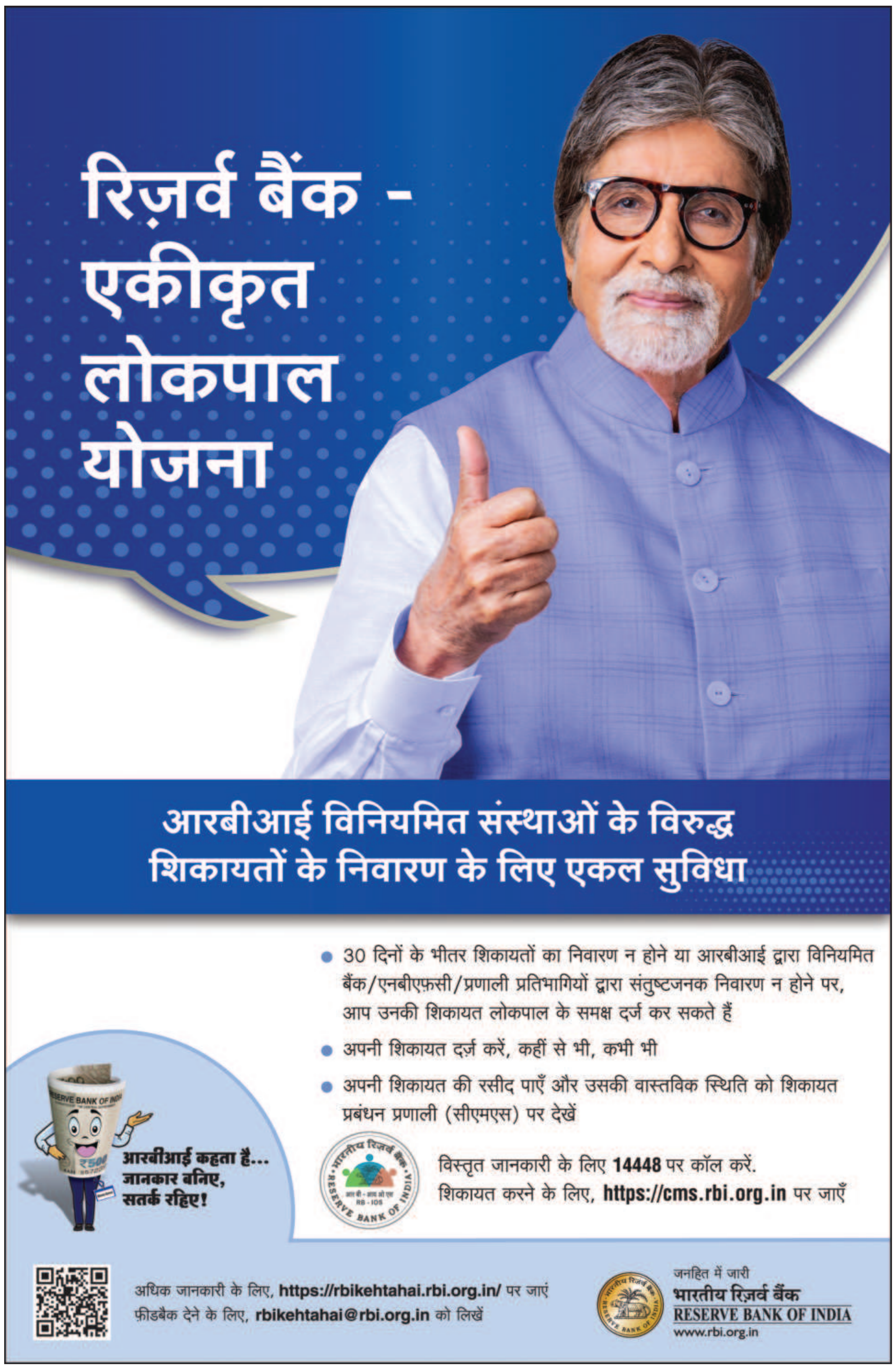

बबीना कैंट फील्ड फायरिंग रेंज में हादसा

गोला फटने से दो सैनिकों ने गंवाई जान, एक घायल

झांसी, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेना की बबीना स्थित फील्ड फायरिंग रेंज में बृहस्पतिवार की रात बड़ा हादसा हो गया। नियमित अभ्यास के दौरान सेना की तोप टी-90 की बैरल अचानक फट गई। इस घटना में दो जवानों ने अपनी जान गंवा दी, जबकि एक घायल हो गया।

घटना के दौरान टैंक बबीना फील्ड फायरिंग रेंज के प्वाइंट नंबर 6 ए पर तैनात था। इसी दरम्यान उसमें चलाने की गोला लोड किया गया। गोला चलते ही बैरल फट गई। इस हादसे में पश्चिम बंगाल निवासी नायब सूबेदार सुमेर सिंह बगरिया (41), सुकांता मंडल और टैंक ड्राइवर संत कबीर नगर निवासी प्रदीप सिंह यादव गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें आनन-फानन बबीना मिलिट्री अस्पताल ले जाया गया। यहां सुमेर सिंह व सुकांता मंडल का निधन हो गया। जबकि, प्रदीप यादव का इलाज जारी है।

सीएम पर अभद्र टिप्पणी करने का आरोपी सपा नेता गिरफ्तार

कन्या पूजन की फोटो का उड़ाया था मजाक

गोरखपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कन्या पूजन का फोटो लगाकर अभद्र टिप्पणी करने के आरोपी सपा नेता राहुल यादव को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी सपा लोहिया वाहिनी का सदस्य बताया जा रहा है। हालांकि, पार्टी ने सभी इकाइयों को भंग कर रखा है।

रामगढ़ताल पुलिस ने आरोपी पर सोशल मीडिया पर अभद्र टिप्पणी कर सौहार्द बिगाड़ने सहित कई धाराओं में केस दर्ज किया। राहुल यादव रामगढ़ताल इलाके के कजाकपुर का निवासी है। जानकारी के मुताबिक, उसने मुख्यमंत्री के कन्या पूजन से संबंधित एक फोटो सोशल मीडिया पर लगाया था। उसने लिखा था कि बच्ची डर रही है, क्योंकि भगवा पहनकर ही रावण भी आए थे।

इस टिप्पणी को लेकर सोशल मीडिया पर बहस छिड़ गई। इसकी जानकारी पुलिस को मिली तो तत्काल केस दर्ज कर लिया गया। प्रभारी निरीक्षक रामगढ़ताल सुधीर सिंह ने बताया कि आजाद नगर चौकी प्रभारी पुरुषोत्तम आनंद सिंह टीम के साथ आरोपी की तलाश में जुटे थे।

राहुल को उसके घर के पास से गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से जेल भेजा गया।

पूजा पंडाल अग्निकांड में दो और महिलाओं की मौत

मरने वालों की संख्या 9 हुई 73 का चल रहा इलाज

भदोही, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भदोही के औराई में दुर्गा पूजा पंडाल अग्निकांड में मरने वालों की संख्या बढ़कर शुक्रवार को नौ तक पहुंच गई। शुक्रवार को वाराणसी में इलाज करा रही दो महिलाओं की मौत हो गई। अब भी भदोही, वाराणसी और प्रयागराज के अस्पतालों में 73 लोगों का इलाज चल रहा है। इसमें करीब एक दर्जन की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

बता दें, दो अक्टूबर रविवार की रात करीब पौने नौ बजे दुर्गा पूजा पंडाल में शार्ट सर्किट से भीषण आग लग गई थी। उस दौरान सौ से अधिक लोग झुलस गए थे। जबकि भगदड़ हो जाने के कारण कई लोगों को चोट आई थी। पूजा पंडाल में चल रहे सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखने के लिए दो सौ से अधिक लोग एकत्रित थे।

हादसे की खबर के बाद जिला प्रशासन में हड़कंप मच गया था। जिले के 32 समेत 50 से अधिक एंबुलेंस लगाकर झुलसे व घायल लोगों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया था।

योगी सरकार के मंत्री खटीक के विवादित बोल

धरने में बोले- मैं बनिये की औलाद नहीं हूं, वैश्य समाज ने दी आंदोलन की धमकी

मेरठ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ से भाजपा विधायक और राज्यमंत्री दिनेश खटीक एक बार फिर विवादों में हैं। इस बार वैश्य समाज ने दिनेश खटीक के बयान को लेकर आक्रोश जताया है। वैश्य समाज के वरिष्ठ लोगों ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट में मंत्री के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौंपा।

साथ ही मुख्यमंत्री को शिकायत भेजते हुए कहा कि अपने मंत्री से जवाब-तलब करें। यह पहला मामला नहीं है जब दिनेश खटीक विवादों में घिरे हैं। इससे पहले भी मंत्री दिनेश खटीक का विवादों से लंबा नाता रहा है।

मेरठ के परीक्षितगढ़ थाना क्षेत्र के खजूरी गांव में 26 सितंबर को दीपक त्यागी की सिर काटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या में दीपक के ही गांव के फैमीद और उसके दोस्त आसिफ को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार दीपक की हत्या अवैध संबंधों के शक में की। जहां आरोपी फैमीद ने पुलिस को बताया था कि मेरी 20 साल की विवाहित बेटी से दीपक के नजदीकी संबंध थे, इसलिए मैंने दीपक की हत्या कर दी।

इस हत्याकांड के खुलासे के बाद सैकड़ों की भीड़ ने 4 दिन पहले जाम लगा दिया। जहां त्यागी समाज के लोग भी थी। यहीं पर प्रदेश सरकार के जल शक्ति राज्यमंत्री दिनेश खटीक ने सैकड़ों लोगों के बीच कहा कि मैं शहर का नहीं हूं, मैं बनिये की औलाद ना हूं, मुझे सब पता है। इस बयान के बाद वैश्य समाज में मंत्री को लेकर आक्रोश फैल गया। भाजपा के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक विनीत अग्रवाल शारदा ने कहा कि मंत्री दिनेश खटीक हिंदुओं को बांटने का काम कर रहे हैं।

थाने में कहा- एफआईआर न हुई तो इस्तीफा दे दूंगा

दिनेश खटीक 20 जुलाई को मेरठ के गंगानगर थाने में पहुंचे। जहां रोडरेज की घटना में वह लूट का मुकदमा दर्ज कराने की मांग करने लगे। पुलिस ने कहा कि मंत्री जी, यह मामला उच्च अधिकारियों के संज्ञान में है। दोनों पक्ष पहले से एक दूसरे को जानते हैं। उच्च अधिकारियों ने जांच कराई है, जिसमें मामला गाड़ी टकराने का है। इस पर मंत्री दिनेश खटीक ने थाने में कहा कि यदि लूट का मुकदमा दर्ज न हुआ तो मैं इस्तीफा दे दूंगा। इसके बाद यह मामला लखनऊ तक गूंजा।

पूर्व विधायक ने लगाया था चीर हरण का आरोप

हस्तिनापुर के पूर्व विधायक गोपाल काली ने एक साल पहले दिनेश खटीक को लोकप्रिय नहीं 'लूटप्रिय' बताया है। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि पांडवों की कुलवधु द्रौपदी का हस्तिनापुर की राज्यसभा में चीर हरण हुआ था। चीर हरण करने वाले दुर्योधन और दुशासन को हस्तिनापुर का युवराज बनाया गया।

उन्होंने आगे लिखा कि इतिहास दोहरा रहा है, जो पिछले साढ़े 4 साल से हस्तिनापुर की धरती का चीर हरण कर रहा है। उसे राज्यमंत्री बनाया गया। यह सारी कौरव सेना को ले बैठेगा। एक अन्य पोस्ट में गोपाल काली ने लिखा था कि पाप का घड़ा अभी भरा नहीं है। पाप का घड़ा भरने में समय लगेगा।

गंगानगर थाने में दिनेश खटीक पर मुकदमा हुआ

मेरठ में 13 फरवरी 2021 को गंगानगर थाना क्षेत्र के मीनाक्षी पुरम निवासी वकील ओंकार सिंह ने आत्महत्या कर लिया था। पुलिस को मौके से जो सुसाइड नोट मिले उसमें लिखा था कि भाजपा विधायक दिनेश खटीक उत्पीड़न कर रहे हैं। दिनेश खटीक के खिलाफ गंगानगर थाने में एफआईआर दर्ज हुई। इसके बाद सैकड़ों की संख्या में वकीलों ने गिरफ्तारी की मांग को लेकर शहर में बवाल काटा और एसएसपी ऑफिस में तोड़फोड़ भी की।

अफसरों को धमकाने, जमीन कब्जाने के आरोप

2017 में भाजपा की सरकार बनते ही विधायक दिनेश खटीक पर दागी सिपाहियों की पैरवी करने का मामला काफी चर्चा में रहा। एसएसपी ने 62 सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया था। इसके बाद खटीक एसएसपी से सिपाहियों की पैरवी करने उनके ऑफिस पहुंचे थे।

मवाना में बिजली विभाग के एसडीओ को धमकाने में भी विधायक दिनेश खटीक का ऑडियो वायरल हुआ था। एक इंस्पेक्टर को बलिया भिजवाने की धमकी में विधायक दिनेश खटीक खूब सुर्खियों में छाये रहे। मेरठ के खादर क्षेत्र में 600 बीघा जमीन कब्जाने के आरोप भी लगे। हापुड़ में पंचायती गोशाला के नाम से एक जमीन मेरठ के मवाना तहसील के मिर्जापुर गांव में है। पंचायती गोशाला के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया था कि भाजपा विधायक 600 बीघा जमीन कब्जाने का प्रयास कर रहे हैं।

मुलायम की हालत अब भी नाजुक

बृजेश पाठक मेदांता पहुंचे, कहा–यूपी सरकार नेताजी की सेहत को लेकर चिंतित

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री और समाजवादी पार्टी के संरक्षक मुलायम सिंह यादव की हालत अभी भी नाजुक है। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल में विशेषज्ञों की टीम मुलायम सिंह के इलाज में जुटी हुई है। दोपहर 12 बजे के बाद मेदांता अस्पताल ने हेल्थ बुलेटिन जारी कर दिया है। हेल्थ बुलेटिन के अनुसार उनकी हालत अभी भी क्रिटिकल बनी हुई है। उनको लाइफ सेविंग ड्रग्स दी जा रही है। आईसीयू में डॉक्टरों की टीम उनका ट्रीटमेंट कर रही है। बतादें कि लगातार छह दिन से मुलायम सिंह की हालत बेहद खराब है, वह वेंटिलेटर पर हैं। इस बीच यूपी के डिप्टी सीएम बृजेश पाठक ने मेदांता पहुंचकर मुलायम सिंह का हाल जाना। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार नेताजी की सेहत को लेकर चिंतित है। बृजेश पाठक ने कहा कि यूपी सरकार हर मदद के लिए तैयार है। उन्होंने डॉक्टरों और परिवार के सदस्यों से बात की। विश्वास जताया कि बहुत जल्द मुलायम सिंह यादव स्वस्थ होंगे। मुलायम सिंह पांच दिन से आईसीयू में ही भर्ती हैं। सपा प्रमुख अखिलेश यादव, शिवपाल यादव सहित परिवार के अन्य सदस्य दिल्ली में ही मौजूद हैं। मुलायम सिंह को जीवन रक्षक दवाइयां दी जा रही हैं। उन्हें आईसीयू में शिफ्ट करने के बाद से सपा कार्यकर्ता लगातार अस्पताल आ रहे हैं। अखिलेश यादव ने कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे नेताजी के स्वास्थ्य के लिए ईश्वर से प्रार्थना करें।

नाबालिग के साथ किया गंदा काम

ग्रामीणों ने आरोपी को दी 'तालिबानी सजा', पुलिस कर रही जांच

कटिहार, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के कटिहार जिले के एक गांव में नाबालिग के साथ दुष्कर्म के एक आरोपी को तालिबानी सजा देने का मामला सामने आया है। यहां आरोपी को लोगों ने पेड़ से बांध कर इस कदर पीटा कि उसकी मौत हो गई। जानकारी के मुताबिक, ये घटना गुरुवार को कटिहार जिले के हसनगंज थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई है। आरोप है कि मृतक ने गांव की ही नौ साल की नाबालिग बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था। कटिहार सदर के एसडीपीओ ओम प्रकाश ने इस घटना की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ये घटना तब हुई जब नाबालिग के परिवार वालों को पता चला कि बुधवार रात को उसका यौन शोषण किया गया है।

गंडक में भारी उफान अलर्ट पर गोपालगंज के निचले इलाके

4 लाख 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया, बिहार के 16 जिलों में बारिश-बिजली का अलर्ट

पटना, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में मानसून जाते-जाते मेहरबान है। बगहा और नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही बारिश के कारण गंडक नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। वाल्मीकि नगर बराज के 36 गेट खोले गए है। इससे गंडक में भारी उफान है। गोपालगंज के 6 जिले अलर्ट पर है। इधर मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों तक बिहार में भारी बारिश होने की संभावना जताई है। पोस्ट मानसून का असर अभी भी पूरे राज्य भर में देखने को मिल रहा है। राज्य में फिलहाल पूर्वी और दक्षिण पूर्वी हवाएं चल रही हैं। जिसके चलते राज्य में बारिश लगातार जारी है।

मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक बिहार के 16 जिलों में बारिश और आकाशीय बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया है। बिहार में इस बार दिवाली और छठ पूजा से पहले ठंड की एंट्री हो सकती है।

उफान पर गंडक नदी, गोपालगंज में अलर्ट

गंडक नदी में 4 लाख 40 हजार क्यूसेक पानी छोड़ा गया है। जो निकले इलाके के लिए आफत बन गई है। गोपालगंज के 6 जिलों में हाई अलर्ट है। लगातार हो रही बारिश के कारण पहाड़ी नदियां अपने उफान पर है। गंडक नदी के साथ-सथ वाल्मिकी टाइगर रिजर्व के कई सारे हिस्सों में पानी भरने लगा है। वाल्मिकीनगर बगहा मुख्य मार्ग पर हरदिया चाती के पास 2 फीट पानी बहने लगा है। रामनगर प्रखंड के जोगिया पंचायत के शेरवा गांव में मसान नदी के बांध टूटने से ग्रामीणों में अफरा तफ़री मची हुई है। अब तक लगभग 15 घरों में पानी घुस चुका है। इधर मसान नदी के जलस्तर लगातार बढ़ोतरी हो रही है। मसान नदी के इस रौद्र रूप से आसपास के दर्जनों गांव पर खतरा मंडराने लगा है। मौसम विभाग ने 7 अक्टूबर यानी आज राज्य भर में बारिश होने की संभावना जताई जा रही है। जिसको लेकर विभाग ने कुल 16 जिलों में बारिश और बिजली को लेकर अलर्ट जारी किया है। जिसमें रोहतास, कैमूर, बक्सर, सीवान, गोपालगंज, पूर्वी चंपारण, पश्चिमी चंपारण, वैशाली, दरभंगा, बेगूसराय, लखीसराय, जमुई, सुपौल और पूर्णिया शामिल हैं।

प्रशांत किशोर का तेजस्वी यादव पर हमला-

नौवीं पास को चपरासी की नौकरी नहीं मिलती लालू के बेटे हैं इसलिए बने डिप्टी सीएम

बेतिया, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के जाने माने राजनीतिक रणनीतिकार और कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेहद खास रहे प्रशांत किशोर ने डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पर बड़ा हमला किया है। प्रशांत किशोर ने कहा है कि बिहार में कोई और नौवीं पास होता तो चपरासी की नौकरी मिलती। समाचार चैनलों की रिपोर्ट मुताबिक प्रशांत किशोर ने जन सुराज यात्रा के दौरान लोगों से बातचीत में कहा कि तेजस्वी यादव को बिहार का डिप्टी सीएम बना गया है, इसकी इसकी एकमात्र वजह यह है कि तेजस्वी यादव आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बेटे हैं। लालू यादव का बेटा होने की वजह से तेजस्वी यादव 9वीं पास होने के बावजूद बिहार के डिप्टी सीएम बने हुए हैं।

प्रशांत किशोर ने लोगों से स्थानीय बोली में बातचीत करते हुए कहा-लालू जी का लड़का नौवीं पास है और वो बन रहा है मुख्यमंत्री। आपका लड़का नौवीं पास रहे तो उसको चपरासी की भी नौकरी मिलती है क्या। बताइए जरा। मिलना चाहिए कि नहीं। जिसके पापा विधायक, जिसके बाबूजी मंत्री-मुख्यमंत्री, और वो नौवीं फेल भी रहे तो उसको नौकरी मिल जाती है। और वो राजा बनकर रहता है। ये बदलना चाहिए कि नहीं।

प्रशांत किशोर इन दिनों बिहार में जन सुराज पदयात्रा पर हैं। 2 अक्टूबर को महात्मा गांधी की कर्मभूमि पश्चिम चंपारण के भितिहारवा से पीके पदयात्रा पर निकले हैं।

प्रशांत किशोर प्रतिदिन लगभग 10 किलोमीटर की पदयात्रा करते हैं और लोगों से जनसंवाद करते हैं। इस दौरान पीके ने लोगों से जब बातचीत के दौरान यह बात कही। पीके की जन सुराज पदयात्रा लगभग 15 महीने चलेगी। इसके दौरान हुए राज्य में 3000 किलोमीटर की पदयात्रा करेंगे। राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के लिए बिहार की आवाम को तैयार कर रहे हैं।

सीआरपीएफ के अधिकारी राजभाषा के कार्यान्वयन में भी लहरा रहे हैं अपना परचम

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ के विभूति खण्ड, गोमती नगर में स्थित शौर्य, पराक्रम, बलिदान एवं मानवीय मूल्यों के स्वर्णिम व गौरवमयी इतिहास से परिपूर्ण विश्व के सबसे बड़े एवं पुराने अर्धसैनिक बल के रूप में स्थापित सीआरपीएफ के मध्य सेक्टर, सीआरपीएफ कार्यालय में हिंदी दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इससे पहले हिंदी पखवाड़ा मनाए जाने के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। इन प्रतियोगिताओं के अन्तर्गत अधिकारियों के लिए लागू हिंदी डिक्टेशन योजना प्रतियोगिता में सुनील कुमार, पुलिस उप महानिरीक्षक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर श्री कुमार ने बताया कि आजादी के बाद हिन्दी को भारत संघ की राजभाषा का दर्जा दिया गया। हिन्दी को वैधानिक रूप से भारत संघ की राजभाषा के रूप में अपनाने का काम तो आजादी के बाद शुरू किया गया, परन्तु आजादी से पहले ही हिन्दी इस बहुभाषी देश के अलग-अलग भाषा बोलने वालों के बीच एक सम्पर्क भाषा के रूप में प्रचलित थी। ब्रिटिश शासन के खिलाफ क्रान्ति का बिगुल बजाने वाले अलग-अलग भाषा बोलने वाले क्रान्तिवीरों की सम्पर्क भाषा हिन्दी ही थी। हमारे देश के महान संतों, ऋषि - मुनियों ने अपने-अपने उपदेशों में साधारण जन मानस की भाषा का प्रयोग किया। हिन्दी आज देश की राजभाषा ही नही बल्कि देश की आत्मा है क्योंकि किसी भी भाषा के साथ उस देश की संस्कृति, परम्पराएं तथा सामाजिक रीति-रिवाज जुडे होते हैं। पूर्वजों से विरासत में मिली अपनी परम्पराओं, रीति-रिवाजों तथा समृद्ध संस्कृति की रक्षा करना हम सबका कर्तव्य है, क्योंकि जो व्यक्ति, समाज अथवा देश अपनी संस्कृति की रक्षा नही कर पाता, कालान्तर में वह संस्कृति नष्ट हो जाती है। आजादी के बाद हिन्दी को इसकी सरलता, सहजता, सर्वव्यापकता तथा सम्पर्क भाषा के रूप में महत्वपूर्ण योगदान देने की वजह से इसे भारत संघ की राजभाषा के पद पर आसीन किया गया। देश के सार्वजनिक हित को ध्यान में रखते हुए ही हिन्दी को संवैधानिक रूप से अमल में लाया गया। देश के जिम्मेदार नागरिक होने के नाते इस दृष्टि से हमारा यह नैतिक दायित्व बनता है कि देश की राजभाषा नीति का सत्यनिष्ठा पूर्वक पालन करें और इस संबंध में भारत सरकार द्वारा बनाए गए नियम, अधिनियमों की अपेक्षाओं के अनुसार अपना अधिक से अधिक कार्य हिन्दी में करें। उन्होंने आगे बताया कि संविधान सभा ने 14 सितंबर, 1949 को हिंदी को राजभाषा के रूप में अंगीकार किया और तब से ही प्रतिवर्ष 14 सितंबर 'हिंदी दिवस' के रूप में मनाया जाता है। संविधान सभा द्वारा सौंपे गए संवैधानिक और प्रशासनिक उत्तरदायित्वों तथा संविधान की भावना के अनुरूप राजभाषा हिंदी का प्रचार-प्रसार करने और इसके प्रयोग को बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते हैं। अत्यंत हर्ष का विषय है कि इस वर्ष हिंदी दिवस का आयोजन माननीय गृह एवं सहकारिता मंत्री जी की अध्यक्षता में भव्य एवं गरिमामयी स्वरूप में पहली बार दिल्ली से बाहर सूरत (गुजरात) में किया गया। श्री कुमार ने आगे कहा कि सीआरपीएफ में भारत के प्रत्येक क्षेत्र के जवान भर्ती होते हैं, इसलिए मुख्यतः हमारी एक दूसरे से संवाद की भाषा हिंदी होती है। जहां तक मैं समझता हूँ हमारे बल का प्रत्येक सदस्य हिंदी को बोल एवं समझ लेता है। इसलिए हम सभी की यह जिम्मेदारी है कि हम कार्यालयीन कामकाज हिंदी में ही करें, जिसका पूरा प्रयास उन्होंने किया है।

इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी स्वंय राजभाषा नियमों से परिचित हों और इसके प्रावधानों को वास्तविक रूप से लागू करें, क्लिष्ट हिंदी का प्रयोग करने से बचें व हिंदी में कार्य करने का उचित वातावरण बनाएं। स्वयं हिंदी में लिखें व आपसी संवाद में इसका यथोचित प्रयोग कर गौरवान्वित महसूस करें।

इस अवसर पर उन्होंने जानकारी दी कि माननीय प्रधानमंत्री जी के स्मृति विज्ञान संबंधी प्रेम और प्रयोग से प्रभावित होकर राजभाषा विभाग ने गत वर्ष से हिंदी के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए बारह 'प्र' की रूपरेखा और रणनीति पर काम करना शुरू किया है, जिसमें महत्वपूर्ण स्तंभ हैं "प्रेरणा, प्रोत्साहन, प्रेम, पुरस्कार, प्रशिक्षण , प्रयोग, प्रचार, प्रसार, प्रबंधन, प्रोन्नति, प्रतिबद्धता और प्रयास।"

एएमयू का हिंदू छात्र बोला- मेरा कलावा काट दिया

मारपीट के बाद पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे भी लगवाए, मुस्लिम छात्र बोला- झूठ बोल रहा है

अलीगढ़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी यानी एएमयू में पढ़ने वाले एक हिंदू छात्र ने आरोप लगाया कि दूसरे समुदाय के छात्रों ने तमंचे के बल पर उसकी पिटाई की। उसके हाथ का कलावा काट दिया और पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगवाए। घटना के बाद हिंदूवादी छात्र पीड़ित को लेकर सिविल लाइंस थाने पहुंचे। जहां छात्र ने तहरीर दी है। छात्र ने एएमयू के प्रॉक्टर को भी मामले की लिखित शिकायत की है। आरोप है कि दूसरे समुदाय के छात्र अक्सर उसका कलावा उतरवा देते थे। धमकी देते थे कि उसकी बहन को हिजाब पहना देंगे। पीड़ित छात्र साहिल कुमार बुलंदशहर का रहने वाला है।

भारी बारिश से पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हुआ गड्ढा

कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त, लोगों ने कसा तंज बोले- यह है डबल इंजन की सरकार

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बना पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे पहली बारिश भी नहीं झेल पाया। बुधवार को 12 घंटे से अधिक बारिश हुई और इसके कारण गुरुवार रात सुलतानपुर के हलियापुर के पास एक्सप्रेस-वे की सड़क धंस गई। इस कारण सड़क पर करीब 12 फीट गहरा गड्ढा हो गया। वहीं इस गड्ढे में एक कार चली गई, लेकिन कार सवार बाल-बाल बच गए। हालांकि लोगों को मामूली चोटें आईं हैं।

जैसे ही इस घटना की सूचना मिली, तुरंत यूपीडा की टीम और पुलिसकर्मी मौके पर पहुंच गए। राहत-बचाव का कार्य शुरू हो गया। मौके पर पहुंचे यूपीडा कर्मियों ने घायलों को अयोध्या जिले के कुमारगंज स्थित सौ शैय्या हॉस्पिटल पहुंचाया। तुरंत रूट को बदला गया क्योंकि गाड़ियों की लंबी कतारें लग गई थी।

वहीं इस घटना से यूपीडा विभाग में हड़कंप मच गया। रात में ही यूपीडा ने क्रेन व जेसीबी को भिजवाया और फिर मरम्मत कार्य शुरू हो गया। शुक्रवार सुबह तक सड़क के गड्ढे को भर दिया गया। वहीं मौके पर हलियापुर पुलिस व यूपीडा के अधिकारी रात भर डटे रहे। बता दें कि एक्सप्रेसवे का लोकार्पण पिछले वर्ष नवंबर माह में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था।

7 इंसानों का शिकार करने वाले बाघ का एनकाउंटर होगा

बगहा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के वाल्मीकि टाइगर रिजर्व का बाघ आदमखोर हो गया है। 7 लोगों की जान लेने वाले इस आदमखोर ने दो दिन में 2 लोगों को मार डाला। इससे लोग नाराज हो गए हैं। वन विभाग के ऑफिस और गाड़ियों में तोड़फोड़ की है। इस बाघ को अभी तक पकड़ने की कोशिश की जा रही थी। 26 से 400 वनकर्मियों की टीम इसे तलाश कर रही है। लोगों का गुस्सा देखते हुए शुक्रवार को चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन पीके गुप्ता ने बाघ को मारने के आदेश दे दिए हैं।

आदमखोर बाघ ने 9 महीने में 8 लोगों पर हमले किए। 5 अक्टूबर की देर रात घर में सो रही 12 साल की बच्ची को बाघ अपने जबड़े में दबाकर ले जा रहा था। लोगों के शोर मचाने पर उसने शव छोड़ दिया। शुक्रवार सुबह बाघ ने डूमरी गांव के संजय महतो

ऑपरेशन में 400 फॉरेस्ट रेंजर्स

(35) पर खेत में हमला कर दिया। संजय की मौके पर ही मौत हा गई।

लोगों का गुस्सा देखते हुए भाग गए वन विभाग के अफसर

गुस्साए लोगों ने वन विभाग के कार्यालय और चेक नाका पर तोड़फोड़ की। वन विभाग की गाड़ियों को भी निशाना बनाया जा रहा है। इन घटनाओं का वीडियो बनाने वाले युवकों के साथ मारपीट की जा रही है। लोगों के गुस्से को देख सभी वन कर्मी और वन विभाग के अधिकारी मौके से भाग निकले हैं। ये अधिकारी अलग-अलग गांव में छिपे हुए हैं। उस जगह से निकलने के लिए बाहर रास्ता भी नहीं है, क्योंकि लगातार हो रही बारिश के कारण नदियां अपने उफान पर है। ऐसे में पहाड़ी नदियों को पार करना आसान नहीं है।

बाघ का रेस्क्यू आज लगातार 26 दिनों से चल रहा है। इस काम में पहले 75 लोगों को लगाया गया। लेकिन जैसे-जैसे बाघ चकमा देने लगा, रेस्क्यू टीम बढ़ती गई। फिलहाल 400 लोगों को इस काम में लगाया गया है। इनमें लगभग 250 वन कर्मी स्थानीय हैं, जिन्हें वन विभाग ने ठेके पर बहाल किया है। इसमें वनप्रमंडल एक और प्रमंडल दो के वन कर्मियों को शामिल किया गया है। बगहा में आदमखोर बाघ के हमले में 12 साल की बच्ची की मौत हो गई। बच्ची घर में सो रही थी। रात में 12 बजे बाघ ने उसपर हमला किया। वो उसे जबड़े में दबाकर ले जा रहा था। बच्ची के चीखने की आवाज सुनकर जब भीड़ बाघ के पीछे दौड़ने लगी तो वो शव को छोड़कर भाग निकला। इस बाघ ने 9 महीने में ये 7वां शिकार किया है। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है। वन विभाग की 400 लोगों की टीम 25 दिनों से बाघ को पकड़ने में लगी है। वाल्मीकि टाइगर रिजर्व पार्क के अफसरों के मुताबिक जंगल में बाप-बेटा बाघों के बीच क्षेत्र की लड़ाई में इंसानों की मौत रही है।

वयस्क बाघ सी-वन अपना क्षेत्र बनाना चाहता है। इसके लिए वह दूसरे बाघ टी-5 की सीमा में प्रवेश कर रहा है। बाघ टी-5, बाघ सी-1 का पिता है। बाघ सी-वन सीमाओं के पास बसे इंसानी बस्ती तक आ जा रहा है।

धर्मांतरण पर घिरे केजरीवाल के मंत्री

'राम-कृष्ण को नहीं मानूंगा', राजेंद्र पाल का वीडियो वायरल, भाजपा ने घेरा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली की केजरीवाल सरकार के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम के हिंदू देवी-देवताओं का बहिष्कार करने का वीडियो वायरल होने के बाद नया राजनीतिक हंगामा खड़ा हो गया है। इसके बाद भाजपा आम आदमी पार्टी पर हमलावर हो गई है।

वायरल वीडियो में कोई बौद्ध संत सैकड़ों लोगों को हिंदू धर्म से बौद्ध धर्म में प्रवेश दिला रहे हैं। इनमें आम आदमी पार्टी के मंत्री राजेंद्र पाल गौतम भी हैं। वीडियो में सभी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, "मैं ब्रह्मा, विष्णु और महेश को नहीं मानूंगा। मैं राम-कृष्ण की पूजा नहीं करूंगा। मैं किसी हिंदू देवी-देवता को नहीं मानूंगा।"

धर्म परिवर्तन कराने की एजेंसी बन गई आम आदमी पार्टी

इसके बाद भाजपा ने आम आदमी पार्टी पर चौतरफा हमला शुरू कर दिया है। भाजपा नेता कपिल मिश्रा ने कहा कि केजरीवाल के मंत्री दिल्ली में हिंदुओं को, हिंदू देवी-देवताओं को गाली दे रहे हैं और केजरीवाल गुजरात में जय श्री कृष्णा बोलने का ढोंग कर रहे हैं। मुफ्त का सामान देकर गरीब हिंदुओं का धर्म परिवर्तन कराने वाली एजेन्सी बन गयी हैं आम आदमी पार्टी। भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि यह हिंदुत्व और बौद्ध धर्म का अपमान है। आम आदमी पार्टी के मंत्री दंगा भड़काने का प्रयास कर रहे हैं। मंत्री को तत्काल पार्टी से निकाल देना चाहिए। हम आरोपी के खिलाफ शिकायत दे रहे हैं।

राजेंद्र गौतम ने दी सफाई

वहीं कार्यक्रम में शामिल रहे आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री राजेंद्र पाल गौतम ने कहा, "भाजपा राष्ट्रविरोधी है। मैं बौद्ध मत में विश्वास रखता हूं। इससे किसी व्यक्ति को क्या परेशानी है? उन्हें शिकायत करने दें। संविधान हमें किसी भी धर्म का पालन करने का अधिकार देता है। भाजपा 'आप' से डर गई है। वे हमारे खिलाफ सिर्फ फर्जी मुकदमे दर्ज करा सकते हैं।"

ईडी की छापेमारी पर केजरीवाल बोले

'गंदी राजनीति के लिए अधिकारियों का समय किया जा रहा बर्बाद'

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को दिल्ली शराब नीति 2021-22 के सिलसिले में सीबीआई और ईडी की ओर से की जा रही छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी गंदी राजनीति के लिए कई अधिकारियों का समय बर्बाद किया जा रहा है। ईडी द्वारा शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर तलाशी किए जाने के बाद केजरीवाल ने एक ट्वीट में कहा, "ऐसे कैसे आगे बढ़ेगा देश?"

केजरीवाल ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने लगभग 500 छापेमारी की कार्रवाई की हैं और 300 से अधिक अधिकारी पिछले तीन महीनों से डिप्टी सीएम मनीष सिसोदिया के खिलाफ सबूत खोजने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं।

केजरीवाल ने ट्वीट में लिखा, 500 से अधिक छापेमारी, 3 महीने के लिए 300 से अधिक ईडी/सीबीआई अधिकारी मनीष सिसोदिया के खिलाफ सबूत खोजने के लिए 24 घंटे काम कर रहे हैं। उन्हें कुछ नहीं मिला, क्योंकि कुछ भी नहीं किया गया था। कई अधिकारियों का समय उनकी गंदी राजनीति के लिए बर्बाद किया जा रहा है। क्या देश ऐसे ही तरक्की करेगा? दिल्ली के आबकारी नीति घोटाले के सिलसिले में एक नए घटनाक्रम में, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) तीन राज्यों दिल्ली, पंजाब और आंध्र प्रदेश में 35 स्थानों पर छापेमारी कर रही है। छापेमारी शुक्रवार की सुबह शुरू हुई।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		
सूर्य-	कन्या	में
चंद्र-	कुंभ	में
मंगल	वृष	में
बुध-	कन्या	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	कन्या	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
कन्या...	04-45	बजे
तुला-	06-49	बजे
वृश्चिक	09-00	बजे
धनु---	11-13	बजे
मकर-	13-19	बजे
कुंभ-	15-09	बजे
मीन...	16-48	बजे
मेष--	18-44	बजे
वृष--	20-08	बजे
मिथुन..	22-09	बजे
कर्क...	00-21	बजे
सिंह...	02-33	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद, दिशाशूल- पूर्व-अदरक खाकर घर से निकले
तिथि-चतुर्दशी **- 03-42** राततक उपरान्त, पूर्णिमा
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष ,शनिवार, **08 Oct**
नक्षत्र -पूर्वभाद्रपद **- 17 -07 -** तक,उपरान्त उत्तराभाद्रपद
योग - वृध्दि **- 20 - 53 -** तक उप- ध्रुव
करण- गर - **16 - 30 -** तक,उप- वणिज
विशेष:-
व्रत -त्योहार - मेला शाकम्भरी देवी

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल
09:06 से
10:35 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
काल	06:11 - 07:37	अशुभ	लाभ	17:58 - 19:30	शुभ
शुभ	07:37 - 09:06	शुभ	उत्पात	19:30 - 21:01	अशुभ
रोग	09:06 - 10:35	अशुभ	शुभ	21:01 - 22:32	शुभ
उत्पात	10:35 - 12:04	अशुभ	अमृत	22:32 - 00:04	शुभ
चंचल	12:04 - 13:32	शुभ	चंचल	00:04 - 01:35	शुभ
लाभ	13:32 - 15:01	शुभ	रोग	01:35 - 03:06	अशुभ
अमृत	15:01 - 16:30	शुभ	काल	03:06 - 04:38	अशुभ
काल	16:30 - 17:56	अशुभ	लाभ	04:38 - 30:11	शुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)
यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दीं इसका फल भी मिलेगा। आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है। आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा। हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)
आप एक आशावादी व्यक्ति है और आज यह बात सबको जान्ने देने और इससे लाभ उठाने का दिन है।इससे आपकी छवि एक प्रेरणात्मक वक्ता की बनेगी,जिसकी कोशिश आप लम्बे समय से करते आ रहे हो।समाज में आपके सम्बन्ध जिन लोगों के साथ बहुत अच्छे नही हैं,उनके साथ भी आपके संबंधों में अब सुधार आना शुरू हो जाएगा।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा)
आप एक पारिवारिक व्यक्ति हैं।पारिवारिक मूल्य ही आपकी सफलता का श्रोत हैं।आज भी शुभ की शुरुआत आपके घर से ही होगी और आपको नयी कामयाबी दिलाएगी।आप विशेष लय में हैं।आज का दिन सार्थक होगा।मुश्किल समय में भी अपनी मुस्कान और होसला बनाये रखें।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)
आप जिद्दीपन के प्रति अपना स्वाभाविक झुकाव महसूस करेंगे।लेकिन जब आपको यह अनुभव होगा की ऐसा करना आपके हित में नही है तो आप पछतावा भी महसूस करेंगे। अच्छे से स्थिति समझें आकस्मिक भावनाओं के बहाव में बहने के स्थान पर स्पष्ट सोच से काम लें।अगर आप थोड़ी सी समझदारी से काम लेंगे तो समाधान जल्दी निकलेगा।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)
अपने घर से जुडी किसी अच्छी खबर के लिए तैयार रहें। निवास स्थान में बदलाव संभव है या नया घर खरीदने की योजना को अंतिम रूप दे सकते हैं।अपनी सकारात्मक ऊर्जा का लाभ उठायें।अगर आप कुछ समय से अपने घर या इसके किसी हिस्से को को नया रूप देने के बारे में सोच रहे हैं तो यह समय इसके लिए बहुत अच्छा है।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आज आप अधिकार जताने के मूड में हैं।आप सबसे आगे रहकर अपना अधिकार जताना चाहते हैं।इस बारे में सावधान रहें कि आपको अभिमानी न समझा जाए।आप न चाहते हुए भी किसी को परेशान कर सकते हैं।अगर आपको लगता भी है कि आप सब जानते हैं और सबसे बेहतर कर सकते हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)
आज का दिन समृद्धि के एक नए कार्यक्रम को शुरू करने के लिए बहुत अच्छा है।अगर आप किसी नयी परियोजना के बारे में काफी सोचकर भी किसी नतीजे तक नही पहुंच पाए हैं तो आज शुरूकर लें,आज आप जो भी करना शुरू करेंगे सफलता जरुर मिलेगी। आज होने वाली घटनाओं से आपके वित्त सम्बन्धी नजरिये में भी बदलाव आएगा

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)
आज आपके सब कामों और विचारों में एकाग्रता और शांति रहेगी।आप किसी विवाद से प्रभावित नही होंगे दरअसल कार्यस्थल पर भी ऐसी स्थिति बन सकती है कि आपको शान्तिदूत बनना पड़े।घर के सुधार का कोई कार्यक्रम बना सकते हैं या अपने घर की समस्याओं को सुलझाने या संबंधों को बेह्तर बनाने के लिए काम कर सकते हैं।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)
लम्बे समय के बाद आज आपको रहत महसूस होगी। किसी महत्वपूर्ण खबर से ख़ुशी मिलेगी।यदि माता-पिता हैं तो बेटे/बेटी के लिए सुयोग्य वर मिल सकता है।किसी लंबित अदालती मामले का फैसला आपके पक्ष में हो सकता है। करियर के मामले में छोटे से प्रयास से बड़ी सफलता मिलनी तय है।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी)
अपने सृजनात्मक विचारों को कार्यान्वित करने का यह बहुत अच्छा समय है।अपने विचारों को बड़ा रखें तथा किसी बोद्धिक या व्यवसायिक प्रशिक्षण में हिस्सा लें, इससे आपको औरो पर बढ़त हासिल होगी। हालाँकि ऐसा करते हुए आपको कुछ वित्तीय परेशानियां आ सकती हैं।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)
अतीत से चिपके रहने से आपको कोई लाभ होने वाला नहीं है। आपको अपने अतीत से सीखना जरुर है ,परन्तु उसे पकडे रहने से बात नही बनेगी।अगर आप आज यह समझ पाने में कामयाब हो जाते हैं तो पिछले कुछ समय से आपके जीवन में चली आ रही बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा में यह एक बड़ा कदम होगा।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)
यह सोचने और जानने के लिए कि आप अपने जीवन से क्या चाहते हैं,कुछ देर एकांत में बैठें। पिछले कई दिन काफी व्यस्त रहे हैं।इसीलिए आपको अपने उद्देश्यों का फिर से मूल्यांकन करना है और यह भी देखना है की आपके काम किस प्रकार आपके जीवन और संबंधों को प्रभावित कर रहे हैं।यात्रा संभावित है।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

अमेरिकी डॉलर देने के बदले में महिला ने ऑटो चालक से ठग लिए तीन लाख

पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले में एक ऑटो-रिक्शा चालक से तीन लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने बताया कि चालक से महिला समेत पांच लोगों ने अमेरिकी डॉलर देने का वादा करके धोखाधड़ी की घटना को अंजाम दिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि जयप्रकाश दूबे मुंबई में ऑटो चलाता है। यह दो जून को एक महिला को अपने ऑटो से नवी मुंबई ले जा रहा था। महिला ने उस दौरान ऑटो चलाक को अपने झांसे में लिया और खुद के पास अमेरिकी डालर होने की बात कही। महिला ने ऑटो चालक का मोबाइल नंबर भी ले लिया।

पुलिस के मुताबिक, आरोपी महिला ने कई दिनों तक फोन कॉल कर अमेरिका डॉलर देने का झांसा दिया। बाद में जयप्रकाश ने तीन लाख रुपये के बदले डॉलर की मांग की। आरोप है कि महिला ने अपने चार सहयोगियों को ऑटो चालक के पास भेजा। आरोप है कि जयप्रकाश को चारों आरोपी एक पैकेट थमा गए और बदले में 3 लाख रुपये ले गए।

पत्नी को लेने ससुराल पहुंचे दामाद के मुंह पर पोता गोबर

चप्पलों की पहनाई माला, डीजे बजाकर निकाला जुलूस

नर्मदापुरम, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। नर्मदापुरम जिले में पत्नी को लेने पहुंचे दामाद की ससुरालवालों ने तालिबानी सजा देकर बुरी बेइज्जती की. विवाद के बाद ससुरालवालों ने ग्रामीणों के साथ मिलकर पहले दामाद को अर्धनग्न कर दिया और फिर उसके गले में चप्पलों की माला पहनाकर घुमाया. यही नहीं, उसके सिर और मुंह पर गोबर लपेट दिया था और डीजे के गानों पर थिरकते हुए जुलूस निकाला गया. पीड़ित युवक की शिकायत पर पथरौटा थाने में 4 लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है. पुलिस के अनुसार, माखन नगर के सेंधरवाड़ा गांव में रहने वाले विवेक इवने का विवाह 8 दिसंबर 2021 को टांगना गांव की सुमन से हुआ था. उसकी पत्नी नर्सिंग की ट्रेनिंग कर रही है. पढ़ाई के बीच नर्सिंग कॉलेज की मान्यता रद्द होने की वजह से सुमन मायके चली गई थी.

शिंदे की दशहरा रैली को 'सामना' में बताया गया फैशन शो

कहा- वहां पढ़ी गई सिर्फ 'मोदी-शाह चालीसा'

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने शुक्रवार को एक बार फिर मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री शिंदे की दशहरा रैली एक भाजपा समर्थिक कार्यक्रम था। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि उनके भाषण के दौरान केवल 'मोदी-शाह चालीसा' पढ़ी गई। उन्होंने शिंदे के धड़े को 'डुप्लीकेट शिवसेना' भी करार दिया।

शिवसेना ने अपने मुखपत्र 'सामना' में दावा किया कि शिंदे खेमे ने बांद्रा कुर्ला कॉम्पलैक्स (बीकेसी) में आयोजित दशहरा रैली में 50 करोड़ से 100 करोड़ रुपये खर्च किए, चूंकि करीब दो हजार बसों को समर्थकों के लिए बुक किया गया था। कार्यक्रम में शामिल हुए दो लाख से ज्यादा लोगों को भोजन कराया गया। इसमें कहा गया है कि बांद्रा कुर्ला कॉम्पलैक्स में आयोजित रैली भाजपा-समर्थित कार्यक्रम था। विधायकों को खरीदने के लिए राशि खर्च की गई और यह कार्यक्रम एक फैशन शो और सौंदर्य प्रतियोगिता की तरह था। शिंदे और शिवसेना के अन्य विधायकों की बगावत के बाद से उद्धव ठाकरे गुट लगातार यह कहते हुए निशाना बनाता रहा है कि हरेक बागी विधायकों ने 50 खोके (पेटी) लिए। जिसका मतलब पचास करोड़ रुपये है।

सामना में आगे कहा गया है कि रैली का आयोजन शिवसेना के नाम पर किया गया, लेकिन यह भाजपा का कार्यक्रम ज्यादा था, क्योंकि भाषण में नकली शिवसेना के प्रमुख नेता (शिंदे) ने मोदी-शाह चालीसा (प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह की प्रशंसा) को पढ़ा। बता दें कि दशहरा के मौके पर 5 अक्तूबर की साम दोनों धड़ों ने मेगा रैलियां की थीं। जहां ठाकरे ने दादर इलाके के शिवाजी पार्क में अपनी रैली को संबोधित किया, वहीं शिंदे ने बांद्रा कुर्ला कॉम्पलैक्स में सभा को संबोधित किया। शिवसेना के मुखपत्र में आगे लिखा या है कि यह भाजपा ही है जिसने पटकथा लिखी है। मुख्य भाषण का सार, संवाद, चरित्र इसके (भाजपा) द्वारा लिखे गए थे। शिंदे गुट ऐसा व्यवहार कर रहा है जैसे कि उसका भाजपा में विलय हो गया हो।

'हर साल वहां पूजा होती थी, इस बार गलतफहमी हो गई...'

मदरसे में तोड़फोड़ पर बोले गृह मंत्री

बेंगलुरू, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के बीदर जिले में एक ऐतिहासिक मदरसा में हुई तोड़फोड़ मामले में राज्य के गृह मंत्री अरागा ज्ञानेंद्र का बयान सामने आया है, उन्होंने कहा है कि बीदर में हुई हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। वह एक राष्ट्रीय स्मारक है। हर साल मदरसे में पूजा की जाती है। हालांकि, इस बार ज्यादा लोग थे और इसलिए लोगों में गलतफहमी हो गई।

दअरसल, दशहरा जुलूस में भाग लेने वाले लोगों की भीड़ ऐतिहासिक मदरसा में जबरन घुस गई। आरोप है कि कथित तौर पर भीड़ ने मदरसे में तोड़फोड़ और नारेबाजी की, इसके साथ ही इमारत के एक कोने में पूजा भी की। पुलिस ने इस प्रकरण में नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है, लेकिन अभी तक किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई है। इधर, इस मामले को लेकर मुस्लिम संगठनों गिरफ्तारी नहीं होने पर विरोध-प्रदर्शन की बात कही है।

घटना का वीडियो आया सामने

इस पूरी घटना से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया है। इस वीडियो को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वायरल वीडियो में दिख रहा है कि सीढ़ियों पर खड़ी भारी भीड़ इमारत के अंदर जाने की कोशिश कर रही है।

स्थानीय पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि नौ लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है, लेकिन अभी तक किसी को गिरफ्तार नहीं किया गया है। पुलिस ने कहा कि भीड़ ने बुधवार शाम मदरसे का ताला तोड़ दिया। इसके बाद मदरसे की सीढ़ियों पर खड़े होकर, पूजा करने के लिए एक कोने में जाने से पहले, उन्होंने जय श्री राम और हिंदू धर्म की जय के नारे लगाए।

1460 में हुआ था निर्माण

1460 के दशक में निर्मित, बीदर जिले में महमूद गवां मदरसा भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के अंतर्गत आता है। विरासत संरचना भी राष्ट्रीय महत्व के स्मारकों की सूची में है।

वहीं, बीदर के कई मुस्लिम संगठनों ने घटना की निंदा की है और अपराधियों की गिरफ्तारी की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हुई तो जुमे की नमाज के बाद व्यापक विरोध प्रदर्शन किया जाएगा।

ओवैसी ने भाजपा पर साधा निशाना

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने इस घटना को लेकर राज्य की सत्तारूढ़ भाजपा पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह मुसलमानों को नीचा दिखाने के लिए ऐसी घटनाओं को बढ़ावा दे रही है।

पूर्व सैनिक की पत्नी ने पीएम मोदी को उपहार में दीं तीन किताबें

इनमें एक विभाजन के अनुभवों पर आधारित

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। सेना के एक पूर्व सैनिक की पत्नी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अपने दिवंगत पति द्वारा लिखी गई तीन किताबें पीएम मोदी को भेंट कीं। इन किताबों में से एक विभाजन के बारे में उनके अनुभवों पर आधारित है।

पीएम मोदी ने कहा कि उमा सुचदेवा (90) के साथ उनकी यादगार बातचीत हुई। उनके पति कर्नल एचके सचदेवा (सेवानिवृत्त) सम्मानित पूर्व सैनिक थे। वे बहुत ही जोश और आशावाद की भावना से परिपूर्ण थीं। उनके चेहरे पर गर्व की भावना साफ दिखाई दे रही थी। उनके साथ उनके भतीजे और पूर्व सेना प्रमुख जनरल वेद प्रकाश मलिक (सेवानिवृत्त) भी थे।

प्रधानमंत्री ने एक ट्वीट में कहा कि उमा जी ने मुझे उनके दिवंगत पति द्वारा लिखी गई 3 पुस्तकों की प्रतियां दीं। उनमें से दो गीता से जुड़ी हैं और तीसरी 'ब्लड एंड टियर्स' शीर्षक से विभाजन और उसका कर्नल (सेवानिवृत्त) के जीवन पर प्रभाव पर आधारित है। उन्होंने कहा कि हमने भारत के 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाने के फैसले पर चर्चा की। यह दिन विभाजन के कारण पीड़ित लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए मनाया जाता है।

वे मानव लचीलापन और धैर्य का प्रतीक हैं। दरअसल, पीएम मोदी ने 2021 में घोषणा की थी कि 14 अगस्त को विभाजन विभिषिका स्मृति दिवस के रूप में मनाया जाएगा।

कांग्रेस के दो विधायकों ने नशे में महिला के साथ की बदसलूकी, एफआईआर दर्ज

भोपाल, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रीवा और भोपाल के बीच चलने वाली रेवांचल एक्सप्रेस में यात्रा कर रही एक महिला ने सतना और कोतमा के कांग्रेस विधायकों पर बदसलूकी पर आरोप लगाया है। उसका आरोप है कि दोनों विधायकों ने शराब पी रखी थी। दोनों की गाली-गलौज की वजह से सात महीने का उसका मासूम बच्चा सो नहीं सका। सतना विधायक ने इन आरोपों का खंडन किया है। आरपीएफ ने इस मामले में एफआईआर दर्ज कर ली है।

महिला ने अपनी शिकायत में लिखा कि उसके पति वकील है और वह सात माह के बेटे के साथ छह अक्टूबर को रीवा से रानी कमलापति स्टेशन (भोपाल) की यात्रा रेवांचल एक्सप्रेस के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में कर रही थी। रात करीब 11:50 बजे सामने वाली बर्थ पर सफर कर रहे कोतमा विधायक सुनील सराफ और सतना विधायक सिद्धार्थ कुशवाहा ने पास वाली बर्थ पर खाना खाया। इस दौरान दोनों नशे में थे। गंदी-गंदी गालियां दे रहे थे। कंधे पर हाथ लगाकर मुझे उठाया। दोनों बुरी नीयत से उसे देख रहे थे।

गृहमंत्री की मौजूदगी में एनसीबी नष्ट करेगी 25,000 किलोग्राम ड्रग्स

असम के तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे

दिसपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह की मौजूदगी में शनिवार को नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) करीब 25,000 किलोग्राम ड्रग्स को नष्ट करेगा। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने अभियान चलाकर बड़ी संख्या में ड्रग्स की खेप को जब्त किया था। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने एक जून से एक विशेष अभियान चलाकर 75वीं वर्षगांठ के मौके पर नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने तय किया कि वह सभी क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा जब्त कर 75 हजार किलो ड्रग्स को नष्ट करेगा। हालांकि, एनसीबी ने 60 दिनों में यह लक्ष्य हासिल कर लिया। इससे पहले 30 जुलाई को करीब 82,000 किलोग्राम जब्त मादक पदार्थ नष्ट किया गया। एनसीबी यहां शनिवार को करीब 11,000 किलोग्राम मादक पदार्थ नष्ट कर देगा। इसके अलावा लगभग 13,675 किलोग्राम जब्त किए गए नशीले पदार्थ (हेरोइन, गांजा, कोडीन कफ सिरप, मादक गोलियां) को नष्ट किया जाएगा।

इसी अभियान के तहत 30 जुलाई को चंडीगढ़ में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में गृह मंत्री ने वर्चुअल माध्यम से एनसीबी की विभिन्न क्षेत्रीय इकाइयों द्वारा 31,000 किलोग्राम नशीले पदार्थों को नष्ट करने की प्रक्रिया शुरू की। अधिकारी ने बताया कि एक से सात जून तक चले इस विशेष अभियान के दौरान एनसीबी ने करीब 1,09,000 किलोग्राम जब्त नशीला पदार्थ नष्ट कर दिया है।

केंद्र ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों में अशुद्धि के दावों को खारिज किया, रिपोर्ट्स को बताया गलत

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को आंकड़ों की सटीकता पर सवाल उठाने वाली रिपोर्ट्स को खारिज करते हुए कहा कि 2018-19 के राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों के अनुमानों में आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च (ओओपीई) में पर्याप्त कमी आई है, जो इस बात की पुष्टि करता है कि नागरिकों के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (एनएचए) स्वास्थ्य क्षेत्र के भीतर किए गए खर्च पर विस्तृत जानकारी प्रदान करता है जो कि जरूरी है क्योंकि यह न सिर्फ देश में स्वास्थ्य प्रणाली का प्रतिबिंब है बल्कि सरकार को स्वास्थ्य में प्रगति की निगरानी करने में सक्षम बनाता है। बयान में कहा गया है कि हालिया एनएचएच के अनुमान (2018-19) आउट-ऑफ-पॉकेट खर्च (ओओपीई) में पर्याप्त कमी दिखाता है, जो नागरिकों के वित्तीय बोझ को कम करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। रिपोर्ट में स्वास्थ्य वित्त विशेषज्ञों के हवाले से दावा किया गया था कि इस तरह की कमी संभव नहीं है।

स्वतंत्र वार्ता

शनिवार, 8 अक्टूबर, 2022

डाकिया एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान

रमेश सर्राफ धमोरा

भारत में डाक विभाग के महत्व को मशहूर शायर निदा फाजली के शेर सीधा-साधा डाकिया जादू करे महान, एक ही थैले में भरे आंसू और मुस्कान से समझा जा सकता है। शायर निदा फाजली ने जब यह शेर लिखा था उस वक्त देश में संदेश पहुंचाने का डाक विभाग ही एकमात्र साधन था। डाकिये के थैले में से निकलने वाली चिट्ठी पढ़कर कोई खुश होता था तो कोई दुखी। हमारे देश में पहले डाक विभाग का इतना अधिक महत्व था कि फिल्मों तक में डाकिये पर कई मशहूर गाने फिल्माये गये हैं। मगर अब नजारा पूरी तरह से बदल चुका है। इंटरनेट के बढ़ते प्रभाव ने डाक विभाग के महत्व को बहुत कम कर दिया है। आज लोगों ने चिट्ठियां लिखनी छोड़ दी हैं। अब ई-मेल और माध्यमों से मिनटों में लोगो में संदेशों का आदान प्रदान हो जाता है। 09 अक्टूबर को पूरी दुनिया में विश्व डाक दिवस मनाया जाता है। वर्ष 1874 में इसी दिन यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का गठन करने के लिए स्विट्जरलैंड की राजधानी बर्न में 22 देशों ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था। 1969 में जापान के टोक्यो शहर में आयोजित सम्मेलन में विश्व डाक दिवस के रूप में इसी दिन को चयन किये जाने की घोषणा की गयी थी। एक जुलाई 1876 को भारत यूनिवर्सल पोस्टल यूनियन का सदस्य बनने वाला भारत पहला एशियाई देश था। जनसंख्या और अंतरराष्ट्रीय मेल ट्रैफिक के आधार पर भारत शुरू से ही प्रथम श्रेणी का सदस्य रहा है। विश्व डाक दिवस का मकसद सामाजिक और आर्थिक विकास में डाक क्षेत्र के योगदान के बारे में जागरुकता पैदा करना है। दुनिया भर में प्रत्येक वर्ष 150 से ज्यादा देशों में विविध तरीकों से विश्व डाक दिवस आयोजित किया जाता है। भारतीय डाक प्रणाली का जो उन्नत और परिष्कृत स्वरूप आज हमारे सामने है, वह हजारों सालों के लंबे सफर की देन है। अंग्रेजों ने डेढ़ सौ साल पहले अलग-अलग हिस्सों में अपने तरीके से चल रही डाक व्यवस्था को एक सूत्र में पिरोने की पहल की थी। उन्होंने भारतीय डाक को एक नया रूप और रंग दिया। पर अंग्रेजों की डाक प्रणाली उनके सामरिक और व्यापारिक हितों पर ही केंद्रित थी। पहले डाक विभाग हमारे जनजीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होता था। गांव में जब डाकिया डाक का थैला लेकर आता था तो बच्चे-बूढ़े सभी उसके साथ डाक घर की तरफ इस उत्सुकता से चल पड़ते थे कि उनके भी किसी परिजन की चिट्ठी आयेगी। डाकिया जब नाम लेकर एक-एक चिट्ठी बांटना शुरू करता तो सभी लोग अपनी या अपने पड़ोसी की चिट्ठी ले लेते व उसके घर जाकर उस चिट्ठी को बड़े चाव से देते थे। उस वक्त शिक्षा का प्रसार न होने से अक्सर महिलायें अनपढ़ होती थीं। इसलिये चिट्ठी लाने वालों से ही चिट्ठियां पढ़वाती भी थी और लिखवाती भी थी। कई बार चिट्ठी पढने-लिखने वाले बच्चों को ईनाम स्वरूप कुछ पैसा या खाने को गुड़, पताशे भी मिल जाया करते थे। इसी लालच में बच्चे ज्यादा से ज्यादा घरों में चिट्ठियां पहुंचाने का प्रयास करते थे। उस वक्त गांवो में बैक शाखा भी नहीं होती थी। इस कारण बाहर कमाने गये लोग अपने घर पैसा भी डाक में मनीआर्डर के द्वारा ही भेजते थे।

मनीआर्डर देने डाकिया स्वयं प्राप्तकर्ता के घर जाता था व भुगतान के वक्त एक गवाह के भी हस्ताक्षर करवाता था। इसी तरह रजिस्टर्ड पत्र देते वक्त भी प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर करवाए जाते थे। डाक विभाग अति आवश्यक संदेश को तार के माध्यम से भेजता था। तार की दर अधिक होने से उसमें संक्षिप्त व जरूरी बातें ही लिखी जाती थी। तार भी साधारण जरूरी होते थे। जरूरी तार की दर सामान्य से दोगुनी होती थी। पहले पत्रकारिता में भी जरूरी खबरें तार द्वारा भेजी जाती थीं, जिनका भुगतान समाचार प्राप्तकर्ता समाचार पत्रों द्वारा किया जाता था। इस बाबत समाचार पत्र का सम्पादक जिलों में कार्यरत अपने संवाददाताओं को डाक विभाग से जारी एक अधिकार पत्र देता था, जिनके माध्यम से संवाददाता अपने समाचार पत्र को बिना भुगतान किये डाकघर से तार भेजने के लिये अधिकृत होता था। 15 जुलाई, 2013 से सरकार ने तार सेवा को बन्द कर दिया। आज डाक में लोगों की चिट्ठियां तो गिनती की ही आती है। मनीआर्डर भी बंद से ही हो गये हैं। मगर डाक से अन्य सरकारी विभागों से सम्बन्धित कागजात, बैंको व अन्य संस्थानो के प्रपत्र काफी संख्या में आने से डाक विभाग का महत्व फिर से एक बार बढ़ गया है। डाक विभाग कई दशकों तक देश के अंदर ही नहीं बल्कि एक देश से दूसरे देश तक सूचना पहुंचाने का सर्वाधिक विश्वसनीय, सुगम और सस्ता साधन रहा है। लेकिन इस क्षेत्र में निजी कम्पनियों के बढ़ते दबदबे और फिर सूचना तकनीक के नये माध्यमों के प्रसार के कारण डाक विभाग की भूमिका लगातार कम होती गयी है। वैसे इसकी प्रासंगिकता पूरी दुनिया में आज भी बरकरार है। बदलते हुए तकनीकी दौर में दुनिया भर की डाक व्यवस्थाओं ने मौजूदा सेवाओं में सुधार करते हुए खुद को नयी तकनीकी सेवाओं के साथ जोड़ा है। डाक, पार्सल, पत्रों को गंतव्य तक पहुंचाने के लिए एक्सप्रेस सेवाएं शुरू की हैं। डाक घरों द्वारा मुहैया करायी जानेवाली वित्तीय सेवाओं को भी आधुनिक तकनीक से जोड़ा गया है। दुनियाभर में इस समय 55 से भी ज्यादा विभिन्न प्रकार की पोस्टल ई-सेवाएं उपलब्ध हैं। भविष्य में पोस्टल ई-सेवाओं की संख्या और अधिक बढ़ाई जाएगी। डाक विभाग से 82 फीसदी वैश्विक आबादी को होम डिलीवरी का फायदा मिलता है। भारतीय डाक विभाग पिन कोड नम्बर (पोस्टल इंडेक्स नम्बर) के आधार पर देश में डाक वितरण का कार्य करता है। पिन कोड नम्बर का प्रारम्भ 15 अगस्त 1972 को किया गया था।

इसके अन्तर्गत डाक विभाग द्वारा देश को नो भौगोलिक क्षेत्रो में बांटा गया है। संख्या 1 से 8 तक भौगोलिक क्षेत्र हैं व संख्या 9 सेना की डाक सेवा को आवंटित किया गया है। पिन कोड की पहली संख्या क्षेत्र दूसरी संख्या उपक्षेत्र, तीसरी संख्या जिले को दर्शाती है। अन्तिम तीन संख्या उस जिले के विशिष्ट डाकघर को दर्शाती है। डाक विभाग के अंतर्गत केंद्र सरकार ने इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक (आईपीपीबी) शुरू किया है। देश के हर व्यक्ति के पास बैंकिंग सुविधाएं पहुंचाने के क्रम में यह एक बड़ा विकल्प होगा। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक ने देश भर में बैंकिंग सेवाएं शुरू कर दी है। आने वाले दिनों में इस के माध्यम से देश का सबसे बड़ा बैंकिंग नेटवर्क अस्तित्व में आएगा। इसकी हर गांव तक मौजूदगी होगी। इन सेवाओं के लिए पोस्ट विभाग के 11000 कर्मचारी घर-घर जाकर लोगों को बैंकिंग सेवाएं देंगे। इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक भारतीय डाक विभाग के अंतर्गत आने वाला एक विशेष किस्म का बैंक है जो 100 फीसद सरकारी है। आईपीपीबी को पूरे देश में पहुंचाने के लिए पोस्ट विभाग के डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क का इस्तेमाल किया जाएगा। देश भर में 40 हजार डाकिये हैं और 2.6 लाख डाक सेवक है। आने वाले वक्त में सरकार इन सभी का इस्तेमाल बैंकिंग सेवाओं को घर-घर पहुंचाने के लिए करेगी। भारत में आजादी के बाद हमारी डाक प्रणाली को आम आदमी की जरूरतों को केंद्र में रख कर विकसित करने का नया दौर शुरू हुआ था। नियोजित विकास प्रक्रिया ने ही भारतीय डाक को दुनिया की सबसे बड़ी और बेहतरीन डाक प्रणाली बनाया है। राष्ट्र निर्माण में भी डाक विभाग ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई है। इसकी उपयोगिता लगातार बनी हुई है। आज भी आम आदमी डाकघरों और डाकिये पर भरोसा करता है। तमाम उतार-चढ़ाव के बावजूद देश में आम जनता का इतना जन विश्वास कोई और संस्था नहीं अर्जित कर सकी है। यह स्थिति कुछ सालों में नहीं बनी है। इसके पीछे डाक विभाग के कार्मिकों का बरसों का श्रम और लगातार प्रदान की जा रही सेवा छिपी है।

कब खत्म होगी दहशतगर्दी?

जम्मू-कश्मीर घाटी में आतंकी गतिविधियों रोकने के जितने भी जतन किए जा रहे हैं वे सब अंततः सफल होते नजर नहीं आ रहे हैं। घाटी में आतंकी संगठन कितने मनबढ़ हो चुके हैं यह इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि जब भी कोई राष्ट्रीय पर्व आता है या केंद्र सरकार का कोई बड़ा नेता दौरे पर होता है, तब ये अपने दहशतगर्दी से बाज नहीं आते। हाल ही में जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जब घाटी के दौरे पर गए, तब भी आतंकियों ने खूनखराबे से कोई परहेज नहीं किया। घात लगा कर हमले किए गए। यहां तक कि डीजी जेल की भी निर्मम हत्या इसी दौरान हो गई। इस मामले में डीजी जेल के घरेलू नौकर को ही गिरफ्तार किया गया है। बहरहाल, आतंकियों की मुश्कें बांधते हुए सुरक्षा बलों ने भी मुठभेड़ में चार आतंकियों को मारे गिराया है। यह बात किसी से छिपी नहीं है कि घाटी में दहशतगर्दी के पीछे पाकिस्तान का सीधा हाथ है। इस मुद्दे पर पाकिस्तान से लंबे समय से बातचीत चल रही है लेकिन लगता है वह बातचीत की भाषा नहीं समझ रहा है। अब गृहमंत्री अमित शाह ने भी चेतावनी दे दी है कि बहुत हो चुकी बातचीत अब पाकिस्तान से कोई बात नहीं बल्कि सीधे कार्रवाई होगी। घाटी से आतंकवादियों का सफाया कर घाटी को सबसे शांत इलाका बनाया जाएगा। लेकिन तमाम सख्ती और सक्रियता के बावजूद जिस तरह घाटी में आतंकी संगठनों की मौजूदगी बनी हुई है वह चिंताजनक है। जिस तरह से दहशतगर्द लगातार सुरक्षा व्यवस्था को चुनौती देते आ रहे हैं, उसे देखते हुए यह दावा करना मुश्किल है कि घाटी में अमन शांति का दौर जल्द ही आ सकता है। इसके बाद तो यही कहा जा सता है कि क्या सिर्फ हथियार के बल पर वहां दहशतगर्दी को खत्म किया जा सकता है? बता दें कि बीते काफी समय से हथियारों के बल पर जिस तरह से सख्त सैन्य अभियान चलाए जा रहे हैं, उसका अपेक्षित परिणाम अभी तक नहीं निकला है। कुछ समय तक जरूर अलगाववादी संगठनों को एक तरह से प्रभावहीन कर दिया गया था लेकिन वह भी बहुत दिनों तक स्थाई नहीं रह सका। आतंकी संगठनों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों को सलाखों के पीछे धकेला गया। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ की तो कमर तोड दी गई थी। घाटी में सैन्य बलों की तादाद पहले से काफी बढ़ाई जा चुकी है। आए दिन तलाशी अभियान चलाए जा रहे हैं। पाकिस्तान की तरफ से सड़क मार्ग के जरिए होने वाली तिजारत पर रोक लगी हुई है, जिससे माना जा रहा है कि दहशतगर्दों तक पैसा, हथियार वगैरह की आमद लगभग बंद हो चुकी है। जम्मू-कश्मीर का विशेष दर्जा समाप्त होने के बाद लंबे समय तक कर्फ्यू रहा, संचार सेवाएं ठप्प पडी रही थीं। जिसके बाद माना गया था कि आतंकी संगठनों की कमर टूट चुकी है। कई मौकों पर बताया भी गया कि घाटी से दहशतगर्दी अब खत्म होने के कगार पर है। लेकिन जब कोई बडा हमला होता है तो जमीनी हकीकत सामने आ जाती है। देखा जाए तो सुरक्षा बलों को निशाना बना कर दहशतगर्द आए दिन हमले करते रहते हैं। जवाब में सुरक्षा बल भी दहशतगर्दों को उनकी बहत्तर हूरों के पास भेज देते हैं। फिर अचानक एक दिन नए सिरे से पूरी तैयारी के साथ वे सामने आ कर गंभीर घटना को अंजाम दे देते हैं जो हैरानी की बात है। कुछ दिनों पहले खुद सरकार ने आंकड़े जारी करके बताया था कि पिछले दो सालों में आतंकी संगठनों में भर्ती होने वाले युवाओं की संख्या लगातार बढ़ी है। जाहिर है तमाम उपायों के बावजूद घाटी में दहशतगर्दी कम नहीं हो रही है। अब तक के सारे सरकारी हथकंडे कारगर नहीं हो पा रहे हैं तो सरकार को नई रणनीति बनाने पर विचार करना चाहिए। हथियार के बल पर तो वह कामयाबी नहीं मिल पाई है जिसकी अपेक्षा की गई थी। लेकिन हाल ही में जिस तरह से गृहमंत्री अमित शाह ने इस समस्या से पार पाने का दम भरा, उससे साफ है कि सरकार हथियार के अलावा दूसरे किसी रास्ते पर विचार नहीं करेगी। अब वहां चुनाव की प्रक्रिया शुरू होनी है तो जाहिर है कि आतंकी उसे चुनौती जरूर देंगे। इसलिए सरकार को हथियार के साथ-साथ स्थानीय लोगों से बातचीत को भी प्राथमिकता देनी चाहिए।

कश्मीर: अमित शाह की दो-टूक बातें

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने गत दिवस बारामूला में 10 हजार से ज्यादा लोगों की सभा को संबोधित किया। यह अपने आप में बड़ी बात है। उनका यहां भाषण ऐतिहासिक और अत्यंत प्रभावशाली रहा। हमारे नेता लोग तो डर के मारे कश्मीर जाना ही पसंद नहीं करते लेकिन इस साल कश्मीर में यात्रियों की संख्या 22 लाख रही जबकि पिछले कुछ वर्षों में 5-6 लाख से ज्यादा लोग वहां नहीं जाते थे। बारामूला की जनसभा और यात्रियों की बढ़ी हुई संख्या ही इस बात के प्रमाण है कि कश्मीर के हालात अब बेहतर हुए हैं। खास तौर से 2019 में अनुच्छेद 370 के हटने के बाद से। लगभग सभी कश्मीरी नेताओं ने अनुच्छेद 370 हटाने का जमकर विरोध किया था लेकिन आजकल उनकी हवा निकली पड़ी है, क्योंकि कश्मीर के हालात में पहले से बहुत सुधार है। मनोज सिन्हा के उप राज्यपाल रहते हुए कश्मीर में अब भ्रष्टाचार करने की किसी की हिम्मत ही नहीं पड़ती। कश्मीर में बगावत का झंडा उठानेवाले और राज करने वाले स्थानीय नेतागण केंद्र से मिलने वाली अरबों-खरबों की धनराशि का जितना इस्तेमाल लोक कल्याण के लिए करते थे, उससे कई गुना ज्यादा अब होने लगा है। अमित शाह ने कहा है कि पिछले 70 साल में कश्मीर में केंद्र की ओर से सिर्फ 15000 करोड़ रुपये लगाए गए थे जबकि अब पिछले तीन साल में 56000 करोड़ रुपये का विनिवेश हुआ है। कई अस्पताल, विश्वविद्यालय, स्कूल, पंचायत भवन आदि खड़े कर दिए गए हैं। पहले कश्मीर का लोकतंत्र सिर्फ 87 विधायकों, 6 सांसदों और दो-तीन परिवारों तक ही सीमित था लेकिन अब 30,000 पंचों और सरपंचों को भी स्थानीय विकास के अधिकार मिल चुके हैं। आतंकवादियों ने कुछ पंचों की हत्या भी कर दी थी लेकिन पंचायत के चुनाव में जन-उत्साह देखने लायक था। अमित शाह ने अपने भाषण में कश्मीर के पिछड़ेपन के लिए तीन परिवारों को जिम्मेदार ठहराया है। गांधी-नेहरू परिवार, अब्दुल्ला और मुफ्ती परिवार। इन तीनों परिवारों ने कश्मीर पर अपना लगभग एकाधिकार बना रखा था, यह तथ्य है लेकिन हम यह न भूलें कि इनमें से किसी ने भी कश्मीर को भारत से अलग करने का नारा नहीं दिया है।

वरना, कांग्रेस और भाजपा इनके साथ मिलकर वहां सरकारें क्यों बनातीं? कश्मीर के अलगाववादी नेताओं से भी मेरा गहन संपर्क रहा है, उनमें से एकाध अपवाद को छोड़कर कभी किसी ने कश्मीर को पाकिस्तान में मिलाने की बात नहीं की है। अमित शाह ने सरकार की इस नीति को दो-टूक शब्दों में दोहराया है कि जब तक आतंकवाद जारी है, पाकिस्तान से भारत बात नहीं करेगा। मेरी राय यह है कि जब पांडव और कौरव महाभारत युद्ध के दौरान बात करते थे और अब नरेन्द्र मोदी यूक्रेन के सवाल पर पुतिन और जेलेंस्की से बात करने का आग्रह कर रहे हैं तो हम पाकिस्तान से बात बंद क्यों करें? मैं तो शहबाज शरीफ और नरेन्द्र मोदी दोनों से कहता हूं कि वे बात करें।

वे खुद बात करने के पहले कुछ गैर-सरकारी माध्यमों के जरिए संपर्क करें। जैसे हमने संकटग्रस्त श्रीलंका और तालिबानी अफगानिस्तान की मदद की, वैसी ही मुसीबत में फंसे पाकिस्तान के लोगों की मदद के लिए भी हाथ आगे बढ़ाएं।

गंभीर चिंता का कारण बनता आत्महत्या का ग्राफ

योगेश कुमार गोयल

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक दुनिया में हर 40 सेकेंड में एक व्यक्ति आत्महत्या करता है यानी प्रतिवर्ष दुनियाभर में करीब आठ लाख लोग आत्महत्या के जरिये अपनी जीवनलीला खत्म कर डालते हैं, जिनमें से बड़ी संख्या में आत्महत्या के मामले 15 से 29 वर्ष के लोगों में होते हैं। जबकि आत्महत्या का प्रयास करने वालों का आंकड़ा इससे बहुत ज्यादा है। लोगों में अवसाद निरन्तर बढ़ रहा है, जिसके चलते ऐसे कुछ व्यक्ति आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठते हैं। लोगों में जीवन से निराश होकर आत्महत्या की बढ़ती दुष्प्रवृत्ति गंभीर चिंता का सबब बन रही है। कोरोना काल में लोगों में हताशा और निराशा ज्यादा बढ़ी है, जिससे आत्महत्याओं का प्रतिशत भी लगातार बढ़ रहा है। डब्ल्यूएचओ के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न और मध्यवर्ग वाले देशों के लोग करते हैं और इसमें बड़ी संख्या ऐसे युवाओं की होती है, जिनके कंधों पर किसी भी देश का भविष्य टिका होता है। बीते वर्षों में हालांकि दुनियाभर में खुदकुशी की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं लेकिन भारत में आत्महत्याओं का आंकड़ा काफी चिंताजनक है। कुछ ही दिनों पहले राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) ने वर्ष 2021 में भारत में आत्महत्या के मामलों को लेकर 'भारत में आकस्मिक मौतें एवं आत्महत्याएं-2021' रिपोर्ट जारी की थी, जिसके मुताबिक 2021 में देश में 164033 लोगों ने आत्महत्या की। एनसीआरबी के मुताबिक आत्महत्या की घटनाओं के पीछे पेशेवर या कैरियर संबंधी समस्याएं, अलगाव की भावना, दुर्व्यवहार, हिंसा, पारिवारिक समस्याएं, मानसिक विकार, शराब की लत, वित्तीय नुकसान, पुराने दर्द इत्यादि मुख्य कारण हैं। रिपोर्ट में साफतौर पर बताया गया था कि कोरोना के कारण आर्थिक स्थिति में उतार-चढ़ाव, पारिवारिक क्लेश, रिश्तों में टूटन तथा बीमारी से परेशानी सहित कई अन्य कारणों के चलते देश में 2021 में आत्महत्याएं 2020 के मुकाबले करीब 7.2 फीसदी बढ़ गई।

2020 में आत्महत्या के मामलों की संख्या 153052 दर्ज हुई थी। मनोचिकित्सकों के मुताबिक इंसान को कोरोना ने शारीरिक रूप से जितना बीमार किया है, उससे कहीं ज्यादा मानसिक तनाव दिया है। छात्र अपनी शिक्षा एवं भविष्य को लेकर गहरे असमंजस में हैं। किसी को कैरियर या नौकरी की चिंता सता रही है तो कोई वित्तीय संकट से जूझ रहा है। तनाव के दौर में निजी रिश्तों में भी खटास बढ़ी है और आमजन में नकारात्मक विचारों का बढ़ता प्रवाह तथा उपरोक्त चिंताएं कई बार अवसाद का रूप ले लेती हैं, जिसके चलते कुछ लोग परेशानियों से निजात पाने के लिए आत्महत्या का खतरनाक रास्ता चुन लेते हैं। जब कोई व्यक्ति ज्यादा बुरी मानसिक स्थिति से गुजरता है तो एकाएक अवसाद में चला जाता है और इसी अवसाद के कारण ऐसे कुछ लोग आत्महत्या कर लेते हैं, जिसका उनके परिवार के साथ-साथ समाज पर भी बहुत नकारात्मक असर पड़ता है। विशेषज्ञों के मुताबिक अवसाद और तनाव के कारण ही लोगों में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ रही है और जब व्यक्ति को परेशानियों से बाहर निकलने का कोई मार्ग नजर नहीं आता, ऐसे में वह आत्महत्या जैसा हृदयविदारक कदम उठा बैठता है। हालांकि जिन लोगों का मनोबल मजबूत होता है, वे प्रायः विकट परिस्थितियों से उबर भी जाते हैं लेकिन अवसाद के शिकार कुछ लोग विषम परिस्थितियों से लड़ने के बजाय हालात के समक्ष घुटने टेक स्वयं को मौत के हवाले कर देते हैं। हालांकि जब भी कोई व्यक्ति गहरे मानसिक तनाव से जूझ रहा होता है तो उसके व्यवहार में पहले की अपेक्षा कुछ बदलाव देखने को मिलते हैं। ऐसे में आसपास मौजूद लोगों की बड़ी जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे व्यक्ति को इमोशनल, मेंटल या फिजिकल जैसी भी जरूरत हो, सहयोग करें, उसका मनोबल बढ़ाने का प्रयास करें ताकि वह व्यक्ति स्वयं को अकेला महसूस न करे। मनोचिकित्सकों के अनुसार आत्महत्या करना काफी गंभीर समस्या है और आत्महत्या करने के पीछे अधिकांशतः अवसाद को ही जिम्मेदार ठहराया जाता है, जो ऐसे करीब 90 फीसदी मामलों का प्रमुख कारण भी है लेकिन सभी आत्महत्याओं के लिए अवसाद को ही पूरी तरह जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। उनके मुताबिक आत्महत्या करने का विचार किसी इंसान के अंदर तब पनपता है, जब वह किसी मुश्किल से बाहर नहीं निकल पाता। संसार में मनुष्य जीवन को सबसे अनमोल माना गया है क्योंकि हमारा यह जीवन एकमात्र ऐसी चीज है, जिसे हम दोबारा नहीं पा सकते। परिवर्तन प्रकृति और समाज का नियम है, इसलिए यह मानकर चलना चाहिए कि यदि आज बुरा समय आया है तो कल अच्छा भी आएगा लेकिन इसके लिए जरूरी है कि नकारात्मकता को स्वयं पर हावी न होने दें और सकारात्मक सोच के साथ मेहनत करते रहें। जीवन में आने वाली समस्याओं को स्वीकार करते हुए स्वयं पर भरोसा रखकर उन्हें हल करने का तरीका ढूंढ़ें। मुसीबतों से घिरा व्यक्ति जब स्वयं को अकेला समझने लगता है, तभी वह अवसादग्रस्त होने लगता है और अवसादग्रस्त होने पर लोग प्रायः चीजों से या अपने करीबी लोगों से भी दूर रहना पसंद करते हैं। परिवार या दोस्तों से दूर रहने पर अकेले में किसी भी व्यक्ति का आत्मबल कमजोर पड़ जाता है और कई तरह के नकारात्मक विचार मन में आते हैं, इसलिए ऐसी स्थिति में अपने परिवार या दोस्तों के साथ समय बिताएं, जो विकट परिस्थितियों में बड़ा मानसिक संबल दे सकते हैं। यदि कभी जरूरत से ज्यादा तनाव अथवा किसी मानसिक बीमारी का अहसास हो तो तुरंत किसी मनोचिकित्सक से मिलकर अपनी परेशानियों के बारे में खुलकर बात करें। केन्द्र सरकार द्वारा अगस्त 2020 में एक मेंटल हैल्थ रिहैबिलिटेशन हेल्पलाइन (किरण हेल्पलाइन) नंबर भी जारी किया गया था, जिस पर कॉल करके ऐसी स्थिति में मदद या काउंसलिंग की मांग की जा सकती है।

एटम बम गिरे तो क्या होगा

यूक्रेन युद्ध में रूस बैकफुट पर है। इसके बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पूतिन ने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल की एक बार फिर धमकी दी। अगर पूतिन इनका इस्तेमाल करते हैं तो यह असाधारण बात होगी। फिर भी रूस के बार-बार परमाणु हथियारों के प्रयोग की चेतावनी को देखते हुए एक्सपर्ट्स ने कुछ अनुमान लगाए हैं। 'द इकॉनमिस्ट' मैगजीन ने एक्सपर्ट्स से बातचीत कर पता लगाया है कि अगर रूस एटम बम का प्रयोग करता है तो वह कैसा होगा।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि तीन तरह से रूस ऐसा कर सकता है। पहले तरीके में वह दिखाने के लिए परमाणु हथियार का प्रयोग करेगा, जिसमें किसी की जान नहीं जाएगी। दूसरे में वह यूक्रेन पर एटम बम गिरा सकता है और तीसरे में वह नैटो पर इन हथियारों से हमला कर सकता है। वह धीरे-धीरे इसकी शुरुआत करेगा। पहले वह एटम बम का परीक्षण करेगा। वह भूमिगत या आसमान में बहुत ऊपर यह धमाका कर सकता है। ब्लैक सी या यूक्रेन के ऊपर। इससे किसी की जान नहीं जाएगी, लेकिन इलेक्ट्रोमैग्नेटिक पल्स क्रिएट होंगी, जो बिजली के उपकरणों को बेकार कर सकती हैं। अगर इसके बाद भी यूक्रेन ने युद्ध जारी रखा तो दुनिया रूस के और भी खिलाफ हो जाएगी। इसके साथ उसे कोई सैन्य बढ़त भी नहीं मिलेगी। एक सोच यह भी है कि रूस की सेना इन हथियारों का इस्तेमाल इस तरह से करना चाहेगी, जिससे लड़ाई में उसे बढ़त मिले। इसमें यूक्रेन के हवाई अड्डे, हथियारों के भंडार शामिल हो सकते हैं। यहां मसला यह है कि यूक्रेन की फौज बड़े इलाके में फैली हुई है और फरवरी के आखिरी हफ्ते से शुरू हुई लड़ाई में वह मजबूती से अभी तक टिकी हुई है। इसलिए कुछ ठिकानों पर सीधे हमले से भी रूस के हाथ बहुत कुछ नहीं लगेगा। ऐसे हमले कितने असरदार साबित हो सकते हैं, इसके लिए पहले हुई एक स्टडी पर गौर करते हैं। यह स्टडी भारत और पाकिस्तान के बीच काल्पनिक परमाणु युद्ध को लेकर हुई थी। इसमें अनुमान लगाया गया था कि अगर 5 किलो टन का परमाणु बम गिराया जाए तो सिर्फ 13 टैंक तबाह होंगे, बशर्ते वे काफी दूर-दूर हों। हिरोशिमा पर इससे तीन गुना अधिक क्षमता का एटम बम गिराया गया था। इसी तरह से यूक्रेनी फौज की एक ब्रिगेड, जिसमें तीन से पांच हजार सैनिक होते हैं, उसे तबाह करने के लिए चार छोटे परमाणु हथियारों का इस्तेमाल करना होगा। यह हमला भी तभी कारगर होगा, जब पूरी ब्रिगेड एक जगह इकट्ठी हो।अगर रूस बड़ी तबाही चाहता है तो उसे यूक्रेन के किसी शहर पर एटम बम गिराना होगा। लेकिन इसमें बड़ा जोखिम है। ऐसा होने पर नैटो युद्ध में कूद सकता है और तब रूसी फौज की हार हो सकती है। वहीं, अगर रूस ने नैटो पर परमाणु हथियारों का प्रयोग किया तो वह भी उसके लिए ठीक नहीं होगा। नैटो में शामिल अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस के पास अपने परमाणु हथियार हैं और इस सूरत में वे भी जवाबी हमला कर सकते हैं।

सुपोषण अभियान का आरोग्य विचार

डॉ. दिलीप अग्निहोत्री

उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के कार्यकाल में स्वास्थ्य सुविधाओं का अभूतपूर्व विस्तार हुआ है. यह ऐसा क्षेत्र है जिसमें ढांचा गत सुविधा और स्वास्थ्य संबन्धी संसाधनों के साथ ही चिकित्सकों की पर्याप्त उपलब्धता भी अपरिहार्य होती है. पर्याप्त चिकित्सक और

प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों के अभाव में अन्य सभी संसाधन निरर्थक हो जाते हैं. पिछली सरकारों ने इस पर पर्याप्त ध्यान ही नहीं दिया. पहले सरकार चला में रह चुके वर्तमान विपक्ष को इस पर प्रश्न उठाने का नैतिक अधिकार नहीं हैं. स्वतंत्रता के बाद से लेकर पांच वर्ष पहले तक प्रदेश में मात्र बारह मेडिकल कालेज थे. योगी आदित्यनाथ सरकार ने विगत पांच वर्षों में करीब चालीस मेडिकल कालेजों का निर्माण किया. उनकी सरकार एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर एक जिला एक मेडिकल कालेज की योजना पर कार्य कर रही है. इससे जहां चिकित्सा ढांचा गत सुविधाओं और स्वास्थ्य संबन्धी संसाधनों का विस्तार हो रहा हैं, वहीं अगले कुछ वर्षों में चिकित्सकों और अन्य चिकित्सा कर्मियों की भी पर्याप्त संख्या हो जाएगी. वर्तमान सरकार केवल चिकित्सा सेवाओं के विस्तार तक ही सीमित नहीं है. बल्कि भारतीय जीवन-शैली के अनुरूप स्वास्थ्य और आरोग्य पर भी ध्यान दिया है. इसके अंतर्गत ही अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत हुई थी. इसके अलावा

सूपोषण अभियान शुरू किया गया.फिट इंडिया मुहिम लोगों को फिटनेस के बारे में समझने का बहुत बड़ा अभियान है। इसका शुभारंभ नरेंद्र मोदी ने किया था। इसी प्रकार सुपोषण के प्रति जागरूकता का भी अभियान चलाया गया। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले कार्यकाल में ही सुपोषण अभियान का शुभारंभ किया था। इसके माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना था। इसके लिए महंगे खाद्य पदार्थों का सेवन अनिवार्य नहीं होता। प्रकृति अनेक खाद्य पदार्थ सहज रूप में उपलब्ध कराती है। इनका सेवन स्वास्थ्य वर्धक होता है। कुछ दशक पहले तक भारत में यह सब हमारी जीवन शैली में समाहित था। आधुनिक सभ्यता ने इसका महत्व कम किया। वर्तमान सरकार भारत की परम्परागत जीवन शैली को पुनः अपनाने के प्रति लोगों को जागरूक बनाना चाहती है। सुपोषण अभियान का यही उद्देश्य है। किसी देश के समग्र विकास में स्वास्थ्य भी शामिल है। इसमें स्वस्थ जीवन शैली का समावेश है। भारतीय चिंतन में भी यही संदेश दिया गया। प्राचीन भारत के ऋषियों ने सभी के लिए जीवेत शरदः शतम की कामना की थी, अच्छे स्वास्थ्य को सबसे बड़ी पूंजी बताया था। इसके लिए आहार, विहार, योग, यम, प्राणायाम का मंत्र दिया। उस अनाज के सेवन का संदेश दिया, जिसे मोटा अनाज नामकरण से उपेक्षित किया गया। प्रकृति के निकट रहने, उसके संरक्षण व संवर्धन के सुझाव दिया। गौ दुग्ध का महत्व बताया। इसलिए गौ सेवा का मंत्र दिया। आधुनिकता की दौड़ में यह सभी विचार पीछे छूटते गए, बीमारियां बढ़ती गई, शरीर की प्रतिरोधक क्षमता कम होती गई। लेकिन समय के साथ दुनिया को इस भूल का अनुभव हो रहा है। ऐसे में भारत की ओर सबका ध्यान आकृष्ट हो रहा है। अब वही मोटा अनाज प्रमुख होता जा रहा है। आयुर्वेद के सूत्र उपयोगी लग रहे हैं। हल्दी, सहजन, तुलसी, काढ़ा, गाय का दूध, योग आदि बहुत कुछ अब आधुनिक जीवन शैली की पहचान बनते जा रहे हैं। कोरोना संकट में प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने पर बल दिया गया.

इसके दृष्टिगत भारतीय विचारों को उपयोगी माना गया। प्राचीन भारत के आयुर्वेद का पर अमल करके प्रतिरोधक क्षमता बढाई जा सकती है। ईट लोकल,थिंक ग्लोबल का सूत्र वाक्य दिया गया। यह वोकल से लोकल अभियान पर ही आधारित है। ईट लोकल में स्वास्थ्य का विचार शामिल है। लोकल फूड्स का सेवन करने से उस क्षेत्र के किसानों के साथ-साथ हम स्वास्थ्य को संतुलन में ला सकते हैं। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि देश को समर्थ और सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए महिलाओं एवं बच्चों का पोषण आवश्यक है। इसके दृष्टिगत प्रधानमंत्री द्वारा देश में प्रतिवर्ष सितम्बर माह को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाये जाने का कार्यक्रम प्रारम्भ किया था. पोषण अभियान के अंतर्गत अनेक प्रकार की गतिविधियों पर विशेष बल दिया जाता है.पोषण माह के प्रथम सप्ताह में पोषण वाटिका की स्थापना हेतु पौधरोपण अभियान संचालित किया जाएगा। इसके तहत सरकारी स्कूलों,आवासीय स्कूलों, आंगनबाड़ी केन्द्रों,ग्राम पंचायत की अतिरिक्त भूमि पर पौधरोपण किया जाए। माह के दूसरे सप्ताह में योग एवं आयुष से जुड़े कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

6 शुभ योग में मनेगी शरद पूर्णिमा

9 अक्टूबर को तीन ग्रह होंगे अपनी ही राशि में, सर्वार्थसिद्धि योग में खरीदारी और निवेश का मुहूर्त

अश्विन महीने की पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा भी कहते हैं। ग्रंथ कहते हैं कि इस तिथि पर देवी लक्ष्मी पृथ्वी का आती हैं। जो इस रात जाग कर देवी की पूजा करता है उससे लक्ष्मीजी खुश होती हैं। शरद पूर्णिमा पर विशेष शुभ योग के बनने से ये पर्व और ज्यादा खास हो जाएगा।

ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति

इस साल शरद पूर्णिमा पर गुरु अपनी ही राशि मीन में चंद्रमा के साथ रहेगा। इनकी युति से गजकेसरी नाम का बड़ा शुभ योग बनेगा। वहीं बुध ग्रह अपनी ही राशि में सूर्य के साथ रहेगा। जिससे बुधादित्य योग बनेगा। इस पर्व पर शनि भी स्वराशि में रहेगा। जिससे शश योग रहेगा। साथ ही तिथि, वार और नक्षत्र से मिलकर सर्वार्थसिद्धि, ध्रुव और स्थिर नाम के शुभ योग बनेंगे। इस तरह सालों बाद सितारों का ऐसा शुभ संयोग बनेगा।

महत्वपूर्ण काम करने का दिन

पूर्णा तिथि और सितारों का शुभ संयोग बनने से शरद पूर्णिमा पर खरीदारी और नए काम शुरू करना शुभ रहेगा। इस शुभ संयोग में प्रॉपर्टी, निवेश और महत्वपूर्ण लेन-देन करने से धन लाभ होने की संभावना और बढ़ जाएगी। जॉब और बिजनेस करने वाले लोगों के लिए पूरा दिन फायदेमंद रहेगा। इसके साथ ही सेविंग भी बढ़ेगी। इस दिन पद ग्रहण करना या नया दायित्व लेना भी शुभ है। इस दिन किए गए काम लंबे समय तक फायदा देने वाले रहेंगे।

क्या करें शरद पूर्णिमा पर

1. इस रात में ग्रहण की गई औषधि बहुत जल्दी लाभ पहुंचाती है।
2. शरद पूर्णिमा पर चंद्र की किरणें भी हमें लाभ पहुंचाती हैं। इसलिए इस रात में कुछ देर चांद की चांदनी में बैठना चाहिए। ऐसा करने पर मन को शांति मिलती है। तनाव दूर होता है।
3. शरद पूर्णिमा की रात घर के बाहर दीपक जलाना चाहिए। इससे घर में सकारात्मकता बढ़ती है।
4. शरद पूर्णिमा की चांद को खुली आंखों से देखना चाहिए। क्योंकि इससे आंखों की समस्या नहीं होती।
5. पूरे दिन व्रत रखें और पूर्णिमा की रात्रि में जागरण करें। व्रत करने वाले को चन्द्र को अर्घ्य देने के बाद ही अन्न ग्रहण करना चाहिए।

दिवाली: घर में सफाई के दौरान दिख जाए ये जीव तो समझिए मिलेगा खूब पैसा

अक्टूबर का महीना शुरू हो चुका है। जी हाँ और नवरात्रि के बाद दिवाली की तैयारियां शुरू होने में कुछ ही दिन बचे हैं। ऐसे में लोग घरों की साफ-सफाई में लगने वाले हैं। कुछ ही दिनों में लोग रंगाई-पुताई का काम करने वाले हैं। वैसे घरों में साफ-सफाई के दौरान कई तरह के कीड़े-मकोड़े भी दिख जाते हैं, जिन्हें लोग मार देते हैं या घरों से बाहर कर देते हैं। हालाँकि आज एक ऐसे ही जीव के बारे में हम आपको बताएंगे, अगर वह घर में सफाई के दौरान दिख जाए तो घबराएं नहीं, यह शुभ संकेत है।

शुभ संकेत- जी दरअसल घर में साफ सफाई करते समय अगर बिच्छू दिख जाए ये शुभ संकेत है। इसका मतलब है कि आपको बहुत जल्द कहीं से धन लाभ होने वाला है। जी दरअसल घर में बिच्छू का निकलना काफी शुभ माना जाता है। इसका मतलब है कि आप पर मां लक्ष्मी अपनी कृपा बरसाने वाली है।

नुकसान न पहुंचाएं- दिवाली पर घर की सफाई के दौरान अगर बिच्छू दिख जाए तो उसे किसी भी तरह का नुकसान न पहुंचाएं। जी दरअसल इस दौरान उसके सामने हाथ जोड़ें और उसे किसी सुरक्षित जगह पर पहुंचा दें।

कारोबार में लाभ- दिवाली के समय घर में पीले रंग का बिच्छू दिखें तो यह काफी अच्छा शगुन माना जाता है। जी हाँ और इसके दिखने के

बाद आने वाले समय में कारोबार में लाभ हो सकता है। आपको बता दें कि इसके दिखने से नौकरी करने वालों को प्रमोशन मिल सकता है। घर की आर्थिक तंगी दूर होती है और धन की प्राप्ति होती है।

एक सच्चा दोस्त हजार रिश्तेदार से बेहतर क्यों होता है

जीवन में हर किसी व्यक्ति को एक न एक साथी या फिर कहें मित्र की जरूरत होती है। एक ऐसा मित्र जो उसके सुख-दुःख में साथ खड़ा रहे। एक ऐसा मित्र जो आपदा के समय उसकी ढाल बन सके। एक ऐसा मित्र जो बगैर किसी स्वार्थ के हमेशा साथ बना रहे और सही समय पर सही दिशा दिखा सके, लेकिन इन सभी खूबियों वाला मित्र सौभाग्य से ही किसी को मिलता है। सवाल यह भी है कि हम जब किसी के साथ मित्रता करने के लिए कदम आगे बढ़ाते हैं तो हमें उसे मित्र के रूप में चयन करते समय किन बातों का विशेष ध्यान रखना चाहिए। आइए सच्चे मित्र से जुड़ी 5 अनमोल बातें जानते हैं।

एक सच्चा दोस्त कभी भी आपके रास्ते में तब तक नहीं आता जब तक कि आप गलत रास्ते पे ना जा रहे हों।

एक सच्चा मित्र वो होता है जो तब आपके साथ तब चलता है, जब सारी दुनिया आपके साथ चलना छोड़ देती है।

हमें अपने मित्र की मदद करने की बजाय उनका विश्वास करना चाहिए, क्योंकि कई बार हमारे मित्रों से जुड़ा भरोसा ही हमारी बहुत बड़ी मदद कर देता हैं।

जीवन में यदि आप एक मित्र खोजने निकलेंगे तो आपके लिए मुश्किल होगा, लेकिन यदि आप मित्र बनने के लिए निकलेंगे तो आपको हर जगह मित्र मिलेंगे।

जीवन में किसी जानवर से भले मत डरिये लेकिन एक धोखेबाज मित्र से हमें सावधान रहें, क्योंकि जानवर तो सिर्फ शरीर पर घाव देता है, जो कि आसानी से भर जाता है लेकिन एक धोखेबाज मित्र से मिला घाव आपके मन और आत्मा को छलनी करता है, जो जीवन भर नहीं भरता है।

लंका में हनुमानजी ने छोटे रूप में किया था प्रवेश

श्रीराम ने इस काम के लिए हनुमान जी को भेजा था। हनुमान जी सीता की खोज में लंका के बाहर तो पहुंच गए थे, लेकिन अब अंदर प्रवेश करना था।

हनुमान जी लंका के बाहर एक जंगल में खड़े थे और एक ऊंचे पर्वत को देख रहे थे। जब वे उस ऊंचे पर्वत पर चढ़े तो उन्हें एक बड़े किले की तरह लंका दिखाई दी।

लंका की दीवारों के परकोटे सोने से बने हुए थे, किले के अंदर सुंदर-सुंदर घर थे। हनुमान जी ने पर्वत से देखा कि लंका की रक्षा बड़े-बड़े राक्षस कर रहे हैं। सभी राक्षस आकार में बहुत बड़े और भयानक नजर

मुश्किलों से डरे नहीं, हर बार ताकत से नहीं कभी-कभी बुद्धि के उपयोग से भी हो सकते हैं सफल

आ रहे थे। हनुमान जी ने विचार किया कि इन भयानक राक्षसों से डरने की तो कोई बात नहीं है, लेकिन मुझे अभी किसी से कोई विवाद नहीं करना है। चुपचाप लंका में प्रवेश करके देवी सीता की खोज करनी है। हनुमान जी ने लंका में प्रवेश करने के लिए योजना बनाई और उन्होंने छोटा सा रूप बना लिया। छोटा सा शरीर करने के बाद हनुमान जी श्रीराम का ध्यान किया और लंका में करने लगे, लेकिन छोटे से रूप में भी लंकिनी ने देख लिया था। उस समय हनुमान जी लंकिनी को मुक्का मारा और फिर लंका में प्रवेश कर गए। लंका में पहुंचकर देवी सीता की खोज की। इसके बाद श्रीराम वानर सेना के साथ लंका पहुंचे और रावण का वध किया।

हनुमान जी की सीख

हनुमान जी ने इस घटना में संदेश दिया है कि हमें मुश्किलों से डरना नहीं चाहिए। कभी-कभी ताकत की अपेक्षा बुद्धि का उपयोग करते हुए मुश्किलों को दूर किया जा सकता है। हम चाहे कितने भी शक्तिशाली हो, लेकिन हमें भगवान का ध्यान करते हुए ही काम की शुरुआत करनी चाहिए।

शरद पूर्णिमा पर मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के ये अचूक उपाय

शरद पूर्णिमा मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए सबसे शुभ तिथि मानी गई है। इस बार शरद पूर्णिमा 9 अक्टूबर रविवार को है। मान्यता है कि इस दिन मां लक्ष्मी की पूजा करने और चंद्रमा की रोशनी में खीर बनाकर रखने से आपके घर में सुख समृद्धि आती है और धन में वृद्धि होती है। इस दिन कुछ खास उपाय करने से आपके धन में कई गुना वृद्धि होती है, आइए जानते हैं क्या हैं ये उपाय।

कर्ज से मुक्ति पाने का उपाय

ऐसी मान्यता है कि मां लक्ष्मी धरती पर विचरण के वक्त यह भी देखती हैं कौन-कौन जागकर उनकी पूजा कर रहा है। इसलिए इसे कोजागरी पूर्णिमा भी कहते हैं। इस रात को लक्ष्मी पूजन करने कर्ज से मुक्ति प्राप्त होती है। इस रात को खीर बनाने के बाद मां लक्ष्मी का भोग लगाएं और श्री सूक्त का पाठ, कनकधारा स्तोत्र, विष्णु सहस्त्रनाम का जाप और भगवान कृष्ण का मधुराष्टकं का पाठ करें। ऐसा करने से जल्द ही आप कर्ज से मुक्ति पा सकते हैं।

सफेद कौड़ियों का उपाय

मान्यता है कि समुद्र मंथन से उत्पन्न हुई सफेद कौड़ियां मां लक्ष्मी को बेहद प्रिय मानी जाती हैं। जिस दिन शरद पूर्णिमा हो उस दिन शाम को मां लक्ष्मी की पूजा में लाल कपड़े में बांधकर 5 सफेद कौड़ियां रखें और पूजा के बाद इन कौड़ियों को अपने धन के स्थान में रख दें। मां लक्ष्मी की कृपा आपके घर पर सदैव बनी रहेगी।

पान का उपाय

मां लक्ष्मी को पान भी बेहद प्रिय माना गया है। शरद पूर्णिमा के दिन मां लक्ष्मी को पूजा में पान जरूर अर्पित करना चाहिए और खुद भी पान का सेवन करना चाहिए। शास्त्रों में पान को समृद्धि का प्रतीक माना गया है। मां लक्ष्मी को पान चढ़ाकर उसे प्रसाद स्वरूप घर के सभी सदस्यों में बांट दें।

शरद पूर्णिमा पर तुलसी पूजन

मान्यताओं के अनुसार, तुलसी को भी मां लक्ष्मी का ही रूप माना गया है और शरद पूर्णिमा पर तुलसी की पूजा करना बहुत शुभ होता है। जिस घर में तुलसी की नित्य पूजा होती है उस घर के लोगों से मां लक्ष्मी सदैव प्रसन्न होती हैं। शरद पूर्णिमा के दिन तुलसी के पेड़ पर घी का दीपक जलाकर रखें और सुहाग की वस्तुएं भी अर्पित करें। अगले दिन ये वस्तुएं किसी जरूरतमंद सुहागिन महिला को दान कर दें। ऐसा करने से आपके पति दीर्घायु होंगे और मां लक्ष्मी की कृपा आपके घर पर बनी रहेगी।

अपार धन प्राप्ति के लिए ऐसे करें पूजा

अपार धन प्राप्ति के लिए शरद पूर्णिमा पर विधि विधान से मां लक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। रात में मां लक्ष्मी के समक्ष घी का चौमुखी दीपक जलाएं। गुलाब के फूलों की माला चढ़ाएं और उसके बाद मां लक्ष्मी को सफेद दूध की बर्फी और इत्र अर्पित करें। इसके बाद पूजा कनकधारा स्त्रोत का पाठ करें।

नाखूनों का ऐसा होना अच्छा नहीं

ऐसे व्यक्ति को होती है धन की कमी

गरुड़ पुराण में बताया गया है कि जिस व्यक्ति के नाखून पर पीलापन आ जाता है या जल्दी टूट जाते हैं तो ऐसे व्यक्ति की यौन क्षमता कम हो जाती है। वहीं जिनके नाखून टेड़े और रेखा युक्त होते हैं, उनको धन से संबंधित समस्या का सामना करना पड़ता है। वहीं जिनके नाखूनों पर धब्बे होते हों और देखने में अच्छे न हों तो ऐसे व्यक्ति दूसरों की सेवा करते हैं और उससे ही अपना उदर पोषण करते हैं।

कमजोरी को दर्शाते हैं ऐसे नाखून

गर्ग संहिता में बताया गया है कि जिनके नाखून पर सफेद धब्बे होते हैं, उनके जीवन में काफी तनाव रहता है और यह हड्डियों की कमजोरी भी दर्शाता है। ये धब्बे

तनाव के बढ़ने-घटने के साथ ही आते-जाते रहते हैं। वहीं जिनके नाखूनों पर काले या पीले धब्बे पाए जाते हैं तो उनको सफलता के लिए अधिक मेहनत करनी होती है और यह स्वास्थ्य की कमजोरी को भी दर्शाता है। अगर नाखून पर पीले धब्बे हैं तो यह आपके रक्त (ब्लड) की कमी को दर्शाता है।

सौभाग्य का सूचक देते हैं ऐसे नाखून

जिस व्यक्ति के नाखून लाल, चमकीले और गुलाबी रंग के होते हैं तो वे काफी भाग्यशाली माने जाते हैं। अगर इनके नाखून थोड़े से बाहर निकले हों और वे गुलाबी हों तो यह सौभाग्य का सूचक माना जाता है। कनिष्ठा से बड़ा अनामिका का नाखून होना चाहिए, अनामिका से बड़ा मध्यमा उंगली का। मध्यमा से बड़ा तर्जनी और तर्जनी उंगली के नाखून से बड़ा अंगूठे का होना चाहिए। ऐसे नाखून वालों की चिंताएं कम होती हैं और सफलता का मार्ग खोज ही लेते हैं।

ऐसे नाखून से बताते हैं कई बीमारियां

अगर नाखूनों पर लंबी व खड़ी धारियां हैं तो यह जोड़ों के दर्द की ओर इशारा करता है। ये धारियां हाथ से छूने पर महसूस की जाती हैं। साथ ही इनको किडनी से संबंधित परेशानियां बनी रहती हैं। वहीं अगर नाखून मोटे हैं तो यह अर्थराइटिस, डायबिटीज, फेफड़ों में इन्फेक्शन, एक्जिमा जैसी समस्याओं की ओर दर्शाते हैं।

ऐसे नाखून पर होती है हॉर्ट की समस्या

नाखूनों के किनारे पर अक्सर सफेद लाइन दिखती है, यह लाइन प्रोटीन की कमी का लक्षण हो सकता है। साथ ही यह लाइन तनाव, पोषण की कमी और लिवर डिजीज के बारे में भी बताता है। अगर व्यक्ति के नाखून कछुए की पीठ की तरह बीच में से उठे हुए हैं और उन पर नीले या सफेद रंग के निशान बने हुए हैं तो यह हॉर्ट से संबंधित समस्या को दर्शाते हैं। नीले नाखून ऑक्सीजन की कमी से होते हैं, जिसकी वजह से हॉर्ट संबंधी समस्या होती है।

जेब में नहीं टिक रहा पैसा तो तुरंत करें मेन गेट के ये उपाय

वास्तु शास्त्र में घर परिवार में सुख समृद्धि बनाए रखने के लिए छोटे छोटे उपाय बताए गए हैं। वास्तु में बताए गए ये उपाय बहुत आसान है और लाभकारी हैं। वास्तु में घर के मुख्य दरवाजे को बहुत ही अहम बताया गया है। इसी के जरिए घर में पॉजिटिव और नेगेटिव एनर्जी घर में प्रवेश करती है। इसलिए मेन गेट का वास्तु दोष मुक्त होने बेहद जरूरी है। की बार आपने देखा होगा की खूब पैसा कमाने के बाद भी व्यक्ति के पास पैसा टिक नहीं पाता इसके पीछे वास्तु दोष भी हो सकता है। वास्तु में मेन डोर को लेकर कुछ ऐसे उपाय बताए गए हैं। जिन्हें करने आपको लाभ मिलेगा।

घर के मेन गेट पर लगाए गणेश जी की तस्वीर

हिंदू धर्म में गणेशजी को प्रथम बहुत ही पूज्य माना गया है। हिंदू धर्म में कोई भी शुभ काम करने से पहले गणेशजी की पूजा अर्चना की जाती है। अगर किसी व्यक्ति के घर में वास्तु दोष है तो घर के मेन गेट पर भगवान श्री गणेश की तस्वीर या चित्र लगाना चाहिए। ऐसे

करने से घर में नेगेटिविटी प्रवेश नहीं कर पाती है। साथ ही हर काम में सफलता मिलने के योग और मजबूत हो जाते हैं।

मेन गेट पर लगाएं शमी का पौधा

ज्योतिष शास्त्र में शमी के पौधे को शनिदेव से संबंधित माना जाता है। शमी के दो पौधे अपने घर के मुख. द्वार पर लगाएं और रोज इसमें पानी डालें। ऐसा करने से आपको बुरा समय टल जाएगा। साथ ही नेगेटिविटी भी घर में प्रवेश नहीं कर पाएगी। शमी के पेड़ में पानी डालने से व्यक्ति का गुड लक बढ़ता है और घर परिवार में बरकत बनी रहती है।

घर के मुख्य दरवाजे पर लगाएं ये चिन्ह

वास्तु के अनुसार, अपने घर को नकारात्मक ऊर्जा से बचने के लिए घर के मुख्य दरवाजे पर दोनों तरफ शुभ लाभ लिखना चाहिए। ऐसा करना बहुत ही शुभ माना जाता है। इसके अलावा मां लक्ष्मी के पैर की तस्वीर घर के मुख्य दरवाजे पर लगाने से धन दौलत बढ़ती और घर में समृद्धि आती है। साथ ही मेन गेट पर लाल स्वास्तिक बनाना भी शुभ माना जाता है।

ऑस्कर कैंपेन में आरआरआर की धमाकेदार शुरुआत

बेस्ट डायरेक्टर के लिए राजमौली और बेस्ट एक्ट्रेस के लिए आलिया भट्ट को किया गया नॉमिनेट

डायरेक्टर एसएस राजामौली की ब्लॉकबस्टर फिल्म आरआरआर को अगले साल ऑस्कर के लिए सभी कैटेगीरिज में शामिल किया गया है। इस खबर की ऑफिशियल अनांउसमेंट कर दी गई है। बेस्ट एक्टर के लिए जूनियर एनटीआर और राम चरन, आलिया भट्ट को बेस्ट एक्ट्रेस और अजय देवगन को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। फिल्म की स्क्रीनिंग पिछले शुक्रवार को लॉस एंजिलिस के एक थिएटर में बडे. पैमाने पर की गई।

सभी कैटेगरीज में नॉमिनेट हुई फिल्म

फिल्म आरआरआर को जिन कैटेगीरिज में शामिल किया है उनमें बेस्ट पिक्चर (डीवीवी दानय्या), बेस्ट एक्टर (जूनियर एनटीआर और राम चरन), बेस्ट डायरेक्टर (एसएस राजामौली), बेस्ट स्क्रीनप्ले, ओरिजिनल सॉन्ग, स्कोर, एडिटिंग, सिनेटोग्राफी, साउंड, प्रोडक्शन डिजाइन और वीएफएक्स को शामिल किया गया है। इसके अलावा आलिया भट्ट को बेस्ट एक्ट्रेस और अजय देवगन को बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर के अवार्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है।

फिल्म को विदेशो में भी मिली जबरदस्त पॉपुलैरिटी

फिल्म आरआरआर को सिर्फ इंडिया में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी काफी पॉपुलैरिटी मिली है। अमेरिका और जापान में इस फिल्म को सबसे ज्यादा प्यार मिला था। हाल ही में, फिल्म के एक्टर जूनियर एनटीआर ने जापानी मीडिया के साथ बातचीत की थी जिसके बाद उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर इस संबंध में एक पोस्ट शेयर किया था। एक्टर ने लैपटॉप के सामने बैठकर जापानी मीडिया से बातचीत करते हुए अपनी एक तस्वीर पोस्ट की थी और लिखा था -"जापानी मीडिया के साथ एक बार फिर आरआरआर के एक्सपीरियंस को याद किया, आप सभी को आपके प्यार और प्रशंसा के लिए धन्यवाद।

फिल्म ने 1200 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था

आरआरआर केवल बॉक्स ऑफिस पर ही सुपरहिट नही थी बल्कि क्रिटिक्स ने भी इस फिल्म को खूब सराहा था। फिल्म में राम चरन, जूनियर एनटीआर, अजय देवगन और आलिया भट्ट मुख्य किरदार में थे। इस फिल्म ने 1200 करोड़ का वर्ल्डवाइड कलेक्शन किया था ।

रिलीज के दिन गुड बॉय कह गए अरुण बाली 79 साल की उम्र में हुआ निधन

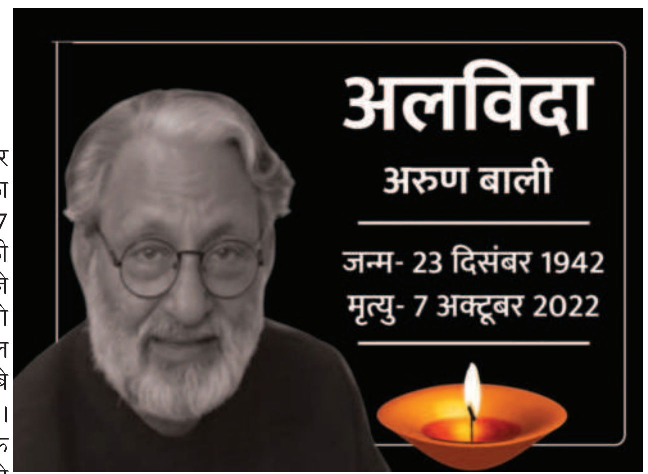

3 इडियट्स, लाल सिंह चड्ढा जैसी फिल्मों में आ चुके हैं नजर

पॉपुलर एक्टर अरुण बाली का शुक्रवार (7 अक्टूबर) की सुबह 4:30 बजे मुंबई में निधन हो गया। वो 79 साल के थे और लंबे वक्त से बीमार थे। परिवार के मुताबिक, वे न्यूरोमस्कुलर बीमारी से जूझ रहे थे। ये एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें नर्व्स और मसल्स के बीच बैरियर हो जाता है। इससे उन्हें बोलने में परेशानी होती थी। हालांकि अभी ये सामने नहीं आ पाया है कि उनका निधन किस वजह से हुआ है। वो आखिरी बार अमिताभ बच्चन और रश्मिका मंदाना के साथ फिल्म 'गुड बॉय' में नजर आए हैं, जो आज रिलीज हुई है।

90 के दशक में की थी करियर की शुरुआत

अरुण का जन्म लाहौर में 1942 में हुआ था। उन्होंने 90 के दशक में अपने करियर की शुरुआत की थी। अरुण ने टीवी में अपने अलग-अलग किरदारों से खूब नाम कमाया। उन्होंने 'नीम का पेड़', 'दस्तूर', 'चाणक्य', 'देख भाई देख', 'द ग्रेट मराठा', 'शक्तिमान', 'स्वाभिमान', 'देस में निकला होगा चांद', 'कुमकुम-एक प्यारा सा बंधन', 'वो रहने वाली महलों की' और 'देवों के देव महादेव' जैसे कई पॉपुलर सीरियल्स में काम किया है।

टीवी के साथ-साथ फिल्मों में भी कर चुके हैं काम

अरुण ने टीवी के साथ-साथ कई फिल्मों में भी काम किया है, जैसे 'राजू बन गया जेंटलमैन', 'खलनायक', 'फूल और अंगारे', 'आ गले लग जा', 'पुलिसवाला गुंडा', 'सबसे बड़ा खिलाड़ी', 'सत्या', 'हे राम', 'ओम जय' जगदीश', 'लगे रहो मुन्ना भाई', 'बर्फी', 'एयरलिफ्ट', 'रेडी', 'बागी 2', 3 इडियट्स और 'पानी'। वो आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' में दिखाई दिए थे।

लंदन में अर्जुन कपूर संग मलाइका ने देखा फुटबॉल मैच

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर अपनी गर्लफ्रेंड मलाइका अरोड़ा को लंदन के चेल्सी मैच दिखाने ले गए हैं। उन्होंने सोशल मीडिया पर फोटोज शेयर कर फैंस को इस बारे में बताया है। फोटोज में अर्जुन, मलाइका को सिर पर किस करते हुए नजर आ रहे हैं, वहीं एक्ट्रेस कैमरे की तरफ देखकर पोज करती दिख रही हैं। इसके साथ ही उन्होंने गेम की कुछ वीडियोज भी शेयर की हैं।

मलाइका ने अर्जुन को कहा धन्यवाद

अर्जुन ने इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'चेल्सी एफसी को बकेट लिस्ट से बाहर कर दिया है... उसे ब्रिज पर एक चेल्सी एफसी गेम में ले जाने में सक्षम होने के कारण !!! हमने 3-0 से जीत हासिल की और मेरे पास इसे सेलिब्रेट करने के लिए मेरे बगल में कोई था।' इसके साथ मलाइका ने भी इस पोस्ट को अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर करते हुए अर्जुन का इस खास डेट के लिए शुक्रिया अदा किया। यूरोप में क्लब स्तर पर चैंपियंस लीग सबसे बड़ा फुटबॉल टूर्नामेंट है। इसका क्रेज यूरोपीय देशों में ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में है। फुटबॉल फैंस टूर्नामेंट के मैच का हमेशा इंतजार करते हैं।

अर्जुन और मलाइका कई सालों से एक दूसरे को डेट कर रहे हैं। अर्जुन ने 2019 में सोशल मीडिया पोस्ट पर ही अपनी रिलेशनशिप की ऑफिशियल अनाउंसमेंट की थी। मलाइका एक्टर, प्रोड्यूसर के तौर पर इंडस्ट्री में काम कर चुकी हैं। उन्होंने 20 साल की उम्र में ही काम शुरू कर दिया था और फिल्म 'दिल' से के गाने छैंया-छैंया से रातों रात स्टार बन गई थीं।

अनन्या पांडे का इंडियन लुक

बॉलीवुड एक्ट्रेस अनन्या पांडे ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में अनन्या ट्रेडिशनल लुक में दिखाई दे रही हैं। वीडियो में अनन्या ने पिंक एंड व्हाइट कुर्ती में बिंदी लगा रखी है। इसी के साथ उन्होंने बालों को खुला रखा है, जिसमें वो बेहद खूबसूरत लग रही हैं। उन्होंने वीडियो शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा,' सेट पर वापसी, #Dreamgirl 2। बता दें, अनन्या जल्दी ही आयुष्मान खुराना के साथ ड्रीम गर्ल 2 में नजर आने वाली हैं। एक्ट्रेस फिल्म की शूटिंग में बिजी चल रही हैं। अब इस वीडियो को देखने के बाद फैंस उनके इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

अफवाह पर उदित नरायण का रिएक्शन

मैं तो हंस रहा हूं, भला मुझे हार्ट अटैक कैसे आ सकता है

सोशल मीडिया पर बॉलीवुड के फेमस सिंगर उदित नारायण के हार्ट अटैक की खबरें ट्रेंड कर रही हैं। खबरों के बाद से ही उदित के फैंस उन्हें लेकर काफी परेशान हो रहे हैं। ऐसे में लोग उनकी सेहत के बारे में अब जानना चाह रहे हैं कि अब वो कैसे हैं। इन खबरों पर हाल ही में उदित नारायण के मैनेजर का रिएक्शन सामने आया है उन्होंने हार्ट अटैक की खबरों से इनकार कर दिया है।

मीडिया से बातचीत में उदित नारायण ने कहा- 'हार्ट अटैक की खबरें पूरी तरह से गलत है, मैं इनता हंसता हूं तो भला मुझे हार्ट अटैक कैसे आ सकता है।' सिंगर ने आगे कहा - मैं तो हंस रहा हूं, दशहरा के मौके इस तरह की निगेटिव अफवाहों से मेरी उम्र बढ़ गई है। कल ही मुझे दिपाली ने कॉल करके बताया कि तुम्हारे लिए एक बुरी खबर है, लोग मुझे कॉल और मैसेज करके तुम्हारे हार्ट अटैक के बारे में पूछ रहे हैं।

उदिन नरायण ने आगे कहा कि लोगों के बारे में कई बार ऐसी अफवाहें फैला दी जाती है जिसे सुनकर दुख होता है। मुझे यह समझ नहीं आता कि आखिर किसी ने ऐसा क्यों किया होगा। इससे पहले भी 2011 में कुछ गुंड़े पकड़े गए थे, जिन्होंने कहा था कि मुझे मारने की सुपारी दी गई है। इस तरह की चीजों से मुझे फर्क नहीं पड़ता है, लेकिन परिवारवाले टेंशन में जरूर आ जाते हैं।

नेपाल के नंबर से फैलाई गई अफवाह

उदित नरायण के मैनेजर ने बताया- हमें लगता है कि यह अफवाह नेपाल से फैलाई गई है। क्योंकि जिस नंबर से यह मैसेज सर्कुलेट हो रहा है, उसका कोड नेपाल का है। मैनेजर ने बताया कि इस अफवाह की वजह से खुद सिंगर भी बेहद परेशान थे। मैनेजर के मुताबिक- उदित नारायण इस वक्त बिल्कुल स्वस्थ हैं। सोशल मीडिया पर यह अफवाह फैलाई गई थी, जिसके बाद लोग काफी परेशान हुए हैं।

हालांकि, यह अफवाह किसने फैलाई अभी तक इस बात की कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इस अफवाह से बी-टाउन में हलचल जरूर मच गई है।आज तक की रिपोट्स के मुताबिक उदित नारायण के मैनेजर ने बताया- हार्ट अटैक की खबरें पूरी तरह से गलत हैं और इन खबरों में किसी भी तरह की सच्चाई नहीं है। उदित नारायण जी बिल्कुल ठीक हैं, उन्हें कुछ भी नहीं हुआ है। मैनेजर ने आगे बताया- इन खबरों के बाद मेरी उदित जी से बात हुई, वो खुद भी इन खबरों की वजह से बेहद परेशान हो रहे थे।

पुष्पा 2 में अर्जुन कपूर आ सकते हैं नजर

पुष्पा के दूसरे पार्ट को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि पुष्पा 2 को बॉलीवुड टच देने के लिए मेकर्स अर्जुन कपूर को फिल्म में कास्ट करने की प्लानिंग कर रहे हैं। इस फिल्म में अर्जुन पुलिस ऑफिसर के रोल में नजर आ सकते हैं। मेकर्स इसे 'पुष्पाः द राइज' से कई ज्यादा बढ़ा बनाना चाहते हैं और बॉलीवुड इडंस्ट्री की ऑडियंस को भी अपने साथ जोड़ना चाहते हैं।

अर्जुन ने नहीं किया है इस खबर को कंफर्म

हालांकि अभी तक ये कंफर्म नहीं हुआ है कि इस किरदार का शेड नेगेटिव होगा या नहीं। अगर इस फिल्म में अर्जुन कपूर नजर आए, तो ये उनकी पहली तेलुगु फिल्म होगी। इस बीच बॉलीवुड में अर्जुन की फिल्में कुछ खास कमाल नहीं कर पा रही हैं। उनकी हालिया रिलीज फिल्म 'एक विलेन रिटर्न्स' भी ऑडियंस को कुछ खास इंप्रेस नहीं कर पाई थी। ऐसे में अगर अर्जुन 'पुष्पा' में काम करते हैं, तो ये उनके करियर के लिए बहुत अच्छा होगा। अभी तक अर्जुन की तरफ से इस पर किसी भी तरह का ऑफिशीयल अनाउंसमेंट नहीं किया गया है। हाल ही में खबरें आई थीं कि साई पल्लवी 'पुष्पाः द रूल' का हिस्सा होंगी। लेकिन पुष्पा के प्रोड्यूसर रविशंकर ने एक इंटरव्यू में बातचीत के दौरान इस खबर से इंकार करते हुए कहा था कि ये खबरें फेक हैं। साई पल्लवी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं।

पुष्पा पिछले साल 17 दिसंबर को रिलीज हुई थी। इसमें अल्लू अर्जुन 'पुष्पाराज' और रश्मिका मंदाना 'श्रीवल्ली' के रोल में नजर आई थीं। इस फिल्म को फैंस ने काफी पसंद किया था। ये फिल्म ओरिजिनली तेलुगु में फिल्माई गई थी और बाद में इसे हिंदी समेत दूसरी भाषाओं में डब कर दिया गया था। पुष्पा 1 ने वर्ल्डवाइड कलैक्शन लगभग 350 करोड़ से भी ज्यादा का किया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अल्लू अर्जुन की फिल्म 'पुष्पा 2' का बजट 450 करोड़ रुपए बताया जा रहा है।

'आदिपुरुष' का टीजर देख ओम राउत पर भड़के प्रभास?

प्रभास और कृति सेनन की फिल्म 'आदिपुरुष' रिलीज से पहले ही लगातार चर्चा में है. इस फिल्म का टीजर जबसे रिलीज हुआ है, तभी से लगातार सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर ट्रोलिंग हो रही है. प्रभास की फिल्म को कई वजहों से ट्रोल किया जा रहा है. एक तरफ जहां 'आदिपुरुष' के टीजर की तुलना लोग टेम्पल रन वीडियो गेम से कर रहे हैं, तो वहीं दूसरी तरफ बैन और बायकॉट ट्रेंड भी सोशल मीडिया पर तेज हो गया है. इसी बीच सोशल मीडिया पर प्रभास का एक वीडियो वायरल हो रहा है. जिसे देख यूजर्स का मानना है कि एक्टर और मूवी के डायरेक्टर ओम राउत के बीच चीजें ठीक नहीं चल रहीं. आइए जानते हैं क्या है उस वीडियो में, जिसे देखकर फैंस लगातार ऐसे कयाल लगा रहे हैं.

प्रभास का का ये वीडियो खुद बाहुबली एक्टर के फैन क्लब ने अपने ट्विटर अकाउंट पर शेयर किया है. इस वीडियो में प्रभास के चेहरे पर हल्का गुस्सा देखने को मिल रहा है। वायरल वीडियो में 'आदिपुरुष' के निर्देशक को प्रभास अपने रूम में आने के लिए कहते हैं. इस वीडियो में वह कह रहे हैं, 'ओम, तुम मेरे रूम में मेरे साथ आ रहे है'. मीडिया में छपी रिपोर्ट्स की मानें तो प्रभास टीजर के सामने आने के बाद निर्देशक ओम राउत से काफी खफा थे, हालांकि कुछ लोगों का ये भी कहना है कि प्रभास ने ओम राउत को आगे के प्रमोशन के लिए अपने रूम में बुलाया था. डायरेक्टर ओम राउत की 'आदिपुरुष' में प्रभास, सैफ अली खान, कृति सेनन और सनी सिंह लीड रोल में हैं. फिल्म का टीजर हाल ही में राम की जन्मभूमि अयोध्या में लॉन्च हुआ. फिल्म का टीजर फैंस की उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा, सोशल मीडिया पर इसके VFX की खूब धज्जियां उड़ रही हैं. एनिमेशन की क्वालिटी देख यूजर्स इसे कार्टून शो बोल रहे हैं. इतना ही नहीं फिल्म में किरदारों के लुक से भी फैंस इंप्रेस नहीं हो पा रहे हैं और वो कई हिंदू संगठन और खुद राम मंदिर के पुजारी तक ने इश पर बैन की मांग कर दी है. प्रभास और रावण बने सैफ अली खान का लुक लोगों के गले के नीचे नहीं उतर रहा है.

'बाल नरेन' के लिए करना होगा थोड़ा इंतजार

मुल्क और धाकड़ निर्माता दीपक मुकुट की फिल्म बाल नरेन की रिलीज की तारीख 11 नवंबर पोस्टपोन्ड की गई है जिसे राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया जाता है और बाल दिवस सप्ताह भी मनाया जाता है क्योंकि फिल्म का एकमात्र उद्देश्य बच्चों को शिक्षित करना है. रिलीज की तारीख बदलने के पीछे कारण साझा करते हुए निर्माता दीपक मुकुट कहते हैं, 'हमने तारीख को 11 नवंबर तक बढ़ा दिया है क्योंकि यह विशेष रूप से बच्चों को शिक्षित करने के लिए बनाई गई फिल्म है, हमारे देश का भविष्य. हम इसे बाल दिवस सप्ताह के अवसर पर रिलीज करना चाहते हैं. इसलिए, हम इसे राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर रिलीज कर रहे हैं.' उन्होंने आगे कहा, 'भारत देश के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद की जयंती के उपलक्ष्य में 11 नवंबर को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाता है, तो इस दिन इससे बेहतर और क्या हो सकता है. क्योंकि यह फिल्म लोगों और बच्चों में शिक्षित करती है और जागरूकता पैदा करती है. यह हमारे माननीय प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित स्वच्छ भारत अभियान पर आधारित एक प्रेरणादायक फिल्म है.इसलिए हमारा लक्ष्य इस फिल्म को इस देश के हर बच्चे तक पहुंचाना है और चाहते हैं कि वे अपने परिवार के साथ इस फिल्म को देखें.

क्योंकि अगर भारत को कार्बन न्यूट्रल बनना है तो हर बच्चे को बाल नरेन बनना होगा.' निर्माता दीपक मुकुट ने कहा, 'यह सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह हर बच्चे को राष्ट्र की बेहतरी के लिए प्रेरित करने का मिशन है. इसलिए, हमने रिलीज की तारीख को इस खास मौके पर आगे बढ़ा दिया है. निर्देशक पवन नागपाल द्वारा अभिनीत, फिल्म में यज्ञ भसीन, बिदिता बाग, रजनीश दुग्गल, गोविंद नामदेव, विंदू दारा सिंह और लोकेश मित्तल हैं.

भारत 15 साल से नहीं बना टी20 में चैंपियन, क्या इस बार बनेगा ...

टी-20 विश्व कप 2007 के फाइनल में भारत ने पाकिस्तान को 5 रन से हराया था।

ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्टूबर से टी20 क्रिकेट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट टी20 वर्ल्ड कप खेला जाएगा। टूर्नामेंट का फाइनल 13 नवंबर को खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया अपनी मेजबानी में खिताब बचाने के लिए उतरेगा। वह पिछले साल दुबई में पहली बार चैंपियन बना था। अब तक छह टीमें यह खिताब जीत चुकी हैं। पहली बार टी20 वर्ल्ड कप का आयोजन 2007 में हुआ था तब भारत जीता था। उसके बाद से टीम इंडिया अब तक खिताब नहीं जीत सकी है। वहीं, वेस्टइंडीज सबसे ज्यादा दो बार चैंपियन बन चुका है।

टी-20 वर्ल्डकप की शुरुआत साल 2007 में हुई थी। दक्षिण अफ्रीका में आयोजित वर्ल्डकप में महेंद्र सिंह धोनी ने भारत की युवा टीम की अगुवाई की थी और भारत को विजेता बनाकर लौटे थे। फाइनल मैच में भारत ने पाकिस्तान को पांच रनों से हराया था। इस मैच में गौतम गंभीर ने शानदार 75 रन बनाए थे। वहीं इरफान पठान ने 16 रन देकर तीन विकेट लिए थे और प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब भी जीता था। पाकिस्तान के शाहिद अफरीदी ने इस टूर्नामेंट में 91 रन बनाए थे और 12 विकेट निकाले थे। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था।

पाकिस्तान को 2007 में हार के बाद ट्रॉफी जीतने के लिए ज्यादा लंबा इंतजार नहीं करना पड़ा और अगले संस्करण में ही पाक टीम विजेता बनी। साल 2009 में पाकिस्तान ने फाइनल मैच में श्रीलंका को आठ विकेट से हराया और टी-20 वर्ल्डकप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इंग्लैंड में आयोजित हुए इस टूर्नामेंट में श्रीलंका के तिलकरत्ने दिलसान ने कमाल की बल्लेबाजी की थी। उन्होंने 317 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था। वहीं फाइनल में नाबाद 54 रन बनाने वाले शाहिद अफरीदी प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। अफरीदी ने इस मैच में एक विकेट भी लिया था।

साल 2010 में इंग्लैंड की टीम ने टी-20 वर्ल्डकप जीता था। यह पहला मौका था, जब इंग्लैंड ने कोई आईसीसी ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। इंग्लैंड ने फाइनल मैच में ऑस्ट्रेलिया को सात विकेट से पटखनी देकर यह खिताब अपने नाम किया था। फाइनल मैच में इंग्लैंड के विकेटकीपर क्रैग कीसवेटर ने 63 रनों की बेहतरीन पारी खेली थी और प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। वहीं इंग्लैंड के ही केविन पीटरसन को 248 रन बनाने के बदले प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब दिया गया था।

टी-20 के दिग्गजों से भरी वेस्टइंडीज टीम साल 2012 में क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट में चैंपियन बनी थी। वेस्टइंडीज ने श्रीलंका के खिलाफ फाइनल मैच में 36 रन से बड़ी जीत दर्ज की थी। कैरिबियाई टीम के लिए मार्लन सैमुअल्स ने 78 रन बनाए थे और एक विकेट भी लिया था। इस प्रदर्शन की बदौलत उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। वहीं ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉटसन ने इस टूर्नामेंट में 249 रन बनाए थे और 11 विकेट लिए थे। इस वजह से वो प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने थे।

साल 2014 में टी-20 वर्ल्डकप का आयोजन बांग्लादेश में हुआ था। इस टूर्नामेंट में श्रीलंका की टीम ने ट्रॉफी अपने नाम की थी। फाइनल मैच में श्रीलंका ने भारत को छह विकेट से हराया था। श्रीलंका के लिए कुमार संगकारा ने 35 गेंदों में बेहतरीन 52 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। वहीं भारत के विराट कोहली ने इस टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा 319 रन बनाए थे और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीता था। इस मैच में मलिंगा और श्रीलंकाई गेंदबाजों ने अंतिम ओवरों में बहुत ही शानदार गेंदबाजी की थी।

साल 2016 में वेस्टइंडीज ने इंग्लैंड को हराकर दूसरी बार यह टूर्नामेंट अपने नाम किया था। यह पहला मौका था, जब किसी टीम ने दूसरी बार टी-20 वर्ल्डकप की ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। इससे पहले हर बार टी-20 वर्ल्डकप को नया चैंपियन मिला था। फाइनल मैच में एक बार फिर मार्लन सैमुअल्स ने वेस्टइंडीज की नैया पार लगाई। उन्होंने नाबाद 85 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द मैच बने थे। वहीं भारत के विराट कोहली ने इस टूर्नामेंट में 273 रन बनाए थे और एक विकेट लिया था। उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट चुना गया था। हालांकि यह टूर्नामेंट और इसका फाइनल मैच कार्लोस ब्रैथवेट के चार छक्कों के लिए ज्यादा याद किया जाता है।

टी-20 विश्व कप 2021 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया था।

टी-20 विश्व कप 2021 के फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड को 8 विकेट से हराया था। वह पहली बार यह खिताब जीतने में सफल हुआ था। ऑस्ट्रेलिया ने पहली बार फाइनल खेल रही न्यूजीलैंड की टीम को एकतरफा मुकाबले में शिकस्त दी थी। फाइनल में सिक्के ने ऑस्ट्रेलिया के कप्तान एरॉन फिंच का साथ दिया और उन्होंने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला लिया। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड ने 20 ओवर में चार विकेट गंवाकर 172 रन बनाए। टीम की ओर से कप्तान केन विलियमसन को छोड़कर कोई बल्लेबाज नहीं चला।

विलियमसन ने 48 गेंदों पर 85 रन की पारी खेली। जवाब में मार्श ने मैक्सवेल के साथ मिलकर तीसरे विकेट के लिए 63 रन की नाबाद साझेदारी की और टीम को चैंपियन बनाया। मार्श 50 गेंदों पर 77 रन और मैक्सवेल 18 गेंदों पर 28 रन बनाकर नाबाद रहे। न्यूजीलैंड की ओर से बोल्ट ने दो विकेट लिए। इसके अलावा डेविड वार्नर 38 गेंदों पर 53 रन बनाकर आउट हुए।

तीन रन बनाने के बावजूद शुभमन गिल ने बनाया रिकॉर्ड

नवजोत सिंह सिद्धू को छोड़ा पीछे

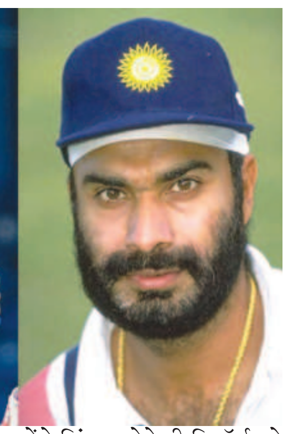

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज की शुरुआत गुरुवार को हुई। यह मैच भारतीय ओपनर शुभमन गिल के यादगार नहीं रहा। गिल तीन रन बनाकर ही पवेलियन लौट गए। वह सात गेंदों का सामना करने के बाद कगिसो रबाडा की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। गिल ने अपनी तीन रन की छोटी पारी में एक रिकॉर्ड बना दिया। उन्होंने पूर्व ओपनर नवजोत सिंह सिद्धू को पीछे छोड़ दिया। गिल सबसे कम पारियों में 500 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। उन्होंने अपनी 10वीं पारी में यह उपलब्धि हासिल की। सबसे तेज 500 रन बनाने का रिकॉर्ड नवजोत सिंह सिद्धू के नाम दर्ज था। उन्होंने इसके लिए 11 पारियां खेली थीं। गिल इस मैच से पहले वनडे में 10 पारियों में 499 रन बना चुके थे। उन्हें एक रन की आवश्यकता थी। उन्होंने सिंगल लेते ही रिकॉर्ड को अपने नाम कर लिया। इस मामले में अब दूसरे स्थान पर सिद्धू तो तीसरे स्थान पर पाकिस्तान के ओपनर बल्लेबाज फखर जमां हैं। जमां ने 12 पारियों में 500 रन पूरे किए थे। वहीं, शिखर धवन, केदार जाधव और श्रेयस अय्यर ने 13वीं पारी में यह आंकड़ा पार किया था। फखर के नाम वनडे में सबसे तेज 1000 रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने इसके लिए 18 पारियां खेली थीं। गिल की नजर अब उन्हें पीछे छोड़ने पर होगी।

भारतीय कप्तान शिखर धवन ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। दक्षिण अफ्रीका ने भारत के सामने 250 रन का लक्ष्य रखा था। जवाब में टीम इंडिया 40 ओवर में आठ विकेट पर 240 रन ही बना सकी। बारिश की वजह से यह मैच 40-40 ओवर का हुआ।

उमरान मलिक के टीम में नहीं होने से निराश तेज गेंदबाज ब्रेट ली

ऑस्ट्रेलिया में 16 अक्तूबर के क्रिकेट के सबसे छोटे फॉर्मेट का सबसे बड़ा टूर्नामेंट टी20 वर्ल्ड कप खेला जाना है। इसके लिए टीम इंडिया ऑस्ट्रेलिया जा चुकी है। रोहित शर्मा की कप्तानी में 14 खिलाड़ी टूर्नामेंट के लिए अभी पहुंचे हैं। खिलाड़ियों के साथ 16 सदस्यीय सपोर्ट स्टाफ का दल भी गया है। टीम इंडिया में तेज गेंदबाज उमरान मलिक को नहीं रखा गया है। इससे ऑस्ट्रेलिया के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज ब्रेट ली निराश हैं। ब्रेट ली का मानना है कि ऑस्ट्रेलिया की उछाल भरी पिचों पर उमरान को मदद मिलती। वह भारतीय चयनकर्ताओं के इस फैसले से हैरान हैं। ब्रेट ली का कहना है कि ऑस्ट्रेलियाई परिस्थितियों में उमरान बेहतर विकल्प साबित हो सकते थे। ब्रेट ने कहा कि इस तेज गेंदबाज तेज और उछाल वाली पिचों पर देखकर अच्छा लगता है।

उमरान नेट गेंदबाज के तौर पर ऑस्ट्रेलिया में टीम के साथ जुड़ेंगे। भारत के दिग्गज तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह चोटिल होने के कारण नहीं टूर्नामेंट में नहीं खेलेंगे। उनके रिप्लेसमेंट की घोषणा नहीं हुई है। बुमराह की जगह लेने के लिए मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर और उमरान मलिक तैयार हैं। अब देखना है कि किसे टीम में शामिल किया जाता है। ब्रेट ली ने कहा कि उमरान मलिक को भारतीय टीम और कैमरून ग्रीन को ऑस्ट्रेलियाई टीम में नहीं देखकर हैरान हूं। उन्होंने कहा, ₹मैं समझ नहीं पा रहा हूं कि कैमरून ग्रीन टीम में कैसे नहीं हैं।" ग्रीन ने भारत दौरे पर पिछले महीने टी20 में डेब्यू किया था। उन्होंने ओपनिंग में शानदार बल्लेबाजी से सबको प्रभावित किया था। वह शीर्ष क्रम के इकलौते बल्लेबाज थे जिसने भारतीय गेंदबाजों का बखूबी सामना किया था।

टी20 में गेम चेंज करने में माहिर है टीम इंडिया

भारत ने लक्ष्य का पीछा करते हुए इस वर्ष 11 में से नौ मैच जीते

टी20 वर्ल्ड कप में अब बस कुछ दिनों का वक्त रह गया है। भारतीय टीम इसके लिए ऑस्ट्रेलिया जा चुकी है। भारत ने 2007 में पिछली बार टी20 वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद टी20 वर्ल्ड कप के छह और संस्करण खेले जा चुके हैं, लेकिन टीम इंडिया एक भी ट्रॉफी जीतने में कामयाब नहीं हो पाई। ऐसे में कप्तान रोहित शर्मा और टीम मैनेजमेंट 15 साल के टी20 ट्रॉफी के सूखे को खत्म करना चाहेंगे। इसके लिए टीम इंडिया ने तैयारी शुरू कर दी है।

भारतीय टीम ने इस साल कुल मिलाकर 32 टी20 खेले हैं। इसमें से 23 में जीत हासिल की है। इससे पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में किसी भी टीम ने एक कैलेंडर ईयर में इतने मैच नहीं खेले हैं। भारत ने इस मामले में पाकिस्तान को पीछे छोड़ा, जिसने 2021 में 29 मैच खेले थे। इसके साथ ही 24 टी20 मैच जीतना भी एक कैलेंडर ईयर में सबसे ज्यादा है। इससे पहले पाकिस्तान ने 2021 में 20 मैच जीते थे। ऐसे में भारतीय टीम इस साल टी20 वर्ल्ड कप के लिए अपना दावा मजबूती से पेश कर सकती है।

भारतीय टीम ने इस साल जो 32 टी20 खेले हैं, उसमें से 23 जीते और आठ में टीम को हार मिली है। एक मैच बेनतीजा रहा। टीम इंडिया ने इस साल 32 में से 11 मैचों में लक्ष्य का पीछा किया है और नौ में जीत हासिल की है। सिर्फ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चार अक्तूबर को इंदौर में और इंग्लैंड के खिलाफ 10 जुलाई को नॉटिंघम में भारत को चेज करते हुए हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा टीम इंडिया ने इस साल चेज करते हुए सभी मैच जीते हैं।

वहीं, 20 मैचों में भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी की है। इसमें से 14 मैचों में टीम इंडिया को जीत मिली और छह मैचों में हार का सामना करना पड़ा। ऐसे में दोनों मामले में भारतीय टीम का रिकॉर्ड शानदार रहा है। हालांकि, चेज के मामले में टीम इंडिया का रिकॉर्ड बेहतर है। इतना ही नहीं टी20 में सभी टीमों से तुलना करने पर टीम इंडिया का रिकॉर्ड चेज में बेस्ट है। भारतीय टीम टेस्ट खेलने वाली आठ मेजर टीमों से बेहतर रही है।

भारत ने अब तक टी20 इतिहास में 185 मैच खेले हैं और 83 मैचों में लक्ष्य का पीछा किया है। 60 मैचों में टीम ने जीत हासिल की है। वहीं, 21 मैचों में भारत का हार का सामना करना पड़ा, जबकि दो मैच टाई रहे। भारत का जीत प्रतिशत 74.1 का रहा है। वहीं, दूसरे नंबर पर पाकिस्तान है। पाकिस्तान ने कुल 203 टी20 मैच खेले हैं और 96 मैचों में लक्ष्य का पीछा किया है। इसमें से टीम ने 56 मैच जीते हैं, वहीं 34 में पाकिस्तान को हार का सामना करना पड़ा। दो मैच बेनतीजे और चार मुकाबले टाई रहे।

चोटों को हम कुछ नहीं कर सकते, जसप्रीत बुमराह की चोट पर बोले रवि शास्त्री

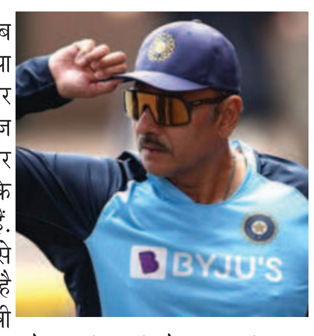

टी20 वर्ल्ड कप शुरू होने में अब कुछ ही दिन बचे हैं और टीम इंडिया इस अहम टूर्नामेंट में अपने दो स्टार खिलाड़ियों के बिना उतरेगी. तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और स्टार ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा चोटों के कारण इस टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं. इन दोनों खिलाड़ियों के बाहर होने से भारतीय टीम को झटका जरूर लगा है लेकिन टीम के पूर्व कोच रवि शास्त्री इसे दूसरे खिलाड़ियों के लिए मौके के तौर पर देख रहे हैं. शास्त्री ने कहा कि यह समय टीम में से 'नए चैंपियन' ढूंढने का समय है. रवि शास्त्री ने यह बात कोचिंग बीयोंड क्रिकेट अकैडमी के उद्घाटन समारोह से इतर कही. कोचिंग बीयोंड रवि शास्त्री के अलावा भारतीय टीम के पूर्व बॉलिंग कोच भारत अरुण और पूर्व फील्डिंग कोच आर. श्रीधर की नई क्रिकेट अकैडमी का नाम है. इस मौके पर शास्त्री ने कहा, 'अब बहुत ज्यादा क्रिकेट खेला जा रहा है. इससे लोग आसानी से चोटिल हो सकते हैं. क्योंकि आप चोटों का तो कुछ कर नहीं सकते ऐसे में यह दूसरे खिलाड़ियों के लिए शानदार मौका है.' उन्होंने कहा, 'अब बुमराह और जडेजा टीम में नहीं हैं लेकिन इससे नए चैंपियन खिलाड़ियों के उबरने का मौका भी है.' इस पूर्व कोच ने भारतीय टीम के टी20 वर्ल्ड कप में प्रदर्शन पर बात करते हुए कहा, 'मुझे लगता है कि हमारे पास अच्छी टीम है. अगर आप सेमीफाइनल तक पहुंच जाते हैं तो फिर यह टूर्नामेंट कोई भी जीत सकता है. तो उम्मीद यही होगी कि हम टूर्नामेंट में अच्छी शुरुआत करें और सेमीफाइनल में पहुंचे. इसके बाद हमारे पास पर्याप्त कारण हैं कि संभवतः हम वर्ल्ड चैंपियन भी बन सकते हैं.' भारतीय टीम ने अभी तक बुमराह की जगह अपने 15वें खिलाड़ी का ऐलान नहीं किया है. टीम इंडिया अभी अनुभवी मोहम्मद शमी की फिटनेस रिपोर्ट आने का इंतजार कर रही है. रवि शास्त्री ने भी शमी को बुमराह की जगह बेहतर विकल्प करार दिया है. उन्होंने कहा कि वह पिछले 6 सालों से भारतीय टीम के लिए हर फॉर्मेट में क्रिकेट खेल रहे हैं और वह बुमराह की जगह भरने के लिए बिल्कुल सही विकल्प हैं।

IPL में रजत पाटीदार का प्रदर्शन

12 मैच | 404 रन | 40.40 औसत | 144.29 स्ट्राइक रेट

युवा क्रिकेटर रजत पाटीदार बल्लेबाजी से मचाई थी धूम, लेकिन बनना चाहते थे बॉलर

इंदौर के रहने वाले युवा क्रिकेटर रजत पाटीदार आज साउथ अफ्रीका के खिलाफ होने वाले वनडे मैच में टीम इंडिया के लिए सेलेक्ट हुए हैं आईपीएल के पिछले सीजन में अपने बल्ले से धूम मचाने वाले रजत ने उसके बाद घरेलू क्रिकेट में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। 29 साल के रजत बचपन में बॉलर बनना चाहते थे।

पाटीदार ने कहा कि वह अपने लिए ऐसा कोई टारगेट सेट नहीं किया है। यह नहीं तय किया है कि उन्हें यह करना है और वो करना है। वह हमेशा कोशिश करते है कि जब भी खेलूं अपना बेस्ट दूं। प्लेइंग मिलने पर भी ऐसा ही करने का प्रयास करूंगा। पाटीदार सारे फॉर्मेट को पसंद करते हैं। उनके पास तीनों फॉर्मेट देश का प्रतिनिधित्व करने की क्षमता है। हालांकि तीनों फॉर्मेट की प्रोसेस अलग-अलग है और मैं कोशिश करता हूं कि जब जो चैलेंज सामने आए उससे जुड़ी प्रोसेस फॉलो करूं।

क्रिकेट की शुरुआत 8 या 9 साल की उम्र में की थी। घरवालों का मुझे पूरा सपोर्ट मिला। उन्होंने कभी पढ़ाई, नौकरी या बिजनेस के लिए नहीं कहा। घरवालों ने जब जान लिया कि क्रिकेट ही मेरा जुनून है तो सबने मेरा साथ दिया। तब से मेरे लिए क्रिकेट ही सब कुछ बन गया। बचपन से ही क्रिकेट को लेकर पैशन था। इसलिए खेलने लगा। मुझे 19 साल के बाद समझ में आया कि इसमें करियर बना सकता हूं। फिर मैंने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

मेरे करियर में तीन कोच का बहुत बड़ा रोल रहा है। मैं शुरुआत में विजय क्लब में अभ्यास करता था। मैंने सचिन धोलपुरे सर से बेसिक सीखी। स्टेट टीम में आने पर अमय खुरासिया सर और अब चंद्रकांत पंडित सर का मार्गदर्शन मिल रहा है। मैं अमय सर को अपनी प्रतिभा पहचानने का ज्यादा क्रेडिट दूंगा, क्योंकि अंडर-19 में मैं जब किसी टीम का हिस्सा नहीं था तब उन्होंने ही मुझे बल्लेबाजी की बारीकियों के बारे में बताया। उनके कहने पर ही मैने बल्लेबाजी पर ज्यादा फोकस किया।

मैंने एक गेंदबाज के तौर पर शुरुआत की थी। सच यह है कि जब आप खेलना शुरू करते हैं तो सब कुछ करने का मन करता है। बॉलिंग भी, बैटिंग भी। क्लब में खेलने के दौरान कोच सर ने गेंदबाजी के साथ ही बल्लेबाजी पर फोकस करने के लिए कहा। धीरे-धीरे मैं बॉलर से बैटर बन गया। अब मैं अपने खेल को इंजॉय कर रहा हूं।

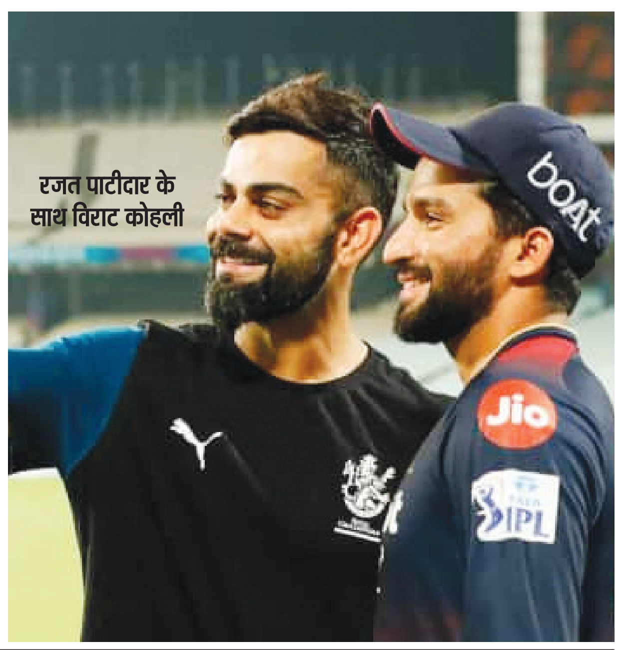

रजत पाटीदार के साथ विराट कोहली

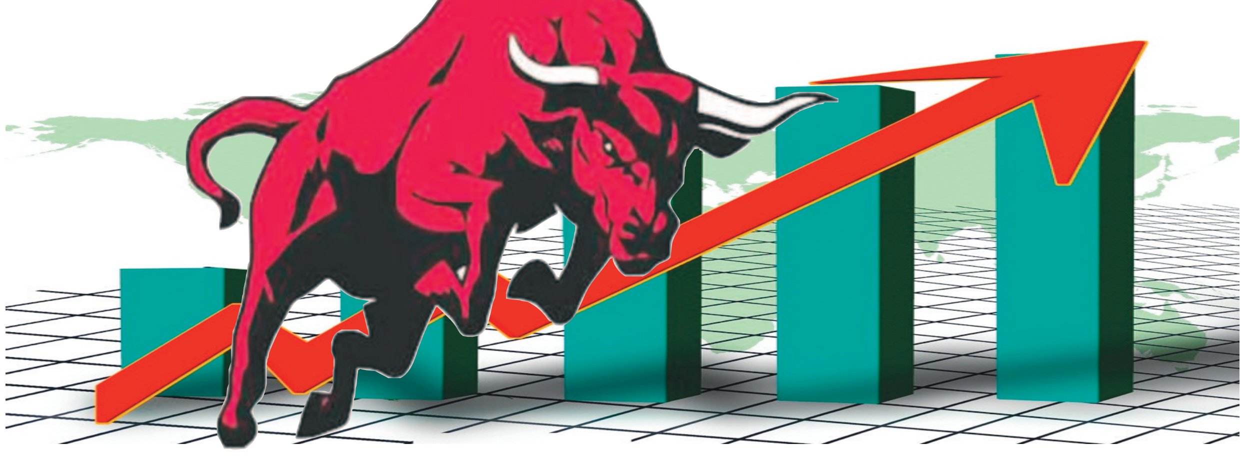

दो पैन कार्ड रखने पर 10 हजार जुर्माना और जेल, करें सरेंडर

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कार्ड बैंक और आयकर रिटर्न के लिए एक जरूरी दस्तावेज है,लेकिन दो पैन कार्ड होना आपके लिए परेशानी का सबब बन सकता है। ऐसे में आपको 10 हजार रुपये तक जुर्माना के साथ जेल भी हो सकती है। आयकर विभाग ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर आपके पास भी दो पैन कार्ड है तो तुरंत अपना दूसरा पैन कार्ड विभाग को सौंप सकते हैं। आप खुद दूसरा पैन कार्ड विभाग को सौंपते हैंतो किसी तरह का

जुर्माना नहीं है, लेकिन इसे छुपाने पर विभाग ने निगरानी में इसे पकड़ लिया तो भारी मुसीबत का सामना करना पड़ सकता है। इसके लिए आप आयकर विभाग की वेबसाइट पर जाएं अब रिक्वेस्ट फॉर न्यू पैन कार्ड/चेंज या करेक्शन पैन डेटा लिंक पर क्लिक करें अब फॉर्म डाउनलोड कर लें और भरकर किसी भी एनएसडीएल कार्यालय में जाकर जमा कर दें।

भारतीय रिजर्व बैंक ने निगरानी के लिए लॉन्च किया नया एडवांस्ड सिस्टम दक्ष, जानिए क्या होंगे फायदे

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने गुरुवार को एडवांस सुपरवाइजरी मॉनिटरिंग सिस्टम 'दक्ष' की शुरुआत की। इससे आरबीआई की निगरानी संबंधी प्रक्रिया के अधिक सशक्त होने की उम्मीद है।आरबीआई ने बयान में कहा कि वह निगरानी गतिविधियों में मजबूती लाने के लिए कई कदम उठाता रहा है और 'दक्ष' इसमें एक नई कड़ी है। रिजर्व बैंक ने कहा, ''दक्ष एक वेब-आधारित एंड-टु-एंड वर्कफ्लो ऐप्लिकेशन है जिसके जरिए आरबीआई बैंक और एनबीएफसी जैसी संस्थाओं पर

अधिक केंद्रित ढंग से निगरानी रख पाएगा।' आरबीआई का यह 'सुपरटेक' ऐप्लिकेशन कहीं भी और कभी भी सुरक्षित एक्सेस संभव बनाने वाले एक प्लेटफॉर्म के माध्यम से निर्बाध संचार, निरीक्षण प्लानिंग और क्रियान्वयन, साइबर घटना की सूचना और विश्लेषण जैसे कार्य संपादित कर पाएगा। रिजर्व बैंक ने कहा कि यह निगरानी सिस्टम अपने नाम के ही अनुरूप अपनी सक्षमता और प्रभावी ढंग से कार्य करेगी। आरबीआई की अपने व्यापक डेटाबेस का विश्लेषण करने और बैंकों और एनबीएफसी पर रेगुलेटरी निगरानी को बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल करने की योजना बना रहा है। आरबीआई इसके लिए बाहरी एक्सपर्ट्स की भी भर्ती करेगा। हालांकि आरबीआई अभी भी आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और मशीन लर्निंग टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहा है। लेकिन अब इसे और व्यापक बनाने की कोशिश है ताकि सेंट्रल बैंक में सुपरविजन डिपार्टमेंट को और एडवांस बनाया जा सके। हाल ही में ग्लोबल फिनटेक फेस्टिवल में भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने रूपे क्रेडिट कार्ड ऑन यूपीआई सुविधा की शुरुआत की थी। फिलहाल इस सुविधा का लाभ पंजाब नेशनल बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और इंडियन बैंक के रूपे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल करने वाले को मिलेगा। एनपीसीआई द्वारा संचालित भीम ऐप पर इन तीनों बैंक के रूपे क्रेडिट कार्ड लाइव हो गए हैं।

सोना-चांदी भाव आज: 52000 रुपये के करीब पहुंचा 24 कैरेट गोल्ड

7 सत्रों में 2500 रुपये से अधिक महंगा हुआ गोल्ड

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिछले 7 कारोबारी सत्र या 10 दिन में सोने का भाव 2500 रुपये अधिक बढ़ चुका है और मौजूदा वैश्विक हालात को देखते हुए हाल फिलहाल सोना सस्ता होने की उम्मीद कम ही है। आज यानी शुक्रवार को भी सर्राफा बाजारों में सोने के भाव में तेजी देखने को मिल रही है। आज सोने का भाव वैसे तो केवल 70 रुपये महंगा हुआ है, लेकिन यह 52000 के मनोवैज्ञानिक स्तर के बेहद करीब पहुंच गया है। आज 24 कैरेट सोना 51908 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला, जबकि चांदी 484 रुपये प्रति किलो महंगी होकर 61154

रुपये के रेट से खुली। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 4346 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 14854 रुपये सस्ती है। जीएसटी समेत 24 कैरेट सोने का भाव 53465 रुपये पर पहुंच जा रहा है। वहीं, 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब जीएसटी के साथ 53251 रुपये पर पहुंच गई है। आज यह 51700 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुली। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 47548 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। अब 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ सोने की कीमत 48974 रुपये पर पहुंच गई है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 38931 रुपये पर है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 40098 रुपये हो गई है। यहां 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 30366 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है।

इसमें जीएसटी जोड लें तो इस सोने का भाव 31276 रुपये पर पहुंच गया है। बता दें इसमें ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है।

रुपए का नया रिकॉर्ड:डॉलर के मुकाबले रुपया ऑल टाइम लो 82.32 पर पहुंचा

इंपोर्ट से लेकर अमेरिका में पढ़ना महंगा

मुंबई, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय रुपया आज शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 43 पैसे गिरकर 82.32 के ऑल-टाइम लो पर आ गया। ब्लूमबर्ग के मुताबिक अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया गुरुवार को 81.89 पर बंद हुआ था। ये 27 पैसे कमजोर होकर 82.16 पर खुला। रुपए की 52 वीक रेंज 73.77-82.32 रही है। मैक्रोइकॉनॉमिक चिंताओं और फेड की दरों में बढ़ोतरी के बीच भारतीय रुपए में इस साल लगभग 10.7% की गिरावट आई है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक ने हाल ही में लगातार तीसरी बार ब्याज दरों में बढ़ोतरी की थी। फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को 0.75% बढ़ाकर 3-3.25% कर दिया हैं। महंगाई को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरें बढ़ाई गई हैं। अमेरिका में महंगाई 40 साल के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। रुपए में गिरावट का मतलब है कि भारत के लिए चीजों का इंपोर्ट महंगा होना है। इसके अलावा अमेरिका में घूमना-पढ़ना भी महंगा। मान लीजिए कि जब डॉलर के मुकाबले रुपए की वैल्यू 50 थी तब अमेरिका में भारतीय छात्रों को 50 रुपए में 1 डॉलर मिल जाते थे। अब 1 डॉलर के लिए छात्रों को 82 रुपए खर्च करने पड़ेंगे। इससे फीस से लेकर रहना और खाना और अन्य चीजें महंगी हो जाएंगी।

मुकेश अंबानी सिंगापुर में बैठ कर करेंगे कारोबार

खोलने जा रहे फैमिली ऑफिस, रिलायंस को ग्लोबल बनाने की तैयारी!

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। एशिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के चेयरमैन मुकेश अंबानी अब सिंगापुर में फैमिली ऑफिस खोलने की तैयारी कर रहे हैं। ब्लूमबर्ग ने सूत्रों के हवाले से लिखा है कि अरबपति अंबानी ने इस नई यूनिट के लिए कर्मचारियों की हायरिंग भी शुरू कर दी है और इसके देखरेख के लिए मैनेजर भी रख लिया गया है। इतना ही नहीं सिंगापुर में फैमिली ऑफिस खोलने के लिए रियल एस्टेट प्रॉपर्टी भी चुन ली गई है। बता दें कि ऐसा करने वाले अंबानी नए भारतीय अरबपति हैं जिन्होंने फैमिली ऑफिस खोलने के लिए को चुना है। इससे पहले सिंगापुर

में फैमिली ऑफिस खोलने वालों की लिस्ट में हेज फंड अरबपति रे डेलियो और गूगल के को-फाउंडर सर्गेई ब्रिन पहले से ही मौजूद हैं। आपको बता दें कि सुपर रिच लोगों के बीच सिंगापुर कम टैक्स और सुरक्षा के कारण फैमिली ऑफिस के लिए आकर्षक का केंद्र बनता जा रहा है। लेकिन सिंगापुर में ग्लोबली अमीरों की बढ़ती संख्या के परिणामस्वरूप कारों, आवास और अन्य सामानों की कीमतें भी बढ़ रही हैं। उप प्रधान मंत्री लॉरेंस वोंग ने अगस्त के एक इंटरव्यू में संकेत दिया कि विकास को बढ़ावा देने के लिए अमीरों को अधिक टैक्स का सामना करना पड़ सकता है। सिंगापुर की मौद्रिक अथॉरिटी के अनुसार, पिछले साल 2021 के आखिर तक ऐसे दफ्तरों की संख्या बढ़कर 700 तक पहुंच गई थी। इससे पहले 2020 में यह संख्या केवल 400 थी। आपको बता दें कि मुकेश अंबानी अपने रिटेल-टू-रिफाइनिंग कारोबार को वैश्विक स्तर पर ले जाने की कोशिश कर रहे हैं। 2021 में अरामको के चेयरमैन को रिलायंस के बोर्ड में शामिल किया गया था। इसके साथ ही पिछले महीने रिलायंस ने 32 मिलियन डॉलर में यूएस की सॉफ्टवेयर कंपनी सेंसहॉक में 75 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी। रिलायंस ने अप्रैल 2021 में स्टोक पार्क लिमिटेड के लिए 79 मिलियन डॉलर का भुगतान किया था। इसने जनवरी में मंदारिन ओरिएंटल न्यूयॉर्क में 98.15 मिलियन डॉलर में 73.4% हिस्सेदारी और इस साल दुबई में 80 मिलियन डॉलर समुद्र तट के किनारे का विला खरीदा है। सूत्रों के मुताबिक, मुकेश अंबानी की पत्नी नीता अंबानी भी सिंगापुर में कार्यालय खोलने में मदद कर रही हैं। अंबानी चाहते हैं कि सिंगापुर परिवार का कार्यालय एक साल के भीतर ओपन हो जाए।

अडानी ग्रुप राजस्थान में करेगा 65,000 करोड़ रुपये का निवेश

40000 लोगों को मिलेगा रोजगार

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रुप राजस्थान में अगले 5-7 साल में रिन्यूएबल एनर्जी समेत अलग-अलग सेक्टर में 65,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा। अडानी समूह के चेयरमैन गौतम अडानी ने शुक्रवार को राजस्थान निवेश सम्मेलन के उद्घाटन सेशन में कहा, 'हम राज्य में सभी मौजूदा और भविष्य की परियोजनाओं में अगले 5-7 साल में 65,000 करोड़ रुपये निवेश की उम्मीद कर रहे हैं। इससे प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के 40,000 मौके तैयार होंगे।' अडानी ने कहा कि रिन्यूएबल एनर्जी में 10,000 मेगावाट क्षमता की परियोजनाएं

क्रियान्वयन के विभिन्न स्तर पर हैं। इसमें 50,000 करोड़ रुपये निवेश किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हमने राज्य में हाइब्रिड परियोजना (पवन और सौर) का वाणिज्यिक परिचालन शुरू किया है।' उन्होंने आगे कहा कि इसके अलावा समूह राज्य में सीमेंट विनिर्माण क्षमता को दोगुना करने के लिए 7,000 करोड़ रुपये निवेश करेगा। उल्लेखनीय है कि कंपनी ने हाल में अंबुजा सीमेंट और एसीसी का अधिग्रहण किया है। अडानी ने कहा कि राज्य की अन्य परियोजनाओं में जयपुर हवाई अड्डे को वैश्विक स्तर की सुविधाओं वाला बनाना, पीएनजी एवं सीएनजी के आपूर्ति नेटवर्क का विकास तथा स्वच्छ ईंधन की उपलब्धता को तेजी से बढ़ाना शामिल है। उन्होंने कहा कि उत्पादित नवीकरणीय ऊर्जा के लिए नई पारेषण परियोजना का निर्माण भी किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार की अनूकूल औ्दयोगिक नीतियों से राज्य निश्चित रूप से तेजी से विकास करेगा।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ कोई बदलाव

कैसे चेक करें अपने शहर का भाव?

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। कच्चे तेल के भाव एक बार फिर सौ डॉलर प्रति बैरल को पार करते दिख रहे हैं। शुक्रवार को कच्चा तेल 90 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच गया। इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों पेट्रोल-डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं। इस लिस्ट के अनुसार सात अक्तूबर 2022 को देश में सबसे सस्ता ईंधन पोर्ट ब्लेयर में है, जबकि सबसे महंगा फ्यूल राजस्थान के श्रीगंगानगर में है। ब्रेंट क्रूड की कीमतें 94.58 और डब्ल्यूटीआई की कीमतें 88.68 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक देशभर में पेट्रोल डीजल की कीमतें फिलहाल स्थिर बनी हुई हैं। इनमें कोई बदलाव नहीं किया गया है।

देश की राजधानी दिल्ली में सात अक्तूबर को पेट्रोल 96.72 रुपये प्रति लीटर और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। नोएडा में पेट्रोल 96.79 रुपये और डीजल 89.96 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। इसके अलावा गाजियाबाद में पेट्रोल 96.58 रुपये प्रति लीटर पर बिक रहा है, वहीं डीजल का भाव 89.75 रुपये प्रति लीटर है। गुरुग्राम में पेट्रोल 97.18 रुपये और डीजल 90.05 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। देश के दूसरे महानगरों की बात करें मुंबई की पेट्रोल की कीमत 106.31 रुपये और डीजल की कीमत 94.27 रुपये प्रति लीटर बनी हुई है। कोलकाता में पेट्रोल 92.76 रुपये और डीजल 106.03 रुपये प्रति लीटर के भाव पर बिक रहा है। चेन्नई में एक लीटर पेट्रोल की कीमत 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर पर बनी हुई है। अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग टैक्स के कारण पेट्रोल और डीजल की कीमतें अलग-अलग होती हैं। आप अपने शहर के पेट्रोल और डीजल का भाव एक एसएमएस के भेजकर पता कर सकते हैं। इसके लिए इंडियन ऑयल के ग्राहकों को आरएसपी कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर भेजना होगा। अपने शहर का आरएसपी कोड आप आईओसीएल की वेबसाइट पर जाकर पता कर सकते हैं।

गिरावट में बंद हुआ शेयर बाजार:सेंसेक्स 30 अंक गिरकर 58,191 पर बंद

निफ्टी 15 अंक टूटा; बैंक और ऑटो के शेयर्स गिरे

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार आज आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (7 अक्टूबर) को गिरावट में बंद हुआ। सेंसेक्स 30 अंक गिरकर 58,191 पर बंद हुआ। निफ्टी 15 अंकों की गिरावट के साथ 17,316 पर पहुंच गया। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में गिरावट रही। वहीं सिर्फ 12 शेयरों में तेजी दिखने को मिली। टाइटन, पावर ग्रिड, ग्रासिम, एनटीपीसी, ओएनजीसी, इंडसइंड बैंक, मारुति, एशियन पेंट्स, भारती एयरटेल, एलटी, यूपीएल, रिलायंस समेत 18 शेयर्स निफ्टी-50 के गेनर्स रहे। टाटा कंज्यूमर, बीपीसीएल, एम एंड एम, अल्ट्राटेक सीमेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, जेएसडब्ल्यू स्टील, आयशर मोटर्स, कोल इंडिया, अडाणी पोर्ट्स समेत 32 शेयर्स निफ्टी के लूजर्स रहे। एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 8 में गिरावट रही। सिर्फ 3 सेक्टर मीडिया, प्राइवेट बैंक और रियल्टी में मामूली तेजी देखने को मिली। इनके अलावा बैंक, ऑटो, मेटल, फाइनेंशियल सर्विसेज, आईटी, पीएसयू बैंक, एफएमसीजी और फार्मा सेक्टर में गिरावट रही। ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेतों के बाद शेयर बाजार गुरुवार (6 अक्टूबर) को तेजी में बंद हुआ था। सेंसेक्स 156 अंक बढ़कर 58,222 पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 57 अंकों की तेजी के साथ 17,331 पर पहुंच गया था।

अनिल अंबानी की कंपनी रिलायंस पावर के शेयर में इस खबर ने फूंकी जान

स्टॉक दो दिन से भर रहा है उड़ान

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अनिल अंबानी की कंपनी में हिस्सेदारी खरीदने की खबरों के बाद रिलायंस पावर के शेयर पिछले दो सत्रों से उछल रहे हैं। तीन सितंबर 2022 को एक ब्लॉक डील में ब्लैकरॉक फंड ने इस मंदी से प्रभावित रिलायंस पावर में हिस्सेदारी खरीदी है। शेयर बाजार की इस खबर के फैलने के बाद रिलायंस पावर के शेयर की कीमत पिछले दो सत्रों से लगातार बढ़ रही है। रिलायंस पावर के शेयर की कीमत आज यानी शुक्रवार को ऊपर की ओर खुली और दोपहर 12 बजे के आसपास 17.45 रुये पर पहुंच गई। पिछले दो सत्रों में 16.20 रुपये से 17.50 रुपये के उच्च स्तर पर पहुंच गई। गुरुवार को रिलायंस पावर के शेयर

16.75 के स्तर पर बंद हुए थे। बता दें पिछले एक महीने में रिलायंस पावर के शेयर 19.17 फीसद तक टूट चुके हैं। वहीं, अगर पिछले 6 महीने के इस स्टॉक के प्रदर्शन की बात करें तो रिलायंस पावर ने 12.58 फीसद का रिटर्न दिया है। इस साल अब तक यह 22.46 फीसद का रिटर्न दिया है। बता दें 23 मई 2008 को यह स्टॉक 271.81 रुपये का था और अब 92.76 प्रतिशत टूटकर 17.45 पर है। बीएसई ब्लॉक सौदों पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, ब्लैकरॉक के ईटीएफ, आईशेयर्स एमएससीआई इंडिया स्मॉल कैप ईटीएफ ने 11,89,220 रिलायंस पावर के शेयर 16.40 का भुगतान करके खरीदे हैं। इसका मतलब है कि ब्लैकरॉक के कोर ईटीएफ ने अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप या एडीएजी स्टॉक में 1.95 करोड़ का निवेश किया है। इसी तरह, ब्लैकरॉक के आईशेयर्स कोर एमएससीआई इमर्जिंग मार्केट्स ईटीएफ ने 16.40 का भुगतान करके रिलायंस पावर के शेयर 72,03,127 खरीदे। ब्लैकरॉक के इस कोर ईटीएफ ने इस एडीएजी स्टॉक में लगभग 11.81 करोड़ का निवेश किया है। बता दें पिछले एक महीने में रिलायंस पावर के शेयर 19.17 फीसद तक टूट चुके हैं।

पहली बार अजन्मे बच्चे के फेफड़े-दिमाग में मिला प्रदूषण

जहरीली हवा में सांस लेने वाली महिलाओं के गर्भ में पहुंच रहे पार्टिकल्स

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हवा का प्रदूषण सभी के लिए खतरनाक है। इसके चलते समय से पहले बच्चे का जन्म, मिस कैरेज, जन्म के समय कम वजन आदि डिसऑर्डर्स पैदा होते हैं। लेकिन, वैज्ञानिकों को पहली बार गर्भ में पल रहे बच्चे के फेफड़ों और दिमाग में प्रदूषण और उसमें मौजूद जहरीले पार्टिकल्स मिले हैं। ये पार्टिकल्स मां से बच्चे में पहुंचे हैं।

लैंसेट प्लैनेटरी हेल्थ जर्नल में प्रकाशित नई रिसर्च में यह भी पता चला कि प्रदूषण के कण प्लेसेंटा में भी पाए गए हैं। स्कॉटलैंड और बेल्जियम में 7 से 20 हफ्ते के 36 भ्रूण पर स्टडी के बाद वैज्ञानिकों ने कहा कि यह खोज चिंताजनक है। एक क्यूबिक मिलीलीटर टिश्यू में हजारों ब्लैक कार्बन के पार्टिकल्स मिले हैं, जो गर्भावस्था में मां के सांस लेने से खून और प्लेसेंटा से भ्रूण में चले गए। प्रदूषण के ये पार्टिकल्स गाड़ियों, घरों और फैक्ट्री से निकले धुएं के कालिख से बनते हैं। शरीर में सूजन पैदा करते हैं। अध्ययन में शामिल एबरडीन यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर पॉल फाउलर का कहना है कि पहली बार देखा गया है कि ब्लैक कार्बन नैनोपार्टिकल्स मां के गर्भ के पहली और दूसरी तिमाही में प्लेसेंटा में चले जाते हैं और विकसित हो रहे भ्रूण के अंगों में भी अपना रास्ता खोज लेते हैं। फाउलर के अनुसार चिंता वाली बात यह भी है कि ये विकसित हो रहे दिमाग में भी चले जाते हैं। रिसर्च के को-लीडर प्रोफेसर टिम नवरोट का कहना है कि इंसान के विकास के सबसे संवेदनशील स्टेप के बारे में सोचना और उसको सही पोषण मिलना जरूरी है। दुनिया की 90 फीसदी आबादी उन जगहों पर रहती है जहां वायु प्रदूषण मानकों को पार कर चुका है।

ताजा अध्ययन प्रभावी ढंग से बता रहा है कि जहरीले कण गर्भ में अजन्मे बच्चे के दिमाग को प्रभावित करते हैं। आशंका है कि ये बच्चे के लिए पूरी जिंदगी पर असर डाल सकते हैं।

इन्वेस्टर ढूंढने में हरियाणा की हेल्प करेगा दुबई : दोनों सरकारों के बीच हुआ समझौता, 7 प्रोजेक्टों पर मिलकर करेंगे काम

चंडीगढ़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। हरियाणा के सीएम मनोहर लाल के दुबई टूर के सकारात्मक परिणाम सामने आने लगे हैं।

दुबई गवर्नमेंट और हरियाणा सरकार के बीच निवेश प्रोत्साहन और भूमि विकास जैसी आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए समझौता हुआ है। समझौते के तहत दुबई सरकार संयुक्त अरब अमीरात के निवेशकों की पहचान कर उनसे संपर्क करेगी और उन्हें हरियाणा में इन्वेस्ट करने के लिए प्रेरित करेगी।

दोनों सरकारों के बीच समझौते के बाद 7 प्रोजेक्टों में गति आएगी। इन प्रोजक्टों में रियल एस्टेट डेवलपमेंट, औद्योगिक पार्क, आईटी पार्क, मल्टी एक्टिटी टावर, मिक्स यूज टाउनशिप, इनोवेशन सेंटर और लॉजिस्टिक्स से संबंधित प्रोजेक्टों को शामिल किया गया है। समझौतों की शर्तों के तहत दुबई सरकार सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान करने में सहयोग करने के लिए वार्ता आयोजित करेगी और आकलन करेगी।

4 अक्टूबर को दुबई गए थे सीएम

सीएम मनोहर लाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल 3

और 4 अक्टूबर को संयुक्त अरब अमीरात के दौरे पर गया था। प्रतिनिधिमंडल में डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला, सीएम के मुख्य प्रधान सचिव डीएस ढेसी, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव आनंद मोहन शरण, हरियाणा राज्य औद्योगिक एवं अवसंरचना विकास निगम के अध्यक्ष वी उमाशंकर और एचएसआईआईडीसी के प्रबंध निदेशक विकास गुप्ता शामिल थे।

ये हैं हरियाणा के मेगा प्रोजक्ट

ग्लोबल सिटी प्रोजेक्ट 1080 एकड़ में विकसित किया जा रहा है।

यह राज्य की मिक्स्ड लैंड यूज प्रोजक्ट है, जिसमें जीवन की गुणवत्ता, बुनियादी ढांचे और परिवेश के मामले में किस प्रकार यह परियोजना भविष्य के शहर के लिए एक आदर्श सिटी की परिकल्पना की गई है। इसके अलावा नांगल चौधरी में 886 एकड़ में इंटीग्रेटेड मल्टी मोडल लॉजिस्टिक्स हब प्रोजक्ट, हिसार में 7200 एकड़ में विकसित किया जा रहा एकीकृत विमानन हब और एविएशन हब के आसपास के क्षेत्र में 300 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जा रहा एकीकृत विनिर्माण क्लस्टर मेगा प्रोजक्ट में शामिल हैं।

राज्य में 34 मॉडल टाउनशिप

हरियाणा में वर्तमान में 34 औद्योगिक मॉडल टाउनशिप और 28,540 एकड़ का औद्योगिक एरिया है। इसके साथ ही हरियाणा ऑटोमोबाइल, आईटी, आईटीईएस, इलेक्ट्रॉनिक्स, खाद्य प्रसंस्करण, लॉजिस्टिक्स और कपड़ा क्षेत्रों में भी काम कर रहा है।

प्रिंस-पुतिन की जोड़ी नाटो पर कहर बनकर टूटी

वाशिंगटन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अब हर दिन बीस लाख बैरल की सप्लाई रोकने के फैसले से अमेरिका बिलबिला रहा है। ऐसी कटौती मार्च, 2020 के बाद पहली बार हुई है। तब कोरोनावायरस के कहर से वर्ल्ड इकॉनमी की रफ्तार थम गई थी। लिहाजा तेल की डिमांड ही नहीं थी। जब कोरोना से आगे निकली दुनिया तो रूस ने यूक्रेन पर हमला कर दिया। और ग्लोबल सप्लाई चेन बिगड़ गया। यूरोप-अमेरिका ने रूस को सबक सिखाने के लिए छह किस्तों में प्रतिबंध का पैकेज पेश कर दिया। तेल के दाम उछल कर 122 बैरल प्रति डॉलर तक पहुंच गए। दुनिया में महंगाई चरम पर पहुंचने लगी। हमने भी 100 रुपए लीटर पेट्रोल लेना शुरू कर दिया। पर सामरिक दृष्टिकोण से भले पुतिन पर दबाव बना हो, आर्थिक तौर पर क्रेमलिन कमजोर नहीं पड़ सका। इसके उलट जिंदा रहने के लिए जरूरी गैस -तेल नाटो के देश ही रूस से लेते रहे। अमेरिका ने यूरोप को ताना देने के बदले भारत-चीन को धमकाना शुरू कर दिया तो हमने साफ बता दिया कि हमें खुद पेट्रोल-डीजल की चिंता है तो हम रूस से ही ज्यादा तेल खरीद लेंगे। मजबूरी में अमेरिका ने यूरोप को मनाया कि खुद ही खपत कम कर दो। बिजली कटौती कर लो, ऑफिस में जल्दी छुट्टी कर दो लेकिन रूस की कमाई पर रोक लगा दो। नाटो ने भारत के साथ इमोशनल कार्ड भी खेला। ये बताकर कि रूस से तेल लेने का मतलब है पुतिन के वॉर मशीन को चलाना क्योंकि रूस उन्हीं पैसों से जंग लड़ रहा है। ये देख कर भारत में दाल नहीं गल रही, नाटो ने तय किया था प्रतिबंधों की सातवीं किस्त नवंबर से लागू की जाए। इसके तहत रूस से तेल सप्लाई पर निर्भरता को कम करना था।

कौन खरीद रहा रूस का तेल

लेकिन सऊदी अरब और रूस ने खेल कर दिया। पहले ही ग्बोलल सप्लाई दो परसेंट गिरा दी। लिहाजा तेल के दाम अब फिर से ऊपर जा सकते हैं। फिर महंगाई कहां जाएगी, जरा सोच लीजिए। इंग्लैंड में ये 40 साल के सर्वोच्च स्तर पर है। अमेरिका ने ओपेक से विनती की थी कि सप्लाई न घटाए। अब घटने के बाद जो बाइडन के प्रवक्ता ने से अदूरदर्शी फैसला बताया है। इंग्लैंड के पूर्व पीएम बोरिस जॉनसन ने भी सऊदी अरब से विनती की थी कि लेकिन कोई असर नहीं पड़ा। हमें बीच में पड़ने की जरूरत नहीं है। मोदी सरकार तेल की धार और चाल दोनों समझ रही है। तभी तो रूस हमारा नंबर वन क्रूड ऑयल सप्लायर बन गया है। ताजा रिपोर्ट के मुताबिक सितंबर में रूस से तेल का आयात 19 परसेंट बढ़ा है। अब सऊदी अरब से भी ज्यादा तेल हम रूस से खरीद रहे हैं। और डंके की चोट पर इसे और बढ़ाने का भी ऐलान कर चुके हैं। जाने अमेरिका, जाने यूरोप। किसी भी मिलट्री अलायंस के लिए हम अपने हितों की आहुति नहीं दे सकते। ताजा आंकड़ों के मुताबिक रूस

तेल की धार पर 360 डिग्री घूमी दुनिया

का आधा तेल तो सिर्फ भारत और चीन खरीद रहे हैं।

मोदी-सलमान की यारी

जुलाई में जो बाइडन खुद बड़े अरमान लेकर सऊदी अरब पहुंच गए थे। ये यात्रा काफी विवादों में रही। कभी सऊदी अरब का कान ऐंठने की सोच रहे जो बाइडन महंगाई की गर्मी शांत करने की उम्मीद से रियाद पहुंचे थे। क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने एयरपोर्ट जाकर बाइडन का स्वागत करने से इनकार कर दिया। जब बाइडन ने इंस्ताबुल में सऊदी पत्रकार जमाल खाशोगी के मर्डर का मुद्दा उठाया तो एमबीएस ने अबू गरीब की याद दिला दी। चलते-चलते बाइडन ने अनुरोध किया कि तेल की सप्लाई बढ़ा दो जिससे रूस से आयात रोकने का असर दूर किया जाए। लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

इधर भारत के साथ सऊदी अरब के रिश्ते इतने गहरे हो चुके हैं उसके सबसे बड़े कर्जदार पाकिस्तान को भी दर्द हो रहा है। शुरुआत तो 2006 में किंग अब्दुल्ला के दिल्ली दौरे से हो गई थी लेकिन नरेंद्र मोदी ने इसे दूर तलक ले गए हैं। 2016 में किंग सलमान ने मोदी को सऊदी अरब का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया। फिर 2019 में एमबीएस दिल्ली आए और भारत में 100 अरब डॉलर के निवेश का एलान किया। इसी साल अक्टूबर में मोदी जब रियाद पहुंचे तो एमबीएस ने गर्मजोशी से उनका स्वागत किया। दोनों देशों ने ऐतिहासिक स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप काउंसिल बनाने के समझौते पर दस्तखत किए। एमबीएस को भी पता है कि उनके देश में मौजूद 22 लाख भारतीय वहां के विकास में क्या भूमिका निभाते हैं। इसलिए ओपेक के फैसले से भारत पर खास असर नहीं पड़ना चाहिए। रूस के साथ हमारी ऑयल डील ब्रेंट क्रूड के मुकाबले 20 से 30 परसेंट सस्ता है।

ओपेक अभी 13 देशों का संगठन है - सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, ईरान, इराक, कुवैत, अल्जीरिया, लीबिया, नाइजीरिया, काँगो, अंगोला, गैबों, गिनी, वेनेजुएला और इक्वाडोर। इसमें 10 देशों को और जोड़ कर बना है ओपेक प्लस। ये हैं - रूस, अजरबैजान, बहरीन, ब्रुनेई, कजाकिस्तान, मलेशिया, मैक्सिको, ओमान, दक्षिणी सूडान और सूडान। तो कुल मिलाकर हुए 23 तेल उत्पादक देश जिनके पास इकॉनमी के इंजन की चाबी है। 1960 में बगदाद कॉन्फ्रेंस के बाद ओपेक की नींव पड़ी थी। तब इसमें इराक, ईरान, कुवैत, सऊदी अरब और वेनेजुएला साथ आए थे। दक्षिण अमेरिकी देश वेनेजुएला को छोड़ बाकी खाड़ी के देश ही थे। मकसद था वर्ल्ड ऑयल मार्केट में तेल की सप्लाई पर कंट्रोल। और इकॉनमी में किसी भी सामान का दाम आपूर्ति पर भी निर्भर करता है, इसलिए परोक्ष रूप से दाम पर भी कंट्रोल करना इसका मकसद बना। ओपेक का मुख्यालय ऑस्ट्रिया की राजधानी वियना में है। कोई भी तेल निर्यातक देश इसका सदस्य बन सकता है।

तेल बाजार पर किसका दखल

फिलहाल दुनिया के कुल कच्चे तेल का 30 परसेंट ओपेक निकालता है। इसमें सबसे बड़ा उत्पादक सऊदी अरब है। यहां के कुएं हर दिन एक करोड़ बैरल कच्चा तेल उगलते हैं। 2016 में जब क्रूड ऑयल के दाम बहुत घट गए तब ओपेक प्लस का आइडिया सामने आया। जिन दस नए देशों को जोड़ा गया उनमें रूस भी सऊदी अरब के बराबर हर दिन एक करोड़ बैरल तेल का उत्पादन करता है। ओपेक प्लस बनने से कार्टेल की ताकत बढ़ चुकी है। अब दुनिया के 40 प्रतिशत तेल उत्पादन पर इनका कंट्रोल है।

अमेरिका में साड़ी पहनने वाली हिंदू महिलाओं को बनाता था निशाना

14 पर किया हमला, काटनी पड़ सकती है 63 साल की जेल

सैन फ्रांसिस्को , 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत में घृणा अपराध की विभिन्न घटनाओं के तहत एक व्यक्ति ने कम से कम 14 ऐसी हिंदू महिलाओं पर हमले किए, जिन्होंने साड़ी या कोई अन्य पारंपरिक पोशाक पहन रखी थी, बिंदी लगा रखी थी और आभूषण धारण कर रखे थे। सांता क्लारा काउंटी के डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय के अनुसार, 37 वर्षीय लाथन जॉनसन ने हिंदू महिलाओं को कथित रूप से निशाना बनाया और उनके आभूषण भी छीन लिए। प्राधिकारियों ने बताया कि जून में शुरू हुआ यह सिलसिला करीब दो महीने चला।

आरोपी ने इस दौरान कई महिलाओं को चोट भी पहुंचाई, जिनमें से अधिकतर की आयु 50 वर्ष से 73 वर्ष के बीच थी। रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी ने ऐसे ही एक मामले में एक महिला को जमीन पर कथित रूप से धक्का दिया, उसके पति के चेहरे पर मुक्का मारा और महिला का हार छीनकर एक कार में बैठकर फरार हो गया। इसमें बताया गया है कि इसी प्रकार के एक अन्य मामले में आरोपी के हमले में एक महिला की कलाई टूट गई। जॉनसन को सांता क्लारा पुलिस विभाग और यूएस मार्शल के कार्यालय ने गिरफ्तार किया है। दोषी ठहराए जाने पर उसे अधिकतम 63 साल की सजा हो सकती है। इस मामले की अगली सुनवाई चार नवंबर को होगी। जॉनसन द्वारा चोरी किए गए गले के हारों की कीमत करीब 35,000 डॉलर है। डिस्ट्रिक्ट अटॉर्नी के कार्यालय ने बताया कि जिन महिलाओं पर हमला हुआ, उनमें से लगभग सभी ने साड़ी या उसी प्रकार की कोई अन्य पारंपरिक पोशाक पहन रखी थी, बिंदी लगा रखी थी और आभूषण धारण कर रखे थे।

'हिंदू अमेरिकन फाउंडेशन' के सदस्य समीर कालरा ने कहा, 'हम घृणा अपराध और ऑनलाइन हिंदूफोबिया (हिंदुओं के प्रति घृणा) के मामलों में वृद्धि देख रहे हैं। इस मामले में अभियोग चलाकर हम एक मजबूत संदेश देंगे।'

एलन मस्क से भी ज्यादा अमीर हैं पुतिन!

टॉयलेट भी सोने का... 100 अरब रुपए का महल अपने आप में एक 'राज्य'

मास्को, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन आज अपना 70वां जन्मदिन मना रहे हैं। रूस में उनकी छवि एक ऐसे राजनेता की है जो न ही किसी से डरता है और न किसी के आगे झुकता है। लेकिन पश्चिम में पुतिन पर अपने विरोधियों, आलोचकों और पत्रकारों के दमन का आरोप लगता है। पुतिन के सबसे बड़े आलोचक एलेक्सी नवलनी जैसे तमाम विपक्षी नेता आरोप लगाते हैं कि पुतिन के पास बेशुमार दौलत है और वह दुनिया के सबसे अमीर शख्स हैं। लग्जरी कारें, सुपरयॉट, प्लेन का कलेक्शन और 100 अरब रुपए का महल के मालिक पुतिन की दौलत अक्सर सुर्खियों में रहती है। पुतिन एक खुफिया जीवन जीते हैं और ज्यादातर लोगों को उनकी पर्सनल लाइफ के बारे में पता नहीं है। द सन की एक रिपोर्ट के मुताबिक पुतिन के पास 9641 अरब रुपए का सोने का भंडार है।

पुतिन के पास सोने का विशालकाय भंडार

पुतिन की दौलत देखकर यह अनुमान लगाया जाता है कि वह कई साल से उन प्रतिबंधों की तैयारी कर रहे थे जिन्हें यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिम उन पर लागू कर रहा है। दुनिया के अग्रिम सोने के खरीदारों में रूस का नाम आता है। रूस का सोने का भंडार कई शहरों में मौजूद है, जैसे, मॉस्को, सेंट पीटर्सबर्ग और येकातेरिनबर्ग। दुनिया की मशहूर फोर्ब्स मैग्जीन के अनुसार साल 1995 में रूस के पास 152 अरब रुपए का सोने का भंडार मौजूद था जो अब बढ़कर 9641 अरब रुपए का हो गया है। यह सोना रूस में अलग-अलग जगहों पर कड़ी सुरक्षा के बीच रखा हुआ है। सोने के भंडार के मामले में सिर्फ अमेरिका, जर्मनी और इटली ही रूस से आगे हैं। इसके अलावा पुतिन 160 बिलियन पाउंड यानी 1,62,41,99,49,76,000 रुपए के मालिक हैं।

एलन मस्क से भी ज्यादा संपत्ति का दावा

आलोचक तो यहां तक कहते हैं कि पुतिन दुनिया के सबसे अमीर शख्स हैं और उनके पास एलन मस्क से भी ज्यादा संपत्ति है। हालांकि इन दावों में कितनी सच्चाई है यह कह पाना मुश्किल है। पुतिन इन दावों को खारिज करते हैं और अपनी संपत्ति सिर्फ 1 करोड़ रुपए बताते हैं।

एक राजनीतिक आलोचक बोरिस नेम्त्सोव का दावा है कि पुतिन के पास 7 हजार कारें, 43 प्लेन और 15 हेलिकॉप्टर हैं जिनमें लग्जरी प्राइवेट जेट भी शामिल है। कहा जाता है कि पुतिन के प्राइवेट जेट में एक सोने का टॉयलेट है जिसकी कीमत 50 लाख रुपए है। इतना ही नहीं पुतिन के पास एक से एक महंगी घड़ियां भी हैं। उनके वॉच कलेक्शन की कीमत 5 करोड़ रुपए है। पुतिन के पास एक सुपरयॉट है जिसकी कीमत 7 अरब रुपए है। लेकिन जिसकी सबसे ज्यादा चर्चा होती है वह है पुतिन का खुफिया महल जो काला सागर के तट पर स्थित है और जिसकी कीमत 100 अरब रुपए बताई जाती है।

100 अरब रुपए के रहस्यमय महल के मालिक

पुतिन के राजनीतिक विरोधी और जहरखुरानी का शिकार हुए नवलनी ने पिछले साल जेल जाने के बाद आरोप लगाया था कि पुतिन एक आलीशान खुफिया महल के मालिक हैं जिसकी कीमत 100 अरब रुपए है और वह सरकारी खजाने का पैसा अपनी गर्लफ्रेंड पर बहा रहे हैं। उन्होंने दावा किया था कि पुतिन के महल में पोल डांस से लेकर कैसिनो की सुविधा मौजूद है। इसके अलावा इसमें एक स्ट्रिप क्लब, थिएटर, स्पा और डांस मैट भी मौजूद है। महल परिसर में एक अंगूर का बाग भी है और इसके भीतर एक चर्च भी मौजूद है।

पुतिन का महल अपने आप में एक राज्य

अपने वीडियो में नवलनी ने कहा था कि यह महल एक अभेद्य किला है जिसके चारों तरफ बाड़ लगी हुई है। इसका एरिया नो फ्लाई जोन में आता है।

यह महल रूस के भीतर अपने आप में एक अलग राज्य है जिसकी अपनी सुरक्षा, अपना परमिट सिस्टम, अपना चेक पॉइंट और अपना अलग बंदरगाह है। इसके भीतर जिम, स्विमिंग पूल, बेसमेंट और सुरंग मौजूद है। महल की सुरक्षा में भारी सुरक्षा बल तैनात रहता है। नवलनी का दावा है कि इस महल का स्वामित्व पुतिन के पास है और इसे पुतिन के करीबी लोगों ने भ्रष्टाचार के जरिए बनाया है।

भारतीय मूल का अमेरिकी व्यक्ति पुत्रवधू की हत्या के आरोप में गिरफ्तार

कैलिफोर्निया , 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक भारतीय मूल के 74 वर्षीय अमेरिकी व्यक्ति को अपनी पुत्रवधू की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है जो संभवतः अपने बेटे को तलाक देने की उसकी (पुत्रबधू) योजना से नाराज था । 'ईस्ट बे टाइम्स' की खबर के मुताबिक, सीतल सिंह दोसांझ ने पिछले सप्ताह वॉलमार्ट के साउथ सैन जोस के पार्किंग क्षेत्र में अपनी बहू गुरप्रीत कौर दोसांझ की गोली मार कर हत्या कर दी।

खबर में कहा गया है कि पुलिस जांच के बाद सीतल को गिरफ्तार किया गया। जांच में स्पष्ट हुआ कि पीड़िता शुक्रवार को फोन पर अपने चाचा को अपनी उस आशंका के बारे में बता रही थी कि सीतल उसे ढूंढ रहा है। खबर के अनुसार, समझा जाता है कि पीड़िता ने अपने चाचा को बताया कि उसने देखा है कि सीतल उसे ढूंढने के लिए 150 मील (241 किलोमीटर) तक गाड़ी चला कर आया। लड़की के चाचा ने पुलिस को बताया कि उनकी भतीजी 'भयभीत' लग रही थी क्योंकि सीतल उसकी गाड़ी के पीछे आ रहा था।

खबर में आगे कहा गया है कि यही वह आखिरी बात थी जो चाचा ने भतीजी से फोन कटने के पहले सुनी थी। पांच घंटे बाद, वॉलमार्ट के एक सहकर्मी ने पार्किंग क्षेत्र में उसी कार में, गुरप्रीत का शव को देखा था। उसे दो गोलियां लगीं थीं और घटनास्थल पर उसे घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस के अनुसार, गुरप्रीत के चाचा ने जांचकर्ताओं को बताया कि उनकी भतीजी 'संदिग्ध के बेटे को तलाक देने की प्रक्रिया में थी।'

पति और उसके पिता फ्रेस्नो में रहते थे। गुरप्रीत सैन जोस में रहती थी। पुलिस की जांच के अनुसार, सांता क्लारा काउंटी जिला अटॉर्नी कार्यालय द्वारा बुधवार को दायर एक हत्या के आरोप के बाद सीतल को फ्रेस्नो में उसके घर से गिरफ्तार किया गया था। घर की तलाशी के दौरान, पुलिस ने एक प्वाईंट 22-कैलिबर की बेरेटा पिस्तौल जब्त की।

पाकिस्तान, कतर...भारतीय मुसलमानों पर हाय-तौबा और उइगर मुस्लिमों पर चुप्पी!

संयुक्त राष्ट्र, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। शिंजियांग के उइगर मुस्लिमों के खिलाफ क्रूरता की सारी हदें पार करने वाले चीनी ड्रैगन को संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार परिषद में नंगा करने की अमेरिकी कोशिश गुरुवार को नाकाम हो गई। अमेरिकी प्रस्ताव के समर्थन में 17 देश और इसके विरोध में 19 देशों ने वोट डाले। कांटे की इस लड़ाई में 11 देश अनुपस्थित रहे। इस वोटिंग के परिणाम सामने आने के बाद दुनियाभर में मुस्लिम देश निशाने पर आ गए हैं। अमेरिकी प्रस्ताव का विरोध करने वाले देशों में पाकिस्तान, दुनिया की सबसे बड़ी मुस्लिम जनसंख्या वाला देश इंडोनेशिया, कजाखस्तान, भारत को ज्ञान देने वाला कतर, संयुक्त अरब अमीरात जैसे मुस्लिम देश शामिल थे। इनमें कई ऐसे देश थे जो अक्सर कश्मीर और भारतीय मुस्लिमों को लेकर जहरीले बयान देते रहते हैं।

अब इन इस्लामिक देशों के दोमुंआपन की सोशल मीडिया में जमकर किरकिरी हो रही है। पाकिस्तान, यूएई, कतर जैसे देशों की चाल से जहां चीन को बहुत बड़ी जीत मिली है, वहीं पश्चिमी देशों को बड़ा झटका लगा है। पश्चिमी देशों का आरोप है कि चीन ने अपने शिंजियांग प्रांत में 10 लाख उइगर मुस्लिमों को कैद करके रखा हुआ है। पिछले दिनों संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में चीन की क्रूरता पर कई सवाल उठाए गए थे। अमेरिका ने यह भी आरोप लगाया है कि चीन शिंजयिांग में जबरन लोगों से काम करा रहा है और नरसंहार कर रहा है।

उइगरों मुस्लिमों पर जानें कौन किसके साथ

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में वोटिंग के दौरान जिन देशों ने चीन का साथ दिया, उनकी सूची इस प्रकार है- बोल्विया, कैमरून, चीन, क्यूबा, इरिट्रयिा, गैबन, इंडोनेशिया, आइवरी कोस्ट, कजाखस्तान, मौरितानिया, नामिबिया, नेपाल, पाकिस्तान, कतर, सेनेगल, सूडान, यूएई, उज्बेकिस्तान और वेनेजुएला शामिल हैं। जिन देशों ने चीन के खिलाफ वोट दिया उनमें अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नार्वे, स्वीडन और तुर्की ने शामिल हैं। तुर्की एक इस्लामिक देश है और वह अक्सर उइगर मुस्लिमों के खिलाफ अत्याचार पर आवाज उठाता रहता है।

मारिजुआना को लेकर बाइडेन सरकार का बड़ा फैसला

अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा- गांजा पीने या रखने के आरोपी जेल से रिहा किए जाएंगे

वॉशिंगटन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मारिजुआना यानी गांजा को लेकर बड़ा फैसला लिया है। बाइडेन ने गुरुवार को राष्ट्र के नाम एक वीडियो संदेश में ऐलान किया है कि गांजा पीने और रखने के आरोप में देश की फेडरल जेलों में बंद सभी लोगों को रिहा किया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव के कैंपेन के दौरान उन्होंने इसे लेकर वादा किया था। उन्होंने कहा कि सिर्फ गांजा पीने या रखने के आरोप में किसी को जेल में बंद करना सही नहीं है। गांजा रखने पर लोगों को जेल में डालने से कई जिंदगियां बर्बाद हुई हैं। गांजा रखने पर लगाए गए क्रिमिनल आरोपों के चलते लोगों को रोजगार, घर और पढ़ाई-लिखाई के मौके नहीं मिल पाते हैं। और जहां श्वेत और अश्वेत लोग बराबर मात्रा में गांजे का इस्तेमाल करते हैं, श्वेत लोगों के मुकाबले अश्वेत लोग इस मामले में ज्यादा गिरफ्तार किए जाते हैं और उन्हें ज्यादा सजा दी जाती है। बाइडेन ने कहा कि सबसे पहले मैं सभी गांजा रखने के सभी फेडरल आरोपियों की सजा माफ करता हूं। मैंने अटर्नी जनरल को इस मामले में निर्देश दिया है कि जो लोग एलिजिबल हों उनकी सजा खत्म करने के सर्टिफिकेट जारी किए जाएं। मेरे इस एक्शन से हजारों ऐसे लोगों को मदद मिलेगी जो गांजा रखने के आरोपों के परिणाम भुगत रहे हैं। दूसरा, मैं सभी राज्यों के गवर्नरों को भी ऐसा ही करने की सलाह दूंगा। जैसे किसी को गांजा रखने के लिए फेडरल जेल में नहीं होना चाहिए, ठीक वैसे ही किसी को लोकल या स्टेट जेल में भी नहीं होना चाहिए।

हिंदू फोबिया से हमें लड़ना है: लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारमर बोले - इसके लिए हमारे समाज में कोई जगह नहीं

लंदन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन में हिंदुओं पर बढ़ रहे हमलों का मामला अब राजनैतिक रंग लेता नजर आ रहा है। यूके में विपक्ष के लीडर और लेबर पार्टी के नेता कीर स्टारमर ने इन हमलों को हिंदू फोबिया फैलाने का प्रयास करार दिया है। स्टारमर बुधवार को लंदन के इंडिया गार्डन में होने वाले यूरोप के सबसे बड़े नवरात्रि कार्यक्रम में शामिल हुए थे। यहां उन्होंने भारतीयों को संबोधित करते हुए कहा– वो देश में डिवाइड एंड रूल की राजनीति को खत्म करना चाहते हैं। स्टारमर ने कहा- हिंदू, ब्रिटेन का अहम हिस्सा हैं और हमेशा रहेंगे। सोशल मीडिया के जरिए कुछ चरमपंथियों ने हिंदू सोसाइटी के खिलाफ नफरत फैलाने का प्रयास किया है। इससे लड़ने के लिए पूरे समाज को साथ में खड़े होने की जरूरत है।

पाक की हार के बाद भड़की थी हिंसा

इस साल हुए एशिया कप में 28 अगस्त को हुए ग्रुप राउंड के मैच पाकिस्तान को भारत के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। जिसके बाद विशेष समुदाय के लोगों ने ब्रिटेन के लिसेस्टर में हिंदुओं के घरों और धार्मिक स्थलों में तोड़-फोड़ की थी। सोशल मीडिया पर हिंदुओं के खिलाफ गलत जानकारियां फैलाई गई थीं। इसे ब्रिटेन के हिंदू संगठनों ने इसे हिंदू फोबिया और टार्गेट अटैक बताया था।

लोगों को उनका धर्म देखकर निशाना बनाया गया

स्टारमर ने कहा- हिंदू फोबिया के लिए हमारी सोसाइटी में कोई जगह नहीं है। लोगों को उनका धर्म देखकर निशाना बनाया जा रहा है। पिछले कुछ सालों में ऐसे हिंसक मामले बढ़े हैं। लीसेस्टर की सड़कों और हाल के हफ्तों में बर्मिंघम में जो हिंसा हुई उससे मैं दुखी हूं।

सोशल मीडिया का उपयोग नफरत फैलाने के लिए किया जा रहा है। ये डिवाइड एंड रूल की पॉलिसी है। सभी के धर्म, उनके पूजा स्थानों और प्रतीकों का सम्मान किया जाना चाहिए।

विजया दशमी के मौके पर पहली बार नवरात्री के कार्यक्रम में शामिल हुए स्टारमर ने दावा किया कि अगले आम चुनाव में लेबर पार्टी 12 साल बाद सत्ता में वापसी करने के लिए तैयार है। स्टरार ने कहा- नवरात्रि का पर्व वुमन एम्पावरमेंट को दर्शाता है।

इससे पहले ब्रिटेन में भारतीय मूल की होम सेक्रेटरी सुएला ब्रेवरमैन ने लीसेस्टर में हुई हिंसा के लिए माइग्रेंटस को जिम्मेदार बताया था। ब्रेवरमैन 4 अक्टूबर को कंजर्वेटिव पार्टी की एनुअल कांफ्रेंस में शामिल हुई थीं।

ताइवन की चीन को दो टूक

डिफेंस मिनिस्टर ने कहा: चीनी एयरक्राफ्ट सीमा में घुसे तो अब जवाब जरूर देंगे

ताइपे, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। ताइवान अपनी सीमा में चीन की बढ़ रही घुसपैठ को लेकर सख्त रुख अपनाता नजर आ रहा है। ताइवान के डिफेंस मिनिस्टर चिउ कुओ-चेंग ने अपने देश की सीमा पर चीनी ड्रोन्स और फाइटर जेट्स की एंट्री पर जवाबी कार्रवाई करने की बात कही है।

बुधवार को हुई नेशनल डिफेंस कमेटी की मीटिंग में चेंग ने कहा - चीन के ड्रोन या फाइटर एयरक्राफ्ट हमारी सीमा में आते हैं तो इसे हमला माना जाएगा। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि वो किस तरह चीन के इस हमले का जवाब देंगे। उनके मुताबिक, जवाबी कार्रवाई जरूर की जाएगी।

ताइवान ने पहले तय किया था कि जब तक चीन की ओर से पहला हमला नहीं होगा, वो एक्शन नहीं लेंगे। लेकिन, नीति में बदलाव आया है। अब चीन के ड्रोन्स या एयरक्राफ्ट ताइवान एयरस्पेस की सीमा में आते हैं तो इसे एयर स्ट्राइक मानते हुए जवाबी कार्रवाई की जाएगी। ताइवान की प्रेसिडेंट साई इंग वेन ने भी इस साल की शुरुआत में चीन के खिलाफ जवाबी कार्रवाई करने की बात कही थी। वेन ने कहा था, हम लड़ाई या विवाद करने के पक्ष में नहीं। लेकिन चीन की ओर से हमला हुआ तो हम जवाबी कार्रवाई के लिए तैयार हैं। ताइवान चीन के समुद्री किनारे से 177 किलोमीटर से भी कम दूरी पर है। पिछले 70 सालों से दोनों जगह स्वतंत्र शासन है। बावजूद इसके चीन इस द्वीप को अपना हिस्सा बनाना चाहता है। चीन के प्रेसिडेंट कह चुके हैं कि ताइवान को फिर से चीन में मिलाना उनके लिए जरूरी है।

चीन के सेंट्रल इंटेलिजेंस एजेंसी के डिप्टी डायरेक्ट भी ने भी कहा था कि वो जोर लगाकर या सैन्य दबाव बनाकर ताइवान को चीन में शामिल नहीं कराना चाहते।

टेम्प्रेचर का सीधा असर दिमाग पर

वॉशिंगटन, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। तापमान का सीधा संबंध आपके दिमाग और व्यवहार से है। ज्यादा गर्मी या ठंड दोनों ही आपको गुस्से और नफरत से भर देती हैं। हम 12 से 21 डिग्री सेल्सियस में सबसे अच्छे मूड में होते हैं। इस समय गुस्सा भी कम आता है।

द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ ने अमेरिका के 773 शहरों में रहने वाले लोगों के व्यवहार पर तापमान के हिसाब से अध्ययन किया। इसमें यह पता चला कि ज्यादा गर्म या ज्यादा ठंड होने पर इंसान में गुस्सा बढ़ता है और भौतिक रूप से गुस्सा या नफरत नहीं दिखा पाने पर वह ऑनलाइन जाहिर करता है।

रिपोर्ट में कहा गया- अमेरिका के हीट वेव के दौरान ऑनलाइन हेट स्पीच या हेट टेक्सट के मामले बहुत ज्यादा बढ़ गए। शोधकर्ताओं का कहना है कि अमेरिका में 25% ब्लैक और 10% हिस्पैनिक लोग ऑनलाइन हेट स्पीच का सबसे ज्यादा शिकार होते हैं। मौसम में बदलाव की वजह से एलजीबीटीक्यू समुदाय के लोग चार गुना ज्यादा ऑनलाइन हेट स्पीच का शिकार हुए।

द लैंसेट प्लेनेटरी हेल्थ की टीम ने पोट्सडैम इंस्टीट्यूट फॉर क्लाइमेट इम्पैक्ट रिसर्च के लियोनी वेंज के नेतृत्व में मई 2014 से मई 2020 तक के 6 साल में अमेरिका में किए गए 400 करोड़ ट्वीट्स की जांच की। इसके लिए इन्होंने ऑर्टीफिशियल इंटेलिजेंस से एलगोरिदम तैयार किया, जो हेट स्पीच को पहचानता था। इसमें 7 करोड़ 50 लाख ट्वीट हेट स्पीच के थे, यानी कुल ट्वीट के 2%। टीम ने यह जांच की कि कौन से ट्वीट किस इलाके से किए गए और वहां उस दिन का मौसम कैसा था। जहां तापमान 15 से 18 डिग्री सेल्सियस था वहां हेट स्पीच ट्वीट थोड़े ज्यादा हुए। -3 से -5 डिग्री सेल्सियस के तापमान में रह रहे लोगों ने दूसरे से 12.5% ज्यादा हेट स्पीच वाले ट्वीट किए।

शादीशुदा महिला-पुरुष हो रहे बेवफा

54% पुरुष, 56% महिलाओं ने कम से कम एक बार की बेवफाई, धोखा देने में महिलाएं आगे

एक्सक्लूसिव डेस्क, 7 अक्टूबर। 'मैं एक मल्टीनेशनल कंपनी में मैनेजर हूं। अच्छा कमाता हूं, देश-विदेश घूमता रहता हूं। पत्नी है, घर है। लग्जरी लाइफस्टाइल वाली हर चीज है। फिर भी जिंदगी में कुछ कमी सी महसूस होती है। शादी के 10 साल बाद अब मुझे रिश्तों में पहले जैसी गर्माहट महसूस नहीं होती। इसी वजह से मुझे डेटिंग ऐप पर आना पड़ा। यहां मेरे जैसे काफी लोग हैं, जो लाइफ को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। ऐसा नहीं है कि मैं अपनी वाइफ से प्यार नहीं करता या उसे छोड़ना चाहता हूं, लेकिन अकेलेपन और बोरियत को दूर करने के लिए डेटिंग से बेहतर मुझे कुछ समझ नहीं आया।' 36 साल के विनय देश के उन लाखों शादीशुदा लोगों में से एक हैं, जो एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप्स और वेबसाइट्स का इस्तेमाल कर रहे हैं। इनमें महिलाएं भी हैं और पुरुष भी।

अब आगे बढ़ने से पहले जान लीजिए कि पूरी दुनिया में कुल कितने लोग डेटिंग ऐप्स इस्तेमाल कर रहे हैं, इनमें शादीशुदा, सिंगल और पार्टनर से अलग रह रहे या तलाकशुदा, हर तरह के लोग शामिल हैं।

भारत ही नहीं, दुनियाभर में एक्स्ट्रा-मैरिटल रिलेशनशिप टैबू रहा है, लेकिन यह भी हकीकत है कि हमेशा से ही समाज में ऐसा होता रहा है। बीते कुछ साल में कानून से लेकर समाज तक में कई बदलाव आए हैं। टेक्नोलॉजी ने भी कई चीजों को आसान बनाया है।

ऐसे में एक्स्ट्रा-मैरिटल रिलेशन के लिए डेटिंग ऐप्स यूज करने वाले भी तेजी से बढ़े हैं। सिर्फ शादीशुदा लोगों के लिए अलग से डेटिंग ऐप भी बन गए हैं। ऐसे ही ऐप यूज करने वाले कुछ यूजर्स से जब बात की, तो उन्होंने बेवफाई के पीछे बोरियत, उदासी, पति या पत्नी की अनदेखी, उनके रूखेपन और मैरिड लाइफ की इच्छाएं पूरी न होने को जिम्मेदार बताया।

ऐसे ही एक एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप ग्लीडेन की कंट्री मैनेजर सिबिल शिडेल कहती हैं कि भारत में लोग अब अपनी इच्छाएं खुलकर जता रहे हैं। हालांकि, कुछ लोग ऐप्स के जरिए सिर्फ वर्चुअल फ्लर्ट तक सीमित हैं, तो रियल लाइफ अफेयर शुरू करने वालों की संख्या भी कम नहीं है।

एक्स्ट्रा-मैरिटल रिलेशनशिप अब क्राइम नहीं

शादीशुदा कपल्स में से अगर कोई किसी दूसरे पुरुष या महिला से संबंध बनाता है, तो इसे एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर या एडल्ट्री कहते हैं। 2018 से पहले तक देश में ऐसा करना क्राइम था। धारा-497 के तहत किसी और की पत्नी से संबंध बनाने वाले पुरुष को जुर्माना व 5 साल तक की सजा मिलती थी। हालांकि, इसमें महिला के खिलाफ न तो केस दर्ज होता था और न ही उसे कोई सजा मिलती थी। 2018 में सुप्रीम कोर्ट ने 150 साल पुराने इस कानून को रद्द कर दिया।

ग्लीडेन के मुताबिक इस कानून के रद्द होने के बाद भारत में ऐसे शादीशुदा यूजर्स की संख्या तेजी से बढ़ी, जो एक्स्ट्रा-मैरिटल रिलेशनशिप की तलाश में थे।

माइंडसेट में कैसे आ रहा बदलाव

सिबिल शिडेल बताती हैं कि टेक्नोलॉजी ने चीजों को आसान बनाया है। हर चीज एक क्लिक पर मिल जाती है। सोशल मीडिया ने हमें सिखा दिया है कि इंस्टैंट रिवॉर्ड से खुशी कैसे मिलती है। जिससे लोगों में अब न तो धैर्य रहा और न ही अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए वे ज्यादा इंतजार कर सकते हैं। इसका असर जिंदगी पर भी पड़ रहा है। लोग डेटिंग ऐप पर किसी से बात

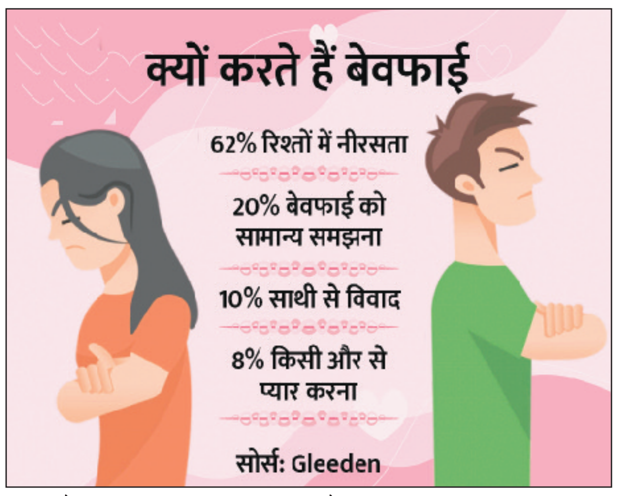

करते हैं, फिर कुछ ही देर में ऊब भी जाते हैं। परफेक्ट केमिस्ट्री की तलाश में किसी और से चैट शुरू हो जाती है। आखिर लोग इतनी जल्दी शादी से कैसे ऊब जाते हैं और फिर दुखी होकर नया रिश्ता तलाशने लगते हैं। शादी बाद सोचने लगते हैं कि वो जैसा पार्टनर चाहते थे, वो नहीं मिला।

शादीशुदा जिंदगी में नाखुश होकर डेटिंग ऐप्स पर खुशियां तलाशने वाले पुरुषों की संख्या महिलाओं से कहीं ज्यादा है। एक्स्ट्रा-मैरिटल डेटिंग ऐप ग्लीडेन की कंट्री मैनेजर सिबिल शिडेल कहती हैं, भारत में उनके ऐप यूजर्स में 75% पुरुष हैं, तो 35% महिलाएं। हालांकि, ग्लोबल लेवल पर 60% पुरुष और 40% महिलाएं इस ऐप को यूज कर रही हैं। वहीं, अधिकतर पुरुषों की उम्र 35 साल से ज्यादा है, तो महिला यूजर्स 26 साल की होने के बाद डेटिंग शुरू कर देती हैं। 'पति-पत्नी और वो' के इस चक्कर में जीवनसाथी को धोखा देने की बात हो तो महिला और पुरुष, दोनों में से कोई कम नहीं है। शादीशुदा जिंदगी में पति या पत्नी से उम्मीदें पूरी नहीं हुईं, तो वह इसे शादी से बाहर खोजने लगते हैं। कभी वह उस 'तीसरे' में साथी तलाशते हैं, तो कभी उससे प्यार की चाहत रखते हैं। हालांकि, यह बेवफाई कुछ लोगों की आदत का हिस्सा भी हो सकती है। ऐसे लोग अक्सर सिर्फ वन-नाइट स्टैंड और फन के लिए यह सब करते हैं।

एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर्स के पीछे कई वजहें होती हैं। लोग शादी में खुशियां नहीं पाते। कभी-कभी ऐसा लगता है कि पार्टनर के लिए चाहे जितना करो, वह खुश नहीं होता। या फिर लोग इसलिए भी एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर कर लेते हैं कि किसी को पता नहीं चलेगा। ऐसे कपल भी आते हैं, जो शादी के एक-दो महीने बाद चीटिंग करते हुए पकड़े गए।

बेवफाई के दस बहाने

दिल्ली-एनसीआर, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, हैदराबाद, बेंगलुरू और पुणे जैसे शहरों में 35-45 साल के 10 हजार यूजर्स के बीच सर्वे कर ग्लीडेन ने उन कारणों का पता लगाया, जिनकी वजह से लोग अपने पति या पत्नी को धोखा देते हैं।

बोरियतः पुराने रिश्तों में एक वक्त के बाद लोगों को जिंदगी नीरस लगने लगती है। तब वे बदलाव चाहते हैं। ऐसे में किसी दूसरे की तरफ आकर्षित होने की संभावना बढ़ जाती है। कम्युनिकेशन गैपः यह समस्या हर रिश्ते का कत्ल कर देती है। कोई रिश्ता परफेक्ट नहीं होता, लेकिन बातचीत से उसे परफेक्ट बना सकते हैं, लेकिन भागदौड़ में इसके लिए वक्त नहीं बचता। रिश्तों में रूखापनः काम की थकान या फिर किसी दूसरी वजह से एक पार्टनर में संबंध बनाने की हिम्मत नहीं बचती। ऐसा लगातार होने पर दूसरा साथी घर से बाहर रुख करता है। उम्मीदों का पहाड़ः जरूरत से ज्यादा उम्मीदें पालना और पूरा न होने पर दुखी होना इंसानी फितरत है। शादी में साथी की अटेंशन, प्यार, टाइम न मिलने के बहाने लोग बेवफा बन जाते हैं। अतीत के रिश्तेः लोग पिछली रिलेशनशिप की तुलना मौजूदा रिश्तों से करने लगते हैं। मौजूदा पार्टनर को अपना नहीं पाते। जबर्दस्ती की गई शादी में भी लोग पिछले पार्टनर के पास चले जाते हैं। नए ट्रेंडः कुछ लोग हर वह चीज आजमाना चाहते हैं, जो ट्रेंड में है। हुक-अप कल्चर भी ऐसा ही ट्रेंड है, जिसकी तरफ वे लोग खिंचे चले आते हैं, जो शादीशुदा जिंदगी में खुश नहीं हैं। पॉलीगैमीः एक जैसे माइंडसेट वाले पार्टनर यह समझते हैं कि उनका पार्टनर एक साथ 2-3 लोगों के प्यार में पड़ सकता है। ऐसे में 2 से ज्यादा पार्टनर एक साथ हो जाते हैं। डोमेस्टिक वायलेंसः देश में 10 में से 8 महिलाएं घरेलू हिंसा झेलती हैं। फिजिकल और सेक्शुअल वायलेंस झेलकर तलाक देने की जगह कई बार बाहर खुशियां खोजने लगते हैं। कदम जब बहक जाएंः कभी-कभी नशे में लोग बहक जाते हैं और इसका भी ध्यान नहीं रहता कि इससे उनकी शादी टूट सकती है। पार्टी, ट्रिप, पुराने दोस्तों से मिलने के दौरान ऐसा होता है। सेक्सोहोलिकः लत किसी चीज की अच्छी नहीं। ऐसे में लोग नहीं संभल पाते। ऐसे लोगों का खुद पर नियंत्रण नहीं होता। उनके मल्टिपल पार्टनर भी हो सकते हैं। खैर, बहाने अपनी जगह हैं, लेकिन अगर किसी की फितरत ही धोखा देने की हो, तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि शादी को कितने साल हो चुके हैं।

बेवफा को माफी मिलने की कितनी गुंजाइश

शादी को अगर 5 साल हो गए हों, तो एक साथी के बेवफाई करने पर उसे दूसरे से माफी मिलने की संभावना ज्यादा रहती है। 44% लोगों ने 5 साल से ज्यादा पुराने रिश्ते में सिर्फ सेक्स के लिए बेवफाई करने वाले पार्टनर को माफ कर देने की बात कही। जिनकी शादी को 1 साल से कम हुआ था, उनमें से 81% ने कहा कि वे धोखा देने वाले पार्टनर को माफ नहीं करेंगे।

यानी ऑनलाइन डेटिंग की शुरुआत इंटरनेट में गूगल के आने से पहले ही हो चुकी थी। दुनिया की पहली डेटिंग वेबसाइट 1995 में शुरू हुई, जबकि गूगल की शुरुआत उसके 3 साल बाद 1998 में हुई। आमतौर पर लोग डेटिंग को ही रिलेशनशिप मान लेते हैं। डेट पर गए तो रिलेशनशिप शुरू, लेकिन ऐसा नहीं है। डेटिंग रिलेशनशिप की तरफ बढ़ा एक कदम भर है। डेटिंग के दौरान लोग एक-दूसरे को समझते हैं, पसंद-नापसंद जानते हैं। फिर उसके बाद रिलेशनशिप में जाने या नहीं जाने का फैसला करते हैं।

कोई एक वक्त में सिर्फ एक साथी के साथ डेट पर जाता है, तो कुछ लोग एक साथ कई लोगों को 'डेट' करते हैं। कई बार लोग जब रिश्ते को सीरियसली लेने लगते हैं तो फिर डेट पर जाने का फैसला करते हैं। उनका इरादा शादी का भी हो सकता है। कुछ लोग सिर्फ साथ में घूमने-फिरने के लिए डेट पर जाते हैं, जिसे वे 'कैजुअल डेटिंग' कहते हैं। और, डेटिंग के लिए ऐप्स से आसान तरीका और कौन सा हो सकता है भला।

यही वजह है कि 7 साल में डेटिंग ऐप्स का डाउनलोड काउंट दोगुना हो गया, जबकि यूजर्स 19 करोड़ से बढ़कर 32 करोड़ पहुंच गए, जिसमें सिंगल लड़के-लड़कियों से लेकर तलाकशुदा तक शामिल हैं।

छोटे शहरों और दूर-दराज के राज्यों में भी ऑनलाइन डेटिंग का कल्चर बढ़ रहा है। इसका पता एक और डेटिंग ऐप क्वैक-क्वैक के सर्वे से भी होता है। एक लेटेस्ट सर्वे में पता चला है कि पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड और त्रिपुरा में क्वैक-क्वैक के यूजर्स में बढ़ोतरी हुई है। बीते 6 महीने में करीब 55 हजार नए यूजर्स ने ऐप में रजिस्ट्रेशन किया है।

कुछ दशक पहले तक बच्चों की शादी का जिम्मा परिवार के बड़े-बुजुर्गों का हुआ करता था। बीते 2 दशकों में दुनिया तेजी से बदली और अपने लिए लाइफ पार्टनर खोजने का चलन यंगस्टर्स में तेजी से बढ़ा। लेकिन, अब स्मार्टफोन पर सिर्फ एक टच से दुनिया में छा जाने वाले यंगस्टर्स का मूड फिर बदलता दिख रहा है। सोशल मीडिया पर इंस्टैंट हैपीनेस, हाई स्पीड-हाई टेक्नोलॉजी के लिए क्रेजी ये युवा रिलेशनशिप में कमिटमेंट तो चाहते हैं, लेकिन साथ रहने के लिए शादी की बजाए लिव-इन रिलेशनशिप यानी 'डोमेस्टिक पार्टनरशिप' इनकी पहली पसंद है। बिना शादी किए लंबे समय तक एकसाथ पति-पत्नी की तरह रहना ही डोमेस्टिक पार्टरनशिप यानी लिव-इन रिलेशनशिप कहलाता है। भारत में इसके लिए कोई कानून नहीं बना है, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसलों में लंबे समय तक साथ रहने वाले कपल को पति-पत्नी माना है।

2006 में सुप्रीम कोर्ट ने फैसला देते हुए कहा था कि 2 वयस्कों को उनकी मर्जी से साथ में रहने का अधिकार है। इसके बाद दिए गए फैसलों में सुप्रीम कोर्ट लिव-इन में रहने वाले कपल को शादीशुदा मानने से लेकर उनके बच्चे को पैतृक संपत्ति में हक देने तक कई फैसले दे चुका है। लिव-इन को वैधता मिलने के बाद कपल्स भी अब अपनी झिझक छोड़ खुलकर रिश्ते को स्वीकार कर रहे हैं।

कभी मैचमेकिंग और शादी एक-दूसरे के पर्याय हुआ करते थे। अब ऐसे लड़के-लड़कियों की संख्या काफी है, जिन्हें अपनी जिंदगी में एक साथी की तलाश तो है, लेकिन वह शादी नहीं करना चाहते।

इनमें अधिकतर युवाओं ने शादी को महज 'लेबल' माना और कहा कि वे कमिटमेंट की वैल्यू करते हैं और हेल्दी रिलेशनशिप उनके लिए शादी के 'लेबल' से बढ़कर है।

पुरुषों की तुलना में महिलाओं में रिश्ते बदल जाने का डर ज्यादा दिखा। इस डर की वजह समाज की 'उम्मीदों का बोझ' है, जो शादी के बाद उनपर बढ़ जाता है।

हजार साल पहले नौसेना बनाकर श्रीलंका, मलेशिया तक जीता

शिव भक्त पेन्नियन सेल्वन की कहानी

एक्सक्लूसिव डेस्क, 7 अक्टूबर। 'पोन्नियिन सेल्वन' तमिल भाषा का शब्द है, जिसका मतलब है 'कावेरी नदी का पुत्र', कावेरी नदी को तमिल में पोन्नी कहते हैं। माना जाता है कि जब राजराजा प्रथम 5 साल के थे, तो कावेरी में गिर गए थे और उन्हें कावेरी ने ही बचा लिया था। इसलिए उनका नाम पोन्नियन सेल्वन यानी 'कावेरी नदी का पुत्र' पड़ा। पोन्नियिन सेल्वन नॉवेल छपने के बाद से ही तमिलनाडु में बेहद लोकप्रिय रहा है। एक अनुमान के मुताबिक अभी भी इस किताब की हर साल 1 लाख कॉपियां बिकती हैं। कल्कि का जन्म 1895 में तमिलनाडु के तंजावुर गांव में एक गरीब परिवार में हुआ था। अंग्रेजों के खिलाफ महात्मा गांधी के असहयोग आंदोलन में शामिल होने के लिए उन्होंने स्कूल छोड़ दिया था। वे आनंद विकाटन मैगजीन से जुड़ने के बाद लेखक और संपादक बने। चोल राजवंश की गिनती भारत के सबसे प्रमुख राजवंशों में होती है। चोल राजवंश को दो हिस्सों में बांटा जा सकता है- प्राचीन चोलवंश- जिसने 300 ईसा पूर्व से 7वीं सदी तक राज किया और दूसरा मध्यकालीन चोलवंश- जिसका शासन 8वीं सदी से 13वीं सदी तक था। इसकी शुरुआत करीब 2300 साल पहले यानी 300 ईसा पूर्व से मानी जाती है। इस राजवंश की उत्पत्ति कावेरी नदी घाटी में हुई थी और तमिलनाडु स्थित वरायूर (अब तिरुचिरापल्ली) इसकी सबसे पुरानी राजधानी थी। शुरुआत में चोल राजवंश तमिलनाडु और आंध्र के कुछ इलाकों तक फैला था। चोल राजवंश के राजाओं के बारे में ज्यादा प्रमाण मौजूद नहीं है। सबसे पहले जिस राजा का जिक्र मिलता है, वो थे करिकला। माना जाता है कि करिकला से पहले भी चोल राजवंश में तीन राजा-एल्लालन, कुलकोटन और यमसाचेचेन्नी हो चुके थे। करिकला के बारे में ही ज्यादा प्रमाण मौजूद हैं। प्राचीन तमिलनाडु और केरल के इतिहास को समेटने वाले संगम साहित्य में करिकला और चोल राजवंश का जिक्र मिलता है। मौर्य सम्राट

अशोक के शिलालेखों में भी इनका जिक्र मिलता है।

संगम साहित्य में पौराणिक चोल राजाओं के बारे में कई कहानियां भी दर्ज हैं। इसके एक मिथक के अनुसार चोल राजा कांतमन ऋषि अगस्त्य के समकालीन थे, जिनकी भक्ति से कावेरी नदी का जन्म हुआ था। करिकला के बाद चोल राजवंश के बारे में अगले 600-700 साल तक ज्यादा प्रमाण मौजूद नहीं हैं। हालांकि, संगम साहित्य में करिकला के बाद भी कम से कम 6 चोल राजाओं का जिक्र मिलता है। चोल साम्राज्य में जन्मे सबसे महान सम्राट थे राजराजा प्रथम, उन पर ही बनी है फिल्म पोन्नयिन सेल्वन। मध्यकालीन या प्रमुख चोल साम्राज्य की शुरुआत 8वीं सदी में राजा विजयालय के साथ होती है। विजयालय ने 848 ईस्वी से 871 ईस्वी तक शासन किया था। माना जाता है कि विजयालय ने ही दक्षिण भारत में महान चोल साम्राज्य की नींव रखी थी। चोलों के समय दक्षिण में और भी कई ताकतवर राजवंश हुए। इनमें चोलों के अलावा चेर और पंड्या राजवंश प्रमुख थे। इसके अलावा दक्कन में राष्ट्रकूट राजवंश था, जिसने आगे चलकर चोलों को हराया और आंध्र प्रदेश में राज करने वाला चालुक्य राजवंश की चोलों से कई जंग हुई।

राजराजा प्रथम चोल वंश के सबसे ताकतवर राजा थे, उन्होंने 20 साल शासन किया था। पोन्नियिन सेल्वन चोल राजवंश के सबसे महान स्रमाट राजराजा प्रथम या अरुलमोझी वर्मन थे। 947 ईस्वी में जन्मे राज प्रथम ने 985 ईस्वी से 1014 ईस्वी तक शासन किया था। राज प्रथम और उनके बेटे राजेंद्र प्रथम के शासनकाल के दौरान चोल साम्राज्य अपने चरम पर था। उस समय चोल साम्राज्य दक्षिण में मालदीव और मलेशिया से लेकर श्रीलंका और उत्तर में आंध्र के गोदावरी नदी तक फैला था। राज प्रथम को दक्षिण भारत के सबसे ताकतवर सम्राट में गिना जाता है, जिन्होंने लगभग पूरे दक्षिण भारत को जीत लिया था। उनका साम्राज्य आधुनिक तमिलनाडु, कर्नाटक, केरल और आंध्र प्रदेश, ओडिशा और श्रीलंका के कुछ हिस्सों तक फैला था। उन्होंने 996 ईस्वी तक गंगावाड़ी टेरिटरी (मौजूदा कर्नाटक राज्य) और केरल और उत्तरी श्रीलंका पर कब्जा जमा लिया था। 1014 ईस्वी तक राज प्रथम ने लक्षद्वीप और मालदीव द्वीपों पर कब्जा कर लिया था। राज प्रथम को 'मुमुदी चोल' की उपाधि मिली थी, जिसका मतलब है चोल, चेर और पंड्या यानी तीन मुकुट धारण करने वाला। उनके बेटे राजेंद्र प्रथम ने पूरे श्रीलंका पर अधिकार करने के बाद दक्कन के इलाके पर कब्जा जमाया और उत्तर में गंगा नदी के इलाके में भी सैन्य अभियान चलाया। राजेंद्र प्रथम ने चोल साम्राज्य का विस्तार सुमात्रा और मलय (मलेशिया) तक किया था। राजेंद्र प्रथम ने पूरब की ओर सैन्य अभियान चलाते हुए पाटलिपुत्र पर शासन करने वाले पाल वंश के राजा महिपाल को भी हराया था। कहा जाता है राजेंद्र प्रथम ने गंगा के मैदानी इलाकों पर आक्रमण केवल गंगा जल के लिए किया था और उन्होंने बंगाल से गंगा जल लाकर तमिलनाडु के तंजौर स्थित उनके पिता राज प्रथम के बनवाए मंदिर बृहदेश्वर मंदिर में चढ़ाया था। इसके बाद राजेंद्र प्रथम ने तमिलनाडु के अरियालुर जिले स्थित अपनी नई राजधानी गंगईकोंड चोलपुरम बनाई थी। 1044 ईस्वी में राजेंद्र प्रथम की मौत के कुछ सालों बाद चोल वंश कमजोर पड़ने लगा और 1279 में राजेंद्र तृतीय की मौत के साथ इसका अंत हो गया।

चोल साम्राज्य की सबसे बड़ी ताकत उनकी नेवल पावर थी। इसी ताकत ने चोलों को मलेशिया और इंडोनेशिया तक विजय हासिल करने में मदद की थी। चोल साम्राज्य का कब्जा इतने विशाल समुद्री इलाके पर था कि उसे भारत का पहला और एकमात्र सामुद्रिक साम्राज्य भी कहा जाता है। नेवी पावर में चोलों का इस कदर दबदबा था कि कुछ सालों के लिए बंगाल की खाड़ी को 'चोल लेक' कहा जाने लगा था।

इतिहासकारों का कहना है कि चोल राजाओं की नेवल पावर के आगे ब्रिटेन, फ्रांस और पुर्तगाल जैसी यूरोपीय ताकतें भी फीकी नजर आती हैं। यूरोपीय ताकतों का समुद्र का सफर जहां 15वीं शताब्दी में कोलंबस और वास्कोडिगामा जैसे नाविकों के समुद्र रास्तों की खोज से शुरू हुआ था, तो वहीं चोल राजा यूरोपीय ताकतों से करीब 400 साल पहले ही देश की सीमा पार करते हुए इंडोनेशिया, मलेशिया और कंबोडिया तक कई सफल नौसैन्य अभियान चला चुके थे। चोलों ने समुद्री व्यापारियों से काफी मजबूत संबंध बनाए और इसी की वजह से उन्हें दमदार नेवी अभियान चलाने में कामयाबी मिली।

इतिहासकारों का कहना है कि एक मजबूत सेना और नौसेना रखना चोलों की मजबूरी भी थी, क्योंकि 9वीं से 10वीं सदी का समय बेहद हिंसक समय था, जब राजाओं के बीच अक्सर युद्ध होते रहते थे। ये वो दौर था जब राष्ट्रकूटों ने चोलों को हराया था। उस दौरान चोल राजवंश में उत्तराधिकार की जंग भी बहुत होती थी और यही फिल्म पोन्नियिन सेल्वन का मुख्य विषय है। राजराजा प्रथम शिव के बड़े भक्त थे और उन्होंने शिव जी के कई मंदिरों का निर्माण कराया।

लेकिन राजराजा प्रथम को एक सेक्युलर राजा माना जाता है। उन्होंने और उनके परिवार ने विष्णु के मंदिरों के निर्माण के लिए भी खूब दान दिया था।

किराना दुकान से बेच रहा था शराब

ग्राहक बनकर पहुंच गई पुलिस, स्टील के टब और डिब्बों में मिली

कोरबा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कोरबा में एक किराना की दुकान से शराब की बिक्री की जा रही थी। पुलिस को पता चला तो ग्राहक बनकर पहुंच गई। मौके से पुलिस ने स्टील के टब और प्लास्टिक के डिब्बों से 160 लीटर महुतआ शराब बरामद की है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। मामला कटघोरा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, छुरी के यादव मोहल्ला निवासी राधेश्याम ढिंढवार की घर में ही किराना दुकान है। पुलिस को लंबे समय से क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की शिकायत मिल रही थी, लेकिन आरोपी तक नहीं पहुंच पा रहे थे। इस बीच पुलिस को दुकान के बारे में पता चला तो एक सिपाही

को ग्राहक बनाकर भेज दिया।

दशहरे की रात किराना दुकान में पहुंचे सिपाही ने शराब मांगी तो राधेश्याम ने दे दी। इसके बाद पुलिस टीम पहुंच गई। तलाशी के दौरान पता चला कि स्टील के टब और और जेरीकेन में शराब को छिपाकर रखा था। उसे जब्त कर लिया गया है। आरोपी के खिलाफ आबाकारी एक्ट में कार्रवाई की जा रही है। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

कार ने मां-बेटे, बच्ची को कुचला

महासमुंद में भाई-बहन की ली जान

राजनांदगांव/महासमुंद, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में 6 घंटे के दौरान तीन अलग-अलग सड़क हादसों में 6 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में दो महिलाएं और दो बच्चियां भी शामिल हैं। पहला हादसा राजनांदगांव में हुआ है। यहां तेज रफ्तार कार ने नेशनल हाईवे-53 पर बाइक सवारों को टक्कर मार दी। इसमें 5 साल की बच्ची सहित मां-बेटे की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक कार छोड़कर भाग निकला। उसकी पहचान हो गई है। वहीं महासमुंद में कार की टक्कर से बाइक सवार भाई-बहन की मौत हो गई। जबकि एक बाइक सवार ट्रक से टकरा गया। राजनांदगांव के ग्राम दीवानटोला निवासी शिवनंदन मरकाम (35) की 5 साल की बेटी तृप्ति को कई दिन से बुखार था।

सीएम के दौरे से पहले आईईडी ब्लास्ट

कांकेर में बीएसएफ का 1 जवान घायल, बीमार साथी को अस्पताल ले जाने निकली थी पुलिस पार्टी

कांकेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कांकेर जिले में सीएम भूपेश बघेल के दौरे से पहले माओवादियों ने आईईडी ब्लास्ट किया। इस ब्लास्ट की चपेट में आने से बीएसएफ का एक जवान घायल हो गया। घायल जवान के सिर के साथ शरीर में कई जगह गंभीर चोट आई है। बताया जा रहा है कि इस घटना के बाद इलाके में सर्चिंग बढ़ा दी गई है। जवानों ने मौके से 2 जिंदा आईईडी भी बरामद किया है। मामला जिले के कोयलीबेड़ा थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, कोयलीबेड़ा इलाके में ही स्थित बीएसएफ 30 बीएम कैंप का एक जवान बीमार था। जिसे अस्पताल ले जाने के लिए कैंप से जवान निकले थे। जब जवान आगे बढ़े तो उनमें से एक जवान धर्मेंद्र कुमार का पैर प्रेशर आईईडी की चपेट में आ गया। जिससे जोर का धमाका हुआ। धमाका इतना जबरदस्त था कि जवान उछल कर दूर जा गिरा।

इस घटना के बाद अन्य जवानों ने मोर्चा संभाला। इलाके की सर्चिंग बढ़ाई गई। घायल और

बीमार दोनों जवानों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां उनका इलाज जारी है।

दरअसल, मुख्यमंत्री भूपेश बघेल आज एक दिवसीय बस्तर दौरे पर हैं। वे अभी जगदलपुर में मुरिया दरबार समेत अन्य कार्यक्रमों में शामिल होने पहुंचे हैं। जिसके बाद यहां से कुछ देर में वे कांकेर के लिए निकलेंगे कांकेर में भी विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। इधर सीएम विजिट से पहले माओवादियों की हलचल कांकेर में शुरू हो गई है। फिलहाल जिले के अंदरूनी इलाकों में पुलिस ने सर्चिंग बढ़ा दी है।

झारखंड में हिंदू महिला से अफेयर की वजह से मुस्लिम शख्स की हत्या, इलाके में तनाव

रामगढ़, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। रामगढ़ जिले के रजरप्पा से सटे बेरमो अनुमंडल अंतर्गत महुआटांड़ थाना क्षेत्र के धवैया पंचायत के धवैया गांव में स्थानीय दूसरे समुदाय के ग्रामीणों द्वारा पिटाई से इमरान अंसारी (45 वर्ष) की गुरुवार देर रात मौत हो गयी। मृतक मनरेगा योजनाओं के लिए वेंडर का काम करता था। इसके वह अलावा सदर भी था। मृतक की पत्नी वार्ड सदस्य है। वहीं घटना के बाद इलाके में तनाव को लेकर बेरमो पुलिस-प्रशासन ने मोर्चा ने संभाल रखा है। बेरमो एसडीपीओ सतीश चंद झा रात से ही डटे हुए हैं। गोमिया के पूर्व विधायक योगेंद्र प्रसाद भी पहुंचे। गुरुवार की देर शाम दुर्गापूजा प्रतिमा विसर्जन का जुलूस निकला हुआ था। इसी समय दूसरी ओर स्थानीय कुछ ग्रामीणों ने इमरान की पिटाई कर दी। सूचना पाकर तुरंत पुलिस पहुंची और इमरान को सदर अस्पताल रामगढ़ ले जाया गया। लेकिन यहां से उसे रिम्स रांची रेफर कर दिया गया। लेकिन देर रात यहां पहुंचते ही मृत घोषित कर दिया गया। घटना को लेकर 11 ग्रामीणों को पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। मृतक के परिजनों की शिकायत पर कुल 21 ग्रामीणों पर नामजद प्राथमिकी दर्ज की गयी है।

घटना के बाद इलाके में दो समुदायों के बीच विवाद-तनाव की स्थिति के बीच सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने से शांति भंग होने की स्थिति से निबटने के मद्देनजर, इसे लेकर बेरमो एसडीपीओ अनन्त कुमार ने पूरे धवैया क्षेत्र में शुक्रवार सुबह 5 बजे से लेकर आगामी 10 अक्टूबर की मध्य रात्रि तक धारा 144 लगा दी है। इस दौरान 5 से अधिक व्यक्तियों के एक जगह जुटने, लाठी व तीर-धनुष सहित किसी भी तरह का हथियार लेकर घूमने तथा धार्मिक सहित सभी तरह का जुलूस, रैली, सभा व धरना प्रदर्शन पर पाबंदी रहेगी। बेरमो एसडीओ व एसडीपीओ, बोकारो जिला मुख्यालय से एसडीपीओ सुनील कुमार, गोमिया इंस्पेक्टर आशीष खाखा, बोकारो थर्मल थाना प्रभारी शैलेश कुमार, पेटरवार थाना प्रभारी विनय कुमार, महुआटांड़ थाना प्रभारी यमुना गुप्ता, आईईएल थाना प्रभारी अभिषेक, चतरोचट्टी थाना प्रभारी नीरज कुमार व जागेश्वर बिहार थाना प्रभारी संदीप कृष्णा जवानों के अलावा रैप के जवानों संग मौजूद हैं।

'अशोक गहलोत की नीतियों से अभिभूत हूं' - गौतम अडानी

गौतम भाई को दुनिया के दूसरे नंबर का अमीर बनने की बधाई

- अशोक गहलोत, मुख्यमंत्री राजस्थान

राजस्थान में 60 हजार करोड़ का निवेश करेंगे अडाणीःउदयपुर में क्रिकेट स्टेडियम भी बनाएंगे; गहलोत का वेदांता के चेयरमैन को चिप इंडस्ट्री के लिए न्योता

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में इंडस्ट्री और रोजगार को बढ़ावा देने के लिए 'इन्वेस्ट राजस्थान समिट' शुरू हो गई है। इस समिट में दुनिया के करीब 3 हजार से ज्यादा उद्योगपति-बिजनेसमैन शामिल हो रहे हैं। दो दिन तक आयोजित होने वाले इस मेगा बिजनेस इवेंट में शामिल होने के लिए अडाणी ग्रुप के गौतम अडाणी, वेदांता ग्रुप के अनिल अग्रवाल भी पहुंचे।

समिट उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि- हमारे राजस्थान में अकाल सूखे पड़ते थे, अब हमारे उद्योगपति छाए हुए हैं। उन्होंने वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल को राजस्थान में सेमीकंडक्टर चिप की इंडस्ट्री लगाने के लिए भी निमंत्रित किया।

सीएम ने कहा- गौतम भाई को

बोले- राजस्थान में 35 हजार करोड़ का निवेश करेंगे

दुनिया के दूसरे नंबर का अमीर बनने की बधाई। समिट में गौतम अडाणी ने राजस्थान में 60 हजार करोड़ के इंवेस्टमेंट का ऐलान किया। इससे पहले समिट में टाटा पावर ने राजस्थान में बड़े निवेश की घोषणा की। कंपनी के सीईओ प्रवीर सिन्हा ने कि राजस्थान में आने कुछ सालों में दस हजार पब्लिक इलेक्ट्रिक व्हीकल चार्जिंग स्टेशन लगाए जाएंगे। उन्होंने कि प्रदेश के सभी हाईवे पर इस तरह के स्टेशन देखने को मिलेंगे। सिन्हा ने कहा कि टाटा पावर ने राजस्थान में 5000 मेगावॉट के लिए निवेश किया है। वेदांता रिसोर्सेज लिमिटेड के चेयरमैन अनिल अग्रवाल ने इन्वेस्टर समिट के कहा कि राजस्थान की चर्चा कनाडा में भी है। कनाडा में केवल छह महीने ही माइंस में काम हो सकता है क्योंकि बर्फबारी की वजह से छह महीने खानें बंद करनी होती हैं। वहीं, राजस्थान में हर समय माइंस चालू रहती हैं इसलिए यहां ज्यादा संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि यहां तेल-गैस भरा हुआ है।

वहीं, गौतम अडाणी ने कहा कि हमने राजस्थान में 35 हजार करोड़ का निवेश किया है। उन्होंने कहा कि यहां हमारा 10 हजार मेगावॉट का सोलर पार्क शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि जयपुर एयरपोर्ट पर वर्ल्ड क्लास सुविधाओं को विकसित किया जाएगा। ग्रीन हाइड्रोजन जनरेट करने की दिशा में अडाणी समूह राजस्थान के थार डेजर्ट में काम करेगा। अडाणी ने उदयपुर में क्रिकेट स्टेडियम और दो मेडिकल कॉलेज बनाने की भी घोषणा की।

एक लाख करोड़ की चिप इंडस्ट्री के लिए झगड़ा- मुख्यमंत्री

इन्वेस्ट राजस्थान समिट में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि वेदांता के अनिल अग्रवाल से कहा कि- आपको राजस्थान की हमेशा चिंता रहती है। सेमीकंडक्टर की एक लाख करोड़ की इंडस्ट्री के लिए महाराष्ट्र और गुजरात का झगड़ा है तो आप सेमीकंडक्टर चिप की इंडस्ट्री राजस्थान में लगाइए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में मोदीजी ने खूब वाइब्रेंट समिट किए थे, लेकिन वहां भी 15 से 20 फीसदी ही एमओयू का निवेश ही धरातल पर उतर पाता है। उन्होंने कहा कि राजस्थान से निकले उद्योगपति घराने देश में छाए हुए हैं। सीतापुरा के जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व उद्योग मंत्री शकुंतला रावत ने इस समिट की शुरुआत की। सरकार का दावा है कि इन्वेस्टमेंट प्रपोजल और एमओयू धरातल पर उतरेंगे, तो प्रदेश में 11 लाख से ज्यादा लोगों को रोजगार मिलेगा। समिट से पहले ही इन्वेस्टर आउटरीच प्रोग्राम के तहत 10.44 लाख करोड़ के इन्वेस्टमेंट प्रपोजल साइन हो चुके हैं।

समिट में 12 देशों से प्रवासी राजस्थानी कॉन्क्लेव में व्यक्तिगत रूप से हिस्सा लेने आए हैं। समिट को आज कई उद्योगपति संबोधित करेंगे। समिट में 39 देशों से प्रवासी राजस्थानी ऑनलाइन जुड़ेंगे।

वसुंधरा राजे के बीकानेर दौरे को केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के बेटे ने बताया निजी

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बीकानेर दौरे को केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघववाल के बेटे रवि शेखर ने निजी दौरा बताकर गुटबाजी को हवा दे दी है। रवि शेखन ने फेसबुक पर पोस्ट किया है। जिसमें लिखा है- मित्रो नमस्कार 9 अक्टूबर को बीकानेर जिले में पूर्व मुख्यमंत्री दो दिवसीय दौरे पर आ रही है। यह उनका निजी दौरा है। अभी संगठन की तरफ से कोई प्रोग्राम नहीं आया है। धन्यवाद।

उल्लेखनीय है कि वसुंधरा राजे 9 और 10 अक्टूबर को बीकानेर पर रहेंगी। बीकानेर में राजे एक जन संवाद सभा को भी संबोधित करेंगे। पूर्व सीएम के दौरे से पहले भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत और पूर्व मंत्री यूनुस खान ने बीकानेर का दौरा कर तैयारियों का जायजा लिया है।

दरअसल, पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के बीकानेर दौरे की कमान देवीसिंह भाटी संभाल रहे हैं। बीकानेर की राजनीति में पूर्व मंत्री देवीसिंह भाटी और केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल की अदावत छिपी नहीं है। देवी सिंह भाटी ने लोकसभा चुनाव में खुलकर केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल का विरोध कर बीजेपी से अलग हो गए थे। ऐसे में वसुंधरा राजे के दौरे से पहले भाटी की घर वापसी और दौरे की कमान भाटी के हाथों में होने से स्थानीय संगठन पूरी तरह से नाराज बताया जा रहा है। पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी ने राजे की यात्रा को लेकर पार्टी के कार्यकर्ताओं से संपर्क किया था, लेकिन पार्टी के जिला नेतृत्व व संगठन ने राजे के इस दौरे से दूरी बना रखी है। केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल के बेटे रवि शेखर ने तो बकायदा सोशल मीडिया पर पूर्व सीएम के दौरे को निजी दौरा करार दिया है।

बीकानेर जिले में बीजेपी के तीन विधायक हैं। जिसमें बीकानेर पूर्व से सिद्धि कुमारी, नोखा से बिहारीलाल बिश्नोई और लूणकरणसर से सुमित गोदारा हैं। वसुंधरा की करीबी सिद्धि कुमारी से पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत और यूनुस खान मुलाकात कर चुके हैं। विधायक बिहारीलाल बिश्नोई भी वसुंधरा कैंप से आते हैं और पूर्व मंत्री देवी सिंह भाटी से उनके नजदीकी संबंध हैं। इधर, सिद्धि कुमारी, राजे के दौरे को लेकर अपने स्तर पर कार्यकर्ताओं से चर्चा कर चुकी हैं तो विधायक बिहारीलाल बिश्नोई भी मुकाम में राजे के दौरे की तैयारियों में जुटे हैं। लूणकनसर से विधायक सुमित गोदारा की करें तो गोदरा केंद्रीय मंत्री अर्जुन मेघवाल के करीबी माने जाते हैं और फिलहाल राजे के दौरे से दूरी बनाए हुए हैं।

केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने खोया आपा

अभद्र भाषा का इस्तेमाल, वीडियो वायरल

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान से आने वाले केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी द्वारा पुलिस के प्रति अभद्र भाषा का इस्तेमाल करने का मामला सामने आया है। केंद्रीय मंत्री एसपी से अपने मोबाइल से बात कर रहे हैं और डिप्टी एसपी के लिए अशोभनीय शब्दों को इस्तेमाल कर रहे हैं। इस दौरान मंत्री ने कई बार अपना आपा खोया और अपशब्द कहे. अब यह वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। दोनों की बातचीत का वीडियो वायरल हुआ है। मामला बाड़मेर जिले के बालोतरा में सोमवार रात बजरी ठेकेदार के गुंडों ने आसोतरा गांव की सरहद में बाइक सवार युवक से मारपीट कर कैंपर से रौंदने से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर हुए वायरल वीडियो की सत्यता की लाइव हिंदुस्तान पुष्टि नहीं करता है।

धरने पर बैठे थे कैलाश चौधरी

दरअसल, घटना से आक्रोशित लोगों के साथ मंगलवार को केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी भी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर धरने पर बैठ गए थे। इस दौरान उनका एक वीडियो वायरल हुआ है। जिसमे वे हत्याकांड की भर्त्सना करते हुए बालोतरा के सीओ को लेकर एसपी से बात करते हुए दिखाई दे रहे हैं। कैलाश चौधरी बातचीत के दौरान एसपी से कर रहे हैं कि डिप्टी ही इस घटना का मुख्य सूत्रधार है। डिप्टी ने ही पूरी साजिश रची है और उसे सस्पेंड कर गिरफ्तार किया जाए। वह खुद गुंडों के साथ रहता है। उसे कई बार समझाया कि वह पुलिस अधिकारी है। इन जैसों के साथ नहीं रहे तो कहता है कि मुझे ऊपर से आदेश है। पता नहीं उसे ऊपर कौन से आदेश दे रहा है। वह यह कहते नजर आ रहे हैं कि पूरे इलाके में बदमाश पिस्टल लेकर घूम रहे हैं। मेरे कई बार कहने के बावजूद आप इस पर नियंत्रण नहीं कर पा रहे हैं।

आपको बता दें सोमवार को नाथू खान पुत्र अकबर खान निवासी असाड़ा अपने ससुराल आसोतरा से अपने घर असाड़ा आ रहा था। ब्रह्मधाम जाने वाले रास्ते पर जैसे ही रोड के पास कि भाखरी के पास पहुंचा तो तीन कैंपर गाड़ियों में सवार होकर आए 20-25 लोगों ने एक कैंपर को नाथू खां की बाइक के आड़े लगाकर जाने से मारने की नीयत से हमला कर दिया। दबंगों ने उसके ऊपर से गाड़ी निकाल दी। उसकी जोधपुर में उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

किसानों के लिए आफत बनकर बरसी बारिश

खेतों में पानी भरने से सोयाबीन और उड़द की फसल खराब

बारां, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। बारां जिले में पिछले दो दिन से बारिश का दौर जारी है। बारिश की वजह से लोगों को गर्मी से राहत मिली है। वहीं बेमौसम बारिश होने की वजह से किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कई जगह पर बारिश की वजह से किसानों की फसल भीग गई है।

जिलेभर में खेतों में सोयाबीन और उड़द की फसल तैयार खड़ी है। तो कई जगहों पर कटाई और थ्रेसिंग का काम किया जा रहा है। बेमौसम बारिश से फसल कटाई और थ्रेसिंग का काम धीमा पड़ गया है। दो दिन में हुई बारिश से खेतों में तैयार पककर खड़ी और कटी हुई फसलें भीग गई। कृषि विभाग के अनुसार जिले में अभी करीब 50 प्रतिशत से अधिक सोयाबीन की कटाई हो चुकी है और उड़द की कटाई करीब पूरी हो चुकी है। जबकि कई जगह फसल पककर खड़ी है, कहीं कटकर खेतों में रखी हुई है। पिछले दिनों हुई बारिश से जिले के बारां, किशनगंज, शाहाबाद, छबड़ा, छीपाबड़ौद आदि जगहों पर खेतों में कटकर पड़ी हुई सोयाबीन की फसलों में नुकसान हुआ है। बारां उपनिदेशक, कृषि विभाग अतिश कुमार शर्मा ने बताया कि विभाग की ओर से सभी कृषि अधिकारियों से फसलों को हुए नुकसान की रिपोर्ट ली जा रही है।

मां के साथ बेटा भी निकला पिता का हत्यारा

मेड़ता, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेड़ता के कुरड़ाया गांव के नेमाराम हत्याकांड मामले में नया खुलासा हुआ है। मेड़ता सिटी पुलिस ने पति की हत्या के आरोप में पत्नी के बाद गुरुवार शाम को नेमाराम के बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया है। प्रॉपर्टी हड़पने व 50 लाख के क्लेम के लिए मां के साथ मिलकर बेटे ने पिता की हत्या कर दी। बता दें कि कुरड़ाया गांव निवासी नेमाराम के बड़े भाई भाकरराम माकड़ ने आरोप लगाया कि 4 अक्टूबर को नेमाराम (57) की पत्नी ने गला दबाकर उसकी हत्या कर दी थी। जिसके बाद पुलिस ने पत्नी शारदा (47) को गिरफ्तार कर मामले में पूछताछ की तो बेटे का भी नाम सामने आया। ऐसे में अब पुलिस ने पिता की हत्या के सह आरोपी बेटे रविंद्र (25) पुत्र नेमाराम जाट को भी गिरफ्तार कर लिया है।

25 लोगों से भरी पिकअप पलटी, 2 बच्चों की मौत

रामदेवरा जा रहे थे श्रद्धालु, अचानक टायर फटने से हुआ हादसा

जोधपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। पिकअप का टायर फटने से हुए हादसे में 2 बच्चों की मौत हो गई। जबकि 25 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। पिकअप सवार सभी यात्री रामदेवरा जा रहे थे। घायलों को जोधपुर भी रेफर किया गया है। मामला लोहावट थाना क्षेत्र के रुपाणा जैताणा गांव का है। जानकारी के अनुसार लोहावट विधानसभा क्षेत्र के रुपाणा जैताणा गांव से दो तीन परिवार बाबा रामदेव के दर्शन के लिए एक पिकअप में रवाना हुए। यह परिवार आपस में रिश्तेदार ही हैं। दोपहर 2 बजे फलोदी से करीब 25 किमी दूर खारा के पास पिकअप का एक टायर फट गया, जिससे गाड़ी पलट गई। जिससे उसमें सवार सभी श्रद्धालु घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई। आसपास के लोग तुरंत ही वहां पहुंचे और घायलों को फलोदी के अस्पताल पहुंचाया, लेकिन दो बच्चों ने बीच रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

8 बच्चों को जोधपुर रेफर किया

हादसे में 3 महिलाएं, तीन व्यक्तियों के अलावा 19 बच्चे शामिल थे जिनमें दो बच्चों की मौत हो गई। घायलों में शामिल 8 बच्चों की स्थिति गंभीर होने पर उसे प्राथमिक इलाज के बाद जोधपुर रेफर किया गया है। हादसे की सूचना मिलने के कारण घायलों के अस्पताल पहुंचने से पूर्व ही अस्पताल प्रशासन ने तैयारी कर ली थी इसलिए घायलों के अस्पताल लाते ही उनका इलाज शुरू कर दिया गया।

गांव में मची अफरा तफरी

हादसे के बाद सूचना मिलते ही श्रद्धालुओं के गांव में अफरा तफरी मच गए। श्रद्धालुओं के रिश्तेदार फलोदी के लिए रवाना हो गए। इधर, शहर से भी कई लोग अस्पताल पहुंचे। घायलों में बच्चों की संख्या अधिक होने से अस्पताल में भी चीख पुकार मची रही। एक एक कर यहां से आठ बच्चों को रेफर किया गया है।

अंततः अशोक गहलोत का चल गया जादू

गहलोत समर्थक मंत्रियों पर सोनिया गांधी का नरम रुख

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में मुख्यमंत्री बदलने की चर्चा के बीच बगावत करने वाले दो मंत्रियो पर नोटिस की तीर फुस्स होते दिखाई दे रहे हैं। चर्चा है कि गहलोत समर्थक मंत्रियों पर कांग्रेस आलाकमान ने नरम रुख अपना लिया है। अब माफी की बात होने लगी है। दूसरी तरफ सचिन पायलट कैंप ने मौन व्रत धारण कर लिया है। पायलट कैंप की तरफ से बयानबाजी बंद है। चर्चा है कि कांग्रेस आलाकमान सीएम गहलोत को चेंज करना नहीं चाहता है। हालांकि, सीएम गहलोत कह चुके हैं कि सोनिया गांधी के निर्देश पर वह सीएम पद छोड़ देंगे। कांग्रेस अध्यक्ष के चुनाव के बाद राजस्थान के सियासी संकट की तस्वीर पूरी तरह से साफ होने के आसार है। पायलट समर्थकों का दावा कि सचिन पायलट को राजस्थान की कमान मिलने जा रही है। जबकि सीएम गहलोत के बदले हावभाव संकेत दे रहे हैं कि राजस्थान में कोई बदलाव नहीं होने जा रहा है।

गहलोत समर्थकों पर नरमी के संकेत

कांग्रेस आलाकमान सीएम अशोक गहलोत समर्थकों को माफी दे सकता है। संकेत यही मिल रहे हैं। हालांकि, अभी निर्णय होना शेष है। कांग्रेस आलाकमान ने 25 सितंबर को मंत्री शांति धारीवाल और महेश जोशी को नोटिस दिया था। यूडीएच मंत्री शांति धारीवाल ने नोटिस का जवाब दे दिया है, जबकि महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ के नोटिस का जवाब अब देने की तैयारी कर रहे हैं। अधिकृत बैठक से अलग विधायकों की बैठक बुलाने पर कांग्रेस आलाकमान ने अनुशासनात्कमक नोटिस दिया था। 27 सितंबर को कांग्रेस अनुशासन समिति ने इन विधायकों को 10 दिन के अंदर नोटिस का जवाब देने को कहा था, लेकिन हैरानी करने वाली बात यह है कि मुख्य सचेतक महेश जोशी को ईमेल के जरिए 6 अक्टूबर को नोटिस मिला है। इन तीनों नेताओं को 10 दिन के भीतर जवाब देने को कहा था। यह समय सीमा समाप्त हो रही है।

महेश जोशी और राठौड़ ने नहीं दिया जवाब

गहलोत समर्थक मंत्री शांति धारीवाल तो जवाब भेज चुके हैं,लेकिन महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ ने जवाब नहीं भेजा है। मुख्य सचेतक महेश जोशी ने कहा कि उन्हें 6 अक्टूबर को कांग्रेस आलाकमान का कारण बताओ नोटिस मिला है। इस हिसाब से वह 10 दिन के भीतर नोटिस का जवाब अनुशासन समिति को दे देंगे। राजनीतिक विश्लेषकों का कहना है कि कांग्रेस आलाकमान गहलोत समर्थकों पर सख्ती करने के पक्ष में नहीं है। वजह यह है कि सीएम गहलोत ने सोनिया गांधी से स्पष्ट कह दिया है कि सख्ती करने पर सरकार गिर सकती है।

पार्षद रिश्वत लेते रंगे हाथ पकडा गया

30 हजार की राशि लेते आरोपी के भाई को भी दबोचा, बिल पास करवाने के लिए मांगे रुपए

अजमेर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अजमेर एसीबी ने शुक्रवार को कार्रवाई करते हुए बिजयनगर के पार्षद एवं उसके सहयोगी भाई को 30 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी पार्षद द्वारा ठेकेदार की फर्म द्वारा करवाए गए निर्माण कार्यों के करीब 14 लाख 48 हजार रुपए के बिलों को पास करवाने की एवज में रिश्वत मांग कर परेशान किया जा रहा था। जिसके बाद एसीबी ने पीड़ित की शिकायत पर कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी द्वारा आरोपी पार्षद व उसके भाई के आवास व अन्य ठिकानों पर तलाशी की जा रही है।

अजमेर एसीबी के उपमहानिरीक्षक समीर कुमार सिंह ने बताया कि एसीबी अजमेर इकाई को परिवादी द्वारा शिकायत दी गई कि उसकी फर्म द्वारा करवाए गए निर्माण कार्यों के करीब 14 लाख 48 हजार के बिलों को पास करवाने की एवज में बिजयनगर नगर पालिका वार्ड नंबर 6 के पार्षद महेश जैन द्वारा 75 हजार की राशि मांग कर परेशान किया जा रहा है। परिवादी से मिली शिकायत पर सत्यापन किया गया और टीम ने शुक्रवार को टट्रैप की कार्रवाई करते हुए देवनारायण मंदिर के पास बिजयनगर निवासी, आरोपी पार्षद महेश जैन पुत्र रमेश जैन सहित उसके भाई लोकेश जैन को 30 हजार की रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी ने मामले में भ्रष्टाचार निर्माण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया है। एसीबी द्वारा आरोपी पार्षद के आवास व अन्य ठिकानों पर भी तलाशी ली जा रही है।

साइड मांगने पर युवक की पीट-पीटकर हत्या

विवाद होने पर बदमाशों ने पीछा किया और थप्पड़ मारा, कमरे में डंडों से पीट कर हत्या

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। साइड की बात को लेकर 6 युवकों ने एक युवक की डंडों से पीट-पीटकर हत्या कर दी। हमले में युवक का एक साथी गंभीर घायल हो गया। लोगों ने उसे हॉस्पिटल में भर्ती कराया। मामला रोड रेज से जुड़ा हुआ है। घटना जयपुर के शिप्रापथ थाना इलाके के जगन्नाथपुरी में बुधवार रात की है।

डीसीपी साउथ योगेश गोयल ने बताया कि देवपुरा (बूंदी) के रहने वाले विकास बंजारा उर्फ वकील (23) की हत्या की गई है। विकास जयपुर के एक निजी अस्पताल में लैब टेक्नीशियन था। विकास अपने दोस्त रामकरण (22) के साथ बुधवार रात को वीटी रोड पर दशहरा मेला देखने गया था।

मेला देखकर रात को दोनों बाइक पर घर त्रिवेणी नगर की तरफ लौट रहे थे। घर के पास रास्ते में खड़े डालचंद उर्फ टोनू उर्फ शिवम वर्मा (23) को साइड देने को कहा तो विवाद हो गया।

मानसरोवर एसीपी हरिशंकर ने बताया कि विवाद के बाद टोनू व उसके साथी पीछे आए। विकास ने एक युवक को थप्पड़ मार दिया। फिर रात सवा 12 बजे 10 युवक विकास के जगन्नाथपुरी में कमरे पर आए डंडों से पीट-पीटकर उसकी हत्या कर दी।

होटल में परिचित ने किया युवती से रेप

मिलने के बहाने ले जाकर पिलाई नशीली कोल्डड्रिंक, बेहोशी की हालत में किया दुष्कर्म

जयपुर, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के एक होटल में परिचित के युवती से रेप का मामला सामने आया है। नशीली कोल्डड्रिंक पिलाकर बेहोशी की हालत में युवती से दुष्कर्म किया गया। किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी भी दी गई। कानोता थाने में पीड़िता ने आरोपी परिचित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस ने बताया कि आगरा रोड कानोता निवासी 28 साल की युवती ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। आरोपी शिवचरण गुर्जर कानोता के जामडोली का रहने वाला है। पुराना परिचय होने के कारण उससे बातचीत और मिलना-जुलना था। आरोप है कि 2 अक्टूबर की दोपहर आरोपी शिवचरण उसे मिला। बातचीत के दौरान आगरा रोड स्थित होटल में ले गया। होटल के कमरे में ले जाकर उसे बैठने को कहकर चला गया।

कुछ देर बाद वापस कोल्डड्रिंक लेकर आया। उसे कोल्डड्रिंक पीने को दी। कोल्डड्रिंक में नशा मिला होने के कारण बेहोशी छाने लगी। बेहोशी की हालत में आरोपी शिवचरण ने उसके साथ दुष्कर्म किया। होश में आने पर गलत काम करने की कहकर विरोध किया। इस पर आरोपी ने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी। डरी-सहमी पीड़िता को देखकर परिजनों के दबाव डालकर पूछने पर आपबीती सुनाई। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया।

टीआरएस सरकार की योजनाओं की नकल कर रहा है केंद्र : हरीश राव

सिद्दीपेट, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने में विफल रहने के लिए केंद्र में भाजपा सरकार पर हमला करते हुए, वित्त मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने आठ साल के कार्यकाल के दौरान कुछ भी हासिल नहीं किया, सिवाय उनके टीआरएस सरकार की योजनाओं की नकल कर रहे हैं।

शुक्रवार को जिले के दुब्बाका में नवगठित दौलताबाद और थोगुटा बाजार समितियों के शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने के बाद एक कार्यक्रम में बोलते हुए, मंत्री हरीश राव ने कहा कि केंद्र जनता की जरूरतों और आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहा है और इसके अलावा घरेलू सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ाए। हरीश राव ने आरोप लगाया कि तेलंगाना को भुगतान किए जाने वाले लगभग 12,000 करोड़ रुपये केंद्र के पास कुछ समय से लंबित है और केंद्र सरकार तेलंगाना राज्य की प्रगति में बाधा उत्पन्न करने की कोशिश कर रही है।

हरीश राव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के बावजूद, तेलंगाना राज्य सभी मोर्चों पर प्रगति कर रहा है और यह देश के अन्य राज्यों के लिए एक आदर्श बन गया है। मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार तेलंगाना सरकार की योजनाओं की नकल कर रही है और इसे अन्य नामों से लागू कर रही है।

उन्होंने कहा कि मिशन भगीरथ को 'हर घर को जल' और मिशन काकतीय को 'अमृत सरोवर' के रूप में कॉपी किया गया था। पीएम किसान योजना के नाम पर रैतु बंधु को लागू किया जा रहा है।

तेलंगाना में भाजपा सरकार न लाने तक चैन से नहीं बैठूंगा : बंडी

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय कुमार ने आज कहा कि जब तक वह अपनी पार्टी को सत्ता में नहीं लाते तब तक वह चैन से नहीं बैठेंगे। एबीवीपी के पूर्व अध्यक्ष गुज्जुला नरसैय्या की स्मृति सभा में एक सभा को संबोधित करते हुए संजय ने याद किया कि नरसैया का सपना राज्य में भाजपा का शासन देखना था। यह बताते हुए कि वह नरसा का छात्र था, उसने कहा कि वह अपने शिक्षक के सपने को पूरा करने के लिए कड़ी मेहनत करेगा। नरसैया के अधिकांश नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षक के रूप में काम करने का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने नक्सलियों के डर के बिना आरएसएस की शिक्षाओं का प्रचार-प्रसार किया। उन्होंने कहा कि नरसैया ने समाज सेवा के अलावा उनके जैसे कई नेता पैदा किए। उन्होंने कहा कि उन्हें वारंगल में एक बैठक में नरसैया का आशीर्वाद लेने का अवसर मिला। यह कहते हुए कि उन्होंने दीन दयाल उपाध्याय और यशवंत राव जैसे नेताओं को नहीं देखा, उन्होंने कहा कि वह नरसैया के चेहरे पर उनकी छवि देखेंगे।

जनसेवा संघ की छठ पूजा समिति ने की बैठक

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जन सेवा संघ के उत्सव कमेटी के अध्यक्ष आरपी सिंह की अध्यक्षता में छठ पूजा समिति रानीगंज की बैठक क्लासिक गार्डन बालमराई में संपन्न हुई। सूर्योपासना का महापर्व छठ पूजा का आयोजन नेकलेस रोड स्थित संजीवया पार्क के पास जन सेवा संघ के द्वारा किया जा रहा है। क्षेत्रीय कमेटी के अध्यक्ष एसपी सिंह ने बताया 28 अक्टूबर शुक्रवार को नहाए खाए, 29 अक्टूबर शनिवार खरना प्रसाद, 30 अक्टूबर रविवार को अस्ताचलगामी सूर्य का प्रथम अर्घ्य और 31 अक्टूबर द्वितीय अर्घ्य दी जाएगी। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनसेवा संघ द्वारा नेकलेस रोड स्थित छठ घाट पर भव्य आयोजन किया जा रहा है।

बिहार, उत्तर प्रदेश, बंगाल, झारखंड, इत्यादि प्रदेशों से इस घाट पर भारी संख्या में श्रद्धालु आते हैं, जिनके लिए संस्था के माध्यम से और सरकार के सहयोग से व्यवस्था की जाती है। तेलंगाना सरकार के मुख्य सचिव सोमेश कुमार और प्रिंसिपल सेक्रेट्री अरविंद कुमार से मिलकर संघ अध्यक्ष एलएम चौधरी, आरपी सिंह एवं सीताराम ठाकुर ने प्रशासनिक व्यवस्था, सफाई, लाइट, ट्रैफिक इत्यादि कार्यों के लिए निवेदन दिया। फलस्वरूप सरकार के तरफ से भरपूर सहयोग का आश्वासन मिला है। उपाध्यक्ष नारायण ओझा ने बहुत सारे नए सदस्यों को जुड़ने का आह्वान किया और प्रसाद की भरपूर व्यवस्था करने का आश्वासन दिया।

राजू ओझा, दीपक सिंह, संजय सिंह, मनीष गुप्ता, बबलू ओझा का ग्रुप प्रसाद का तैयारी का प्रभार लिया। घाट पर उपस्थित भक्तों का सहयोग देने के लिए सुनील ओझा, वकील पांडे, मनोज मिश्रा, सुमित ओझा, अमित ओझा, राजेश यादव, छोटू , सुनील ओझा, राहुल यादव, मिंटू ओझा आदि लोगो ने सहयोग देने का वादा किया।

एसआरएसपी नहर में दुर्गा की मूर्ति से बंधा मिला पुजारी का शव

जगतियाल, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पांच अक्टूबर को एसआरएसपी नहर में बह गए पुजारी बिंगी प्रसाद (44) का शव शुक्रवार को चोपडांडी मंडल के रेपल्ले के पास मिला। हैरानी की बात यह है कि उनके हाथ में देवी दुर्गा की मूर्ति मिली है। ज्ञात हो कि मल्लियाल मंडल के ताटीपल्ली के मूल निवासी प्रसाद अन्य ग्रामीणों के साथ दुर्गा मूर्ति को विसर्जित करने के लिए एसआरएसपी नहर में गए और पीतल से बनी मूर्ति को साफ करने के लिए नहर में उतर गए। नहर की सीढ़ियों पर खड़े होकर मूर्ति की सफाई करते समय वह पानी में फिसल गया और बह गया। हालांकि कुछ युवक उसे बचाने के लिए नहर में कूद गए, लेकिन पानी का बहाव तेज होने के कारण प्रसाद बह गया।

ग्रामीणों ने मामले की सूचना पुलिस को दी, जिसने पुजारी की तलाश शुरू कर दी। चोपडांडी के विधायक सुनके रविशंकर ने सिंचाई अधिकारियों को तलाशी अभियान को आसान बनाने के लिए नहर में पानी छोड़ने को रोकने का निर्देश दिया।

शुक्रवार को बचाव दल को चोपडांडी मंडल के रेपल्ले के पास नहर में प्रसाद का शव मिला। पुजारी के हाथ में दुर्गा की मूर्ति पाकर रेस्क्यू टीम के सदस्य और स्थानीय लोग हैरान रह गए। प्रसाद के परिवार में पत्नी, बेटा और बेटी हैं।

आरटीसी बस की चपेट में आया युवक

खम्मम, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के तल्लाड़ा मंडल में शुक्रवार को टीएसआरटीसी की बस की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गयी। घटना मंडल के नरसिंहरावपेट गांव की है, जब गांव के मृतक गोपीशेट्टी वामशी (20) सड़क पार कर रहे थे। तेज रफ्तार बस ने युवक को टक्कर मार दी जिससे उसकी मौत हो गई।

एनएमडीसी में साइबर सुरक्षा जागरूकता पर व्याख्यान आयोजित

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय खनिक एनएमडीसी ने आज हैदराबाद में अपने प्रधान कार्यालय में साइबर सुरक्षा जागरूकता पर एक व्याख्यान आयोजित किया। कंपनी देश की साइबर सुरक्षा की समग्र मजबूती को बढ़ाने के लिए हर वर्ष अक्टूबर में सार्वजनिक और निजी कंपनियों द्वारा एक साथ मनाए जाने वाले राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता माह को मना रही है। एनएमडीसी के सीएमडी सुमित देब और निदेशक (वित्त) अमिताभ मुखर्जी ने एनएमडीसी में एक सुरक्षित साइबर बुनियादी ढांचे के निर्माण को प्रोत्साहित किया, जबकि ई एंड वाई के पार्टनर श्री कृष्ण शास्त्री पी, ने मुख्य भाषण दिया। कृष्ण शास्त्री पी ने साइबर अपराध की वैश्विक लागत पर आंकड़े प्रस्तुत किए और अगली पीढ़ी के साइबर हमलों की जानकारी दी। उन्होंने व्यक्तियों, संगठनों और राष्ट्रों में साइबर अनुशासन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। एनएमडीसी के अधिकारियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि एनएमडीसी अपने डिजिटल बुनियादी ढांचे का निर्माण कर रहा है, अतः आने वाले समय में साइबर सुरक्षा एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। कंपनी ने एक मजबूत सूचना सुरक्षा प्रबंधन और शासन प्रणाली स्थापित की है। एनएमडीसी कर्मचारियों को साइबर जागरूकता का प्रदर्शन करना चाहिए और कंपनी और देश के 'फायरवॉल' को मजबूत करना चाहिए। अमिताभ मुखर्जी ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि आज हम प्रौद्योगिकी के स्वामी हैं या प्रौद्योगिकी के गुलाम हैं, लेकिन तथ्य यह है कि समय प्रौद्योगिकी का ही है। सुमित देब ने आज के विचार-विमर्श की सराहना की।

कुमरभीम पुण्यतिथि कार्यक्रम के लिए समन्वय बना कर कार्य करें : वरुण रेड्डी

आसिफाबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एकीकृत आदिवासी विकास संगठन के परियोजना अधिकारी वरुण रेड्डी ने कहा कि आदिवासियों के माने जाने वाले देव कुमरम भीम की 82वीं जयंती के आयोजन के लिए संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय कर व्यापक स्तर पर व्यवस्था की जाए। जिला परिषद अध्यक्ष कोवा लक्ष्मी ने शुक्रवार को जिले के केरामेरी मंडल के जोडेघाट में कुमराम भीम की 82वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह समिति के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ हेलीपैड एवं दरबार व्यवस्था का निरीक्षण किया। इस अवसर पर बोलते हुए, एकीकृत आदिवासी विकास संगठन के परियोजना अधिकारी ने अधिकारियों को कुमराम भीम के पुण्यतिथि को मनाने के लिए मजबूत व्यवस्था करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्री कलवकुंतला तारक रामाराव के इस महीने की 9 तारीख रविवार को उनके निधन पर आने के मद्देनजर सभी इंतजाम पूरी तरह से किए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी के सहयोग से जयंती उत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा और जोडेघाट में स्थायी सभा के लिए जगह बनाने के लिए कदम उठाए गए हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाने के आदेश दिए कि समारोह में आने वाले लोगों को भोजन और पीने का पानी उपलब्ध कराने में कोई समस्या न हो. हट्टी से जोडेघाट के लिए आवश्यक बसें चलाने के लिए आर टी सी अधिकारियों को सुझाव दिया। एकीकृत आदिवासी विकास निगम द्वारा आदिवासियों को दी जाने वाली कल्याणकारी योजनाओं पर विभागों के माध्यम से स्टॉल लगाने की सलाह अधिकारियों को दी गयी। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की शिकायतें दर्ज करने के लिए विशेष काउंटर बनाए जाएंगे। दरबार में कोई अप्रिय घटना न हो और यातायात की समस्या उत्पन्न न हो इसके लिए पुलिस विभाग को कड़े इंतजाम करने के आदेश दिए गए। चूंकि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश के साथ-साथ छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों से बड़ी संख्या में लोगों के समारोह में भाग लेने की उम्मीद है। इसलिए किसी भी कठिनाई से बचने के लिए कदम उठाने की सलाह दी जाती है।इस बैठक में ए पीओ कनक भीमराव, उप निदेशक डॉ. दिलीप कुमार, ई.ई. राठौड़ भीमराव, डी. एस पी श्रीनिवास, ओएसडी कृष्णैया, अतिरिक्त चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी मनोहर, राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारी, महोत्सव समिति के अध्यक्ष मोहन राव और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

न्यू बोइनपल्ली बापूजी नगर में मुत्यालम्मा मंदिर में स्थापित नवरात्रि के दौरान भक्तों द्वारा पूजा की जाने वाली देवी दुर्गा की मूर्तियों को विसर्जन के लिए ले जाया गया। इस अवसर पर बतौर अतिथि पूजा-अर्चना करते हुए बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पन्ना प्रताप व समिति के सदस्य।

राजस्थानियों का डांडिया उत्सव धूमधाम से सम्पन्न

भैंसा, 5 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के राजस्थानी युवा मंच की ओर से आयोजित तीन दिवसीय डांडिया कार्यक्रम दुर्गा नवमी पर सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम निजामबाद मार्ग हरियाली मंगल कार्यालय में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रतिदिन 4 घंटे डांडिया, अल्पाहार, रात दुर्गाजी की आरती, सातही प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता महिलाए व बच्चो में रखी गई जिसमें बेस्ट ड्रेसिंग, डांडिया, गरबा रखा गया। जिसनके विजेता हरफनमौला कलाकार पूनम व्यास, ग्रेसफुल परफॉर्मर निकिता बाहेती, बेस्ट ड्रेस्ड अनु बजाज, बेस्ट गरबा श्वेता लड्डू, बेस्ट डांडिया निकिता बजाज, क्यूट ड्रेस्ड गर्ल रिधिमा लड्डा, प्यारा कपड़े पहने लड़का अद्विक बजाज, बेस्ट डांडिया गर्ल गौरी व्यास, बेस्ट गरबा गर्ल: सुप्रिया नावेंदर, बेस्ट ड्रेस्ड : श्लोका व्यास, बेस्ट डांडिया बॉय प्रकेत धनानीवाला, बेस्ट गरबा बॉय अगस्त्य व्यास, ऑल राउंड परफॉर्मर गर्ल पायल बहेती, प्रोत्साहन ज्योति झवर रहे। कार्यक्रम समापन पर पुरस्कार व सम्मान कार्यक्रम किया गया जिसका संचालन आरती व्यास ने किया।

आयुर्वेद दिवस पर बुजुर्गों में रोग निरोधी दवाएं वितरित

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आयुष मंत्रालय के निर्देशों के अनुसा 7वें आयुर्वेद दिवस-2022 के अवसर पर आज राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद में बुजुर्गों में अश्वगंधा जैसी रोगनिरोधी दवाओं के वितरण का आयोजन किया गया। संस्थान के प्रांगण में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. वी. श्रीदेवी, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने किया। डॉ. रमेश कुमार.के.एल. अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने आयुष मंत्रालय के कार्यक्रमों के बारे में बताया। हर दिन हर घर आयुर्वेद थीम के साथ आयुर्वेद दिवस-2022 के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में डॉ. साकेत राम अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) ने भाग लिया। श्रीनिवास राव, पुस्तकालयाध्यक्ष ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यक्रम में लगभग पचास बुजुर्गों ने भाग लिया और अश्वगंधा की गोलियां लीं। अतः संस्थान के डॉक्टरों ने आवश्यक दवाएं और सलाह दीं।

तेलंगाना सारस्वत परिषद में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी जसमत पटेल का सम्मान करते हुए जस्टिस डॉ.बी. मधुसूदन, विंगी नरेंद्र गौड़ व अन्य।

हिंदी लेखक संघ की साहित्यिक चर्चा और कवि गोष्ठी आज

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी लेखक संघ हैदराबाद की 574वीं मासिक साहित्य गोष्ठी का आयोजन शनिवार, 8 अक्तूबर को सायं 5 से नामपल्ली स्थित हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के सभागृह में संपन्न होगा। आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए कार्यक्रम के संयोजक व कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस साहित्यिक गोष्ठी में समीक्षिका श्रीमती सुधा ठाकुर कविता आज और कल विषय पर अपने विचार प्रस्तुत करेंगी। इस अवसर पर सामूहिक चर्चा भी होगी। कवि गोविंद अक्षय संचालन करेंगे। इस अवसर पर एक कवि गोष्ठी आयोजन भी संपन्न होगा, जिसमें नगरद्वय के कविगण अपनी समसामयिक कविताएँ, गीत, ग़ज़ल, हास्य व्यंग्य की कविताओं का पाठ करेंगे।

बजरंग सेना टीम तेलंगाना द्वारा महालक्ष्मी निलयम काचीगुड़ा में आयोजित दशहरा सम्मेलन में भाग लेते हुए एनआर लक्ष्मण राव, बजरसेना राज्य महिला सचिव रजनी, बजरंगसेना शहर सचिव सूर्य शुक्ला, अरुण सिंह, अनिरुद्ध अग्रवाल और अन्य।

वनस्थलीपुरम स्थित श्रीनिवासपुरम् निवास पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा में स्व.श्रीमती मोहनकंवर राजपुरोहित को श्रद्धा पुष्प अर्पित करते हुए हरिसिंह, शंकरसिंह ढोनड़ी-ढाणी, गजेन्द्रसिंह निम्बोल, सोहनसिंह राजपुरोहित, लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह निमाज, गुलाबसिंह, विजयसिंह, छोटुसिंह, मांगूसिंह, राजुसिंह, प्रेमसिंह, विकास, लोकेश राजपुरोहित व अन्य।

श्री श्याम मंदिर में शारदोत्सव कवि सम्मेलन कल

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय संस्था गीत चाँदनी के तत्वावधान में गीत चाँदनी की 40वीं वर्षगाँठ पर काचीगुड़ा रेलवे स्टेशन के पास स्थित श्री श्याम मंदिर सेवा समिति, वीरन्ना गुट्टा के सौजन्य से शारदोत्सव कवि सम्मेलन का आयोजन रविवार, 9 अक्तूबर को सायं 6 बजे से संपन्न होगा। शारदोत्सव कवि सम्मेलन में सुप्रसिद्ध समाज सेवी अमृत कुमार जैन, डॉ. प्रेमलता श्रीवास्तव, सुधा ठाकुर, सुप्रसिद्ध समाजसेवी गेना लाल, डॉ. मोहन गुप्ता आदि बतौर मुख्य अतिथि, विशेष अतिथि व विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। श्री श्याम मंदिर सेवा समिति के सचिव इंद्रकरण अग्रवाल, उपाध्यक्ष वेद प्रकाश अग्रवाल, उपाध्यक्ष मुसद्दिलाल अग्रवाल, संयुक्त सचिव सुरेश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नरेश कुमार डाकोतिया, सदस्यगण प्रह्लाद राय टीबरेवाल, रामदेव अग्रवाल, राजकुमार विग, मधुसूदन सोंथलिया, कृष्ण कुमार थोलिया, बड़े गाँववाले, चंद्रकांत डाकोतिया, बिश्वनाथ टिबरेवाल, कैलाशचंद्र अग्रवाल, अशोक कुमार डाकोतिया, जगदीश प्रसाद डाकोतिया आदि कार्यक्रम को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करेंगे। इस अवसर पर श्री श्याम मंदिर सेवा समिति की ओर से सभी अतिथियों और कवियों का सम्मान किया जाएगा।

शिवा साई फंक्शन हॉल में श्री राजस्थानी मित्र मंडल चकरीपुरम-नागारम द्वारा स्थापित माँ भवानी की प्रतिमा के विसर्जन कार्यक्रम में उपस्थित मित्र मंडल के सदस्यगण, समाज बन्धु।

भारत 6 साल में पहली बार पाकिस्तान से हारा

एशिया कप टी-20 में पाक ने 13 रन से हराया
निदा डार ने खेली 56 रन की पारी

सिलहट, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच शुक्रवार को हुए एशिया कप के मुकाबले में टीम इंडिया को 13 रन से हार का सामना करना पड़ा। ये टी-20 क्रिकेट में पिछले 6 साल में पाकिस्तान के खिलाफ भारत की पहली हार है। आखिरी बार 2016 में पाकिस्तान ने भारत को 2 रन से हराया था। एशिया कप के इतिहास में पाकिस्तान से भारतीय महिला टीम पहली बार हारी है।

मैच में पाक टीम की कप्तान बिस्माह मारूफ ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया था। उन्होंने 20 ओवर में 6 विकेट खोकर 137 रन बनाए थे। सबसे ज्यादा रन निदा डार के बल्ले से आए। उन्होंने 37 बॉल पर 56 रन की पारी खेली। वहीं, टीम इंडिया के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट दीप्ति शर्मा ने झटके। पूजा वस्त्राकर ने 2 विकेट लिए।

पाकिस्तान के लक्ष्य का पीछा करते हुए भारतीय टीम 19.4 ओवर में सभी विकेट खोकर 124 रन ही बना पाई। भारत का कोई भी बैटर अर्धशतक भी नहीं लगा पाया। सबसे ज्यादा 26 रन ऋचा घोष ने बनाए। पाकिस्तान के लिए नशरा संधू ने 3 विकेट झटके।

एशिया कप 2022 में यह भारतीय टीम की पहली हार है। इससे पहले भारत ने अपने पिछले तीनों मैच में जीत हासिल की थी।

प्लेयर ऑफ द मैच निदा डार

रन: 56* | गेंद: 37 | स्ट्राइक रेट: 151.35 | 4/6: 5/1

दोनों टीमों की प्लेइंग इलेवन

भारतः स्मृति मंधाना, एस. मेघना, जेमाइमा रोड्रिग्स, हरमनप्रीत कौर (कप्तान), दयालन हेमलता, ऋचा घोष (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, दीप्ति शर्मा, राधा यादव, रेणुका सिंह, राजेश्वरी गायकवाड़।

पाकिस्तानः मुनीबा अली (विकेटकीपर), सिदरा अमीन, बिस्माह मरूफ (कप्तान), निदा डार, आयशा नसीम, आलिया रियाज, ओमैमा सोहेल, ऐमान अनवर, सादिया इकबाल, तुबा हसन, नशरा संधू।

भारतीय टीम का टूर्नामेंट में अब तक खेले मुकाबलों का सफर

पहलाः श्रीलंका को 41 रन हरायाः भारत ने पहले खेलते हुए 150 रन बनाए थे। श्रीलंकाई बल्लेबाज 109 रन पर आउट हो गई थीं। जेमिमा (76) प्लेयर ऑफ द मैच थीं।

दूसरा : मलेशिया पर 30 रन की जीतः इस मुकाबले में भारत डकबर्थ लुइस नियम से जीता था। उसने 181 रन बनाए थे। मलेशिया ने 5.2 ओवर में 2 विकेट पर 16 रन बनाए थे तभी बारिश आ गई।

तीसरा : यूएई को 104 रन से हरायाः भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 178 रन बनाए। यूएई की टीम 74 पर आउट हो गई। जेमिमा (75) फिर प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

सीडब्ल्यूजी में भारत ने पाकिस्तान को 8 विकेट से हराया था

भारत-पाकिस्तान की टीम आखिरी बार इसी साल जुलाई में कॉमनवेल्थ गेम्स के दौरान आपस में भिड़ीं थी। 31 जुलाई को एजबेस्टन में खेले गए इस मैच में भारत ने 8 विकेट से पाकिस्तान को हराया था। इस मैच में पाक टीम टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 18 ओवर में 99 रन पर ढेर हो गई थी।

लियोनल मेसी ने किया संन्यास का ऐलान

बोले- कतर वर्ल्ड कप मेरा आखिरी वर्ल्ड कप होगा

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी ने संन्यास का ऐलान कर दिया है। वे कतर में अगले माह से शुरू होने वाले FIFA वर्ल्ड कप-2022 के बाद फुटबॉल को अलविदा कह देंगे।

35 साल के इस फुटबॉलर ने अर्जेंटीना के पत्रकार सेबास्टियन विग्नोलो को दिए एक इंटरव्यू में कहा- 'कतर में होने वाले फीफा वर्ल्ड कप के बाद मैं इस खेल से संन्यास ले लूंगा। मैंने पहले ही फैसला ले लिया है और टीम को इसकी जानकारी भी दे दी है, यह मेरा आखिरी विश्व कप होगा।'

अर्जेंटीना के लिए 4 वर्ल्ड कप खेल चुके हैं मेसी

691	781	90
क्लब गोल की ओर से	गोल दागे हैं करियर में लियोनेल मेसी ने	गोल अर्जेंटीना के लिए दागे हैं

मेसी का यह पांचवा फीफा वर्ल्ड कप होगा। मेसी के ऐलान के बाद इस रिपोर्ट में जानिए उनका सफर, करियर, रिकॉर्ड और उपलब्धियां।

2005 में पहला इंटरनेशनल मैच खेला था

मेसी 5वां वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं। उन्होंने 2005 में अर्जेंटीना की ओर से इंटरनेशनल डेब्यू किया था। वे 164 मैचों में 90 गोल कर चुके हैं। उन्होंने वर्ल्ड कप के 19 मुकाबलों में 6 गोल दागे हैं। ओवरऑल करियर की बात करें तो मेसी ने 781 गोल दागे हैं।

नैपकिन पेपर पर साइन किया था पहला कॉन्ट्रैक्ट

मेसी ने अपना पहला कॉन्ट्रैक्ट नैपकिन पेपर पर साइन किया था। वे 2000 में 13 साल की उम्र में बार्सिलोना से जुड़े थे। पेपर नहीं होने की वजह से उन्होंने एक नैपकिन पर कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था। बार्सिलोना क्लब मेसी के इलाज का सारा खर्च इस शर्त पर देने को तैयार हो गया- 'वे यूरोप में ही बस जाएं। इस पर उनका परिवार यूरोप चला गया।'

10 साल की उम्र में गंभीर बीमार पड़ने पर बार्सिलोना ने थामा था मेसी का हाथ

6 साल की उम्र में ही मेसी फुटबॉल लेकर सड़कों पर 15-20 मिनट तक बिना रुके दोनों पैरों से जगलिंग करते थे। गेंद उनके पैरों से नीचे ही नहीं गिरती थी। इतने छोटे बच्चे को ऐसा करते देख लोग मेसी को इनाम के रूप में पैसे दिया करते थे। लोग उन्हें भविष्य का फुटबॉलर कहने लगे थे।

मेसी के इलाज पर हर महीने एक हजार डॉलर खर्च होते थे

मेसी जब 10 साल के हुए तो पता चला कि उन्हें 'ग्रोथ हार्मोन डेफिशिएंसी' की बीमारी है। इससे शरीर का विकास रुक जाता है। इसके इलाज में हर महीने 1000 डॉलर का खर्च उठाना परिवार के लिए मुमकिन नहीं था। तब नेवल्स ओल्ड बॉय क्लब ने बार्सिलोना क्लब को इसकी जानकारी दी, जो मेसी के खेल से काफी प्रभावित था और उसे टीम में शामिल करना चाहता था।

अर्जेंटीना में भिड़े फुटबॉल फैंस

पुलिस ने गोलियां और आंसू गैस के गोले दागे, एक की मौत

5 दिन पहले इंडोनेशिया के कंजुरुहान स्टेडियम में

ला प्लाटा, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडोनेशिया की भगदड़ को अभी एक हफ्ता भी पूरा नहीं हुआ है कि एक और मैच में फुटबॉल फैंस की भिड़ंत की खबर आई है।

इस बार इस बार अर्जेंटीना में दो टीमों के फैंस आपस में भिड़ गए हैं। इससे एक के मरने की भी सूचना है।

मिली जानकारी के मुताबिक, अर्जेंटीना फुटबॉल स्टेडियम में गुरुवार रात जिम्नासिया और बोका जूनियर्स के बीच अर्जेंटीना लीग के मुकाबले के दौरान फैंस में भिड़ंत हो गई। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए रबर की गोलियां चलाईं और आंसू गैस के गोले दागे। इससे एक फैंस की मौत भी हो गई।

5 दिन पहले इंडोनेशिया में भगदड़ में 174 की मौत

5 दिन पहले इंडोनेशिया के कंजुरुहान स्टेडियम में एक फुटबॉल मैच के दौरान 174 लोग मारे गए थे, जबकि 180 घायल हो गए थे। वहां बीआरआई लीग-1 में दो टीमों के बीच मैच चल रहा था। एक टीम के हारने के बाद उसके फैंस मैदान में घुस गए। इस घटना के बाद ही पुलिस ने एक्शन लिया और मौत का तांडव मचा।

कुलदीप ने बाबर के विकेट की याद दिलाई

शार्दूल की खतरनाक बॉल

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच गुरुवार को लखनऊ में तीन मैचों की सीरीज का पहला वनडे मुकाबला खेला गया। शुरुआत में लगातार बारिश के कारण ऐसा लगा मैच नहीं हो पाएगा, लेकिन देर ही सही मुकाबला शुरू हुआ। 50 की जगह 40-40 ओवर का मैच खेला गया।

टीम इंडिया को 9 रन से हार तो मिली, लेकिन शिखर धवन की कप्तानी वाली युवा टीम ने जीत के लिए आखिरी बॉल तक संघर्ष किया। इस मैच में कई शानदार मौके आए जिसे देख मैच का रोमांच काफी बढ़ गया था। चलिए ऐसे ही टॉप मोमेंट्स से आपको रुबरू कराते हैं।

अफ्रीकी पारी के दौरान कुलदीप यादव ने एडेन मार्करम को अपने स्पिन की जाल में फंसा कर उन्हें बोल्ड किया। जिस तरह से उन्होंने मार्करम को आउट किया, लोगों को 2019 वर्ल्ड कप याद आ गया। उन्होंने पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम को भी कुछ इसी तरह से बोल्ड किया था।

अफ्रीका ने 15वें ओवर तक 2 विकेट के नुकसान पर 70 रन बनाए थे। क्विंटन डिकॉक एक तरफ मोर्चा संभाले हुए थे तो दूसरी तरफ 12.1 ओवर में यानेमन मलान और 14.6 ओवर में टेंबा बाउमा पवेलियन लौट चुके थे।

कप्तान शिखर धवन ने अगले ओवर में कुलदीप यादव को जिम्मेदारी दी। उन्होंने ओवर की पहली गेंद क्विंटन डिकॉक को फेंकी। डिकॉक एक रन लेकर नॉन स्ट्राइक पर चले गए। उसके बाद स्ट्राइक पर आए मार्करम कुलदीप की गेंदों को समझ ही नहीं पा रहे थे। कभी गुगली तो कभी फुलर गेंद डालकर उन्हें परेशान किया। फिर ओवर की आखिरी गेंद उन्होंने लेग स्पिन डाल दी। मगर इस बार लेंथ आगे रखी। गेंद अंदर की ओर आई। बैट-पैड के बीच थोड़ा सा गैप था। गेंद अंदर घुसी और स्टंप उखाड़ ले गई।

2019 वनडे वर्ल्ड कप के दौरान भी उन्होंने बाबर आजम को ऐसे ही आउट किया था। भारत के खिलाफ मैच में पाकिस्तान तब लक्ष्य का पीछा कर रही थी। कुलदीप ने 24वें ओवर की आखिरी गेंद बाबर आजम को 78 किमी/घंटा की रफ्तार से फेंकी थी। जिसे खेलने के लिए बाबर आजम आगे बढ़े, लेकिन बॉल टर्न लेते हुए बैट और पैड के बीच में विकेटों में जा घुसी थी।

पानीपत पहुंचे नीरज चोपड़ा

अचानक डीसी कार्यालय में चाचा भीम के साथ गए
30 मिनट बाद दिल्ली रवाना हुए गोल्डन ब्याय

पानीपत, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। गोल्डन ब्यॉय नीरज चोपड़ा आज अचानक मिनी सचिवालय पहुंचे। सब उन्हें देखकर आश्चर्यचकित हो गए। यहां वे डीसी सुशील सारवान के साथ इनोवा गाड़ी में सवार होकर पहुंचे। उनके साथ चाचा भीम चोपड़ा भी थे। डीसी कार्यालय में चल रही मीटिंग में नीरज, भीम और डीसी घुसे तो वहां चल रही मीटिंग में बैठे अधिकारी भी उन्हें देखकर हक्के-बक्के रह गए।

करीब 15 मिनट तक लघु सचिवालय रुकने के बाद वे वापिस डीसी के ही साथ उनकी गाड़ी में बाहर गए। मिनी सचिवालय के साथ मौजूद कैंप ऑफिस में नीरज अपनी गाड़ी में सवार हो गए और दिल्ली की ओर रवाना हो गए।

लग गया सेल्फी लेने का दौर, पुलिसकर्मियों ने भी खींची तस्वीर जब नीरज चोपड़ा डीसी ऑफिस से नीचे उतरने लगे, तो सीढियों पर उन्हें देखकर लोग उनकी ओर दौड़ पड़े। हर किसी में नीरज के साथ खुद की तस्वीर अपने मोबाइल फोन में कैद करने की होड़ लग गई। देश की शान नीरज चोपड़ा के साथ सेल्फी खींचने का क्रेज पुलिसकर्मियों में दिखा। उन्होंने भी नीरज के साथ तस्वीर लीं। देशभर में चलाए जा रहे साइबर क्राइम जागरुकता दिवस की मुहिम में नीरज चोपड़ा ने भी शिरकत की। इस जागरुकता संबंधित बैनर के साथ भी नीरज चोपड़ा, डीसी सुशील सारवान और एसपी शशांक कुमार सावन ने फोटो खिंचवाई।

नीरज चोपड़ा ने कहा कि साइबर क्राइम के लपेटे में आम आदमी आ रहा है, जोकि हम सबके लिए सोचने का विषय बन गया है। इसके लिए हम सबको सामूहिक रूप से पहल कर लोगों को इसके बारे में अलर्ट करना होगा और अधिक से अधिक जागरूक करना होगा।

आज के समय में सूचना और प्रोद्योगिकी का उपयोग पिछले कुछ वर्षां में ज्यादा से ज्यादा बढ़ा है।

पाकिस्तान के आलोचकों को मोहम्मद रिजवान ने किया सैल्यूट

पीसीबी अध्यक्ष रमीज राजा ने लगाई थी लताड़

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी20 क्रिकेट में पाकिस्तान के बल्लेबाजों के प्रदर्शन की काफी आलोचना हो रही है। ओपनर बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान के अलावा कोई भी बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रहा है। इन दोनों की भी स्लो स्ट्राइक रेट से रन बनाने के लिए आलोचना हो रही है। टीम एशिया कप के फाइनल और इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू टी20 सीरीज हारने के बाद न्यूजीलैंड दौर टी20 ट्राई सीरीज खेलने गई है। उसने पहले मैच में बांग्लादेश को 21 रनों से हरा दिया।

क्राइस्टचर्च में खेले गए मैच में टीम की बल्लेबाजी एक बार फिर साधारण रही। मोहम्मद रिजवान 78 और शान मसूद 31 को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज नहीं चला। मैच के प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान पाकिस्तानी विकेटकीपर से टीम की आलोचना को लेकर सवाल हुआ तो उन्होंने कहा कि अगर ऐसा करने वाले पाकिस्तान की बेहतरी चाहती हैं, तो उन्हें सैल्यूट है। हमें लगता है कि वे टीम के बारे में सोचते हैं।

रमीज राजा ने साधा था निशाना

गौरतलब है कि हाल ही में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के अध्यक्ष रमीज राजा ने टीम के आलोचकों पर निशाना साधा था। बाबर और रिजवान की स्ट्राइक रेट की आलोचना पर उन्होंने कहा था कि अफगानिस्तान के खिलाफ विराट कोहली के शतक के बाद एशिया कप में भारत के प्रदर्शन को भुला दिया गया, क्या ऐसा पाकिस्तान में होगा?

रोमांचक मैच में 9 रन से हारा भारत

संजू सैमसन की 86 रन की पारी भी नहीं जीत दिला पाई, साउथ अफ्रीका सीरीज में 1-0 से आगे

लखनऊ, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच तीन मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला टीम इंडिया 9 रन से हार गई। आखिरी ओवर में भारतीय टीम को जीत के लिए 30 रन चाहिए थे और संजू सैमसन ने आखिरी बॉल तक संघर्ष किया, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला पाए। साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा 3 विकेट लुंगी एनगिडी ने लिए। वहीं, भारत के लिए सैमसन ने 86 रन की पारी खेली। बारिश की वजह मैच देरी से शुरू हुआ था और मुकाबले को 40-40 ओवर का कर दिया गया था।

साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में चार विकेट खोकर 249 रन बनाए थे। डेविड मिलर 63 गेंदों में 75 रन और हेनरिक क्लासेन 65 गेंदों में 74 रन बनाकर नाबाद रहे थे। भारत के लिए सबसे ज्यादा 2 विकेट शार्दूल ठाकुर ने लिए। रवि बिश्नोई और कुलदीप यादव को 1-1 विकेट मिला। जवाब में टीम इंडिया 40 ओवर में आठ विकेट गंवाकर 240 रन ही बना सकी।

कगिसो रबाडा ने टीम इंडिया को पहला झटका दिया। शुभमन गिल 7 बॉल में 3 रन बनाने के बाद उनकी गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए। शुभमन गिल के जोड़ीदार और भारतीय टीम के कप्तान शिखर धवन का बल्ला पहले मुकाबले में कुछ कमाल नहीं कर पाया। वो 16 बॉल में 4 रन बनाकर वेन पर्नेल की गेंद पर बोल्ड हो गए। नंबर 3 पर बल्लेबाजी करने आए ऋतुराज गायकवाड़ ने पहले वनडे में बहुत खराब बल्लेबाजी की। वो 42 बॉल में 19 रन बनाकर तबरेज शम्सी की गेंद पर आउट हो गए। वहीं, ईशान किशन 37 बॉल में 20 रन बनाकर आउट हुए। उनका विकेट केशव महाराज ने लिया।

श्रेयस अय्यर ने भारतीय टीम को शुरुआती झटकों से उबारा था। उन्होंने 37 बॉल में 8 चौके की मदद से 50 रन बनाकर आउट हुए।

शार्दूल ठाकुर ने साउथ अफ्रीका को पहला झटका दिया। उन्होंने यानेमन मलान को 22 रन पर आउट किया।

अफ्रीकी कप्तान टेंबा बाउमा का फ्लॉप शो पहले वनडे में भी जारी रहा। वो 12 बॉल में सिर्फ 8 रन बनाकर आउट हुए।

कुलदीप यादव ने अपने पहले ओवर में ही कमाल की गेंदबाजी की, उन्होंने शानदार फॉर्म में चल रहे एडेन मार्करम को पहले 3 कमाल की गेंद डाली। वो उनकी टर्न को समझ ही नहीं पा रहे थे। वो पूरी तरह संघर्ष करते नजर आए और फिर क्लीन बोल्ड हो गए।

वीवीएस लक्ष्मण बोले- 2023 वर्ल्ड कप के लिए टीम चुनने में चयनकर्ताओं को होगी सिरदर्दी

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए भारत के स्टैंड-इन कोच वीवीएस लक्ष्मण ने कहा है कि चयनकर्ताओं के लिए 2023 में होने वाले 50 ओवर के विश्व कप के लिए टीम चुनने में काफी सिरदर्दी होने वाली है। उन्होंने कहा कि टीम के पास काफी बड़ा टैलेंट पूल है। यही वजह है कि टीम चयन में दिक्कत आएगी। उन्होंने राहुल द्रविड़ के बैकअप की जिम्मेदारी निभाने पर भी प्रतिक्रिया दी। गौरतलब है कि नेशनल क्रिकेट एकेडमी (NCA) के प्रमुख लक्ष्मण इससे पहले भी टीम इंडिया के स्टैंड-इन कोच की भूमिका निभा चुके हैं।

बैकअप कोच के तौर पर अब तक अनुभव अच्छा रहा

लक्ष्मण ने बैकअप कोच की जिम्मेदारी को लेकर कहा, " बैकअप कोच के तौर पर अब तक अनुभव अच्छा रहा है। इसकी शुरुआत आयरलैंड सीरीज से हुई थी। इसके बाद इंग्लैंड के के खिलाफ पहले टी20 और जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में भी मौका मिला। राहुल द्रविड़ को उनकी प्रतिबद्धताओं और टी20 विश्व कप को देखते हुए कवर की जरूरत है।"

प्रतिभा की कमी नहीं

लक्ष्मण में टीम को लेकर कहा, "क्रिकेटरों का अच्छा ग्रुप है। सभी सीरीज की प्रतीक्षा कर रहे हैं और उनके बीच अच्छी प्रतिस्पर्धा है। हमारे पास प्रतिभा की कमी नहीं है। चयनकर्ताओं के लिए 2023 के 50 ओवर के विश्व कप में जाने वाली टीम का चयन करना मुश्किल होगा। सभी युवा अच्छा कर रहे हैं और वे जानते हैं कि मुख्य खिलाड़ियों की वापसी के बाद उन्हें ज्यादा मौके नहीं मिलेंगे, लेकिन यह प्रदर्शन करने और मजबूत टीम चुने जाने के दौरान खुद की दावेदारी मजबूत करने का अच्छा मौका है।"

भारत ने 2-1 से जीता था टी20 सीरीज

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच लखनऊ में पहला वनडे खेले जाने के बाद दूसरा वनडे 9 अक्टूबर को रांची के जेएससीए इंटरनेशनल स्टेडियम कॉम्प्लेक्स में खेला जाएगा।

डब्लूडब्लूई स्टार सारा ली का 30 साल की उम्र में निधन

नई दिल्ली, 7 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड रेसलिंग इंटरटेनमेंट (डब्लूडब्लूई) की पूर्व सुपरस्टार सारा ली का 30 साल की उम्र में शुक्रवार को निधन हो गया। ली 2015 और 2016 के बीच डब्लूडब्लूई का हिस्सा थीं। वह सात साल पहले प्रमोशन के मेगा इवेंट 'टफ इनफ' की चैंपियन बनी थीं। ली की मां ने सोशल मीडिया पर उनकी दुखद मौत की जानकारी दी। हालांकि,

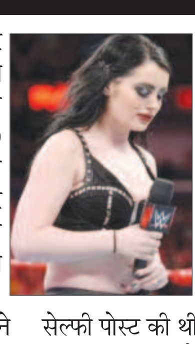

अभी तक यह नहीं पता चला है कि उनकी मौत किस कारण से हुई है, लेकिन दो दिन पहले उन्होंने बाथरूम से सेल्फी पोस्ट की थी और बताया था कि सायनस से पीड़ित हैं। डब्लूडब्लूई ने भी शुक्रवार को पूर्व चैंपियन को श्रद्धांजलि देते हुए उनकी मौत की पुष्टि की। ली ने डब्लूडब्लूई सुपरस्टार वेस्टिन ब्लेक से शादी की थी। दंपति के तीन बच्चे हैं। सारा की मां ने सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा, " दुख के साथ हम यह खबर दे रहे हैं कि हमारी बेटी सारा वेस्टन का निधन हो गया है। हम सभी सदमे में हैं ।" वहीं डब्लूडब्लूई ने कहा, "डब्लूडब्लूई सारा ली के निधन की खबर से दुखी है।

वैश्य समाज को पूरी सुरक्षा प्रदान करेगी सरकार : बृजेश पाठक

वैश्य समाज की उपजातियों को एक सूत्र में बांधने की जरूरत : डॉ. गिरीश कुमार संघी

अभा वैश्य महासम्मेलन की राष्ट्रीय व प्रदेश पदाधिकारी संवाद बैठक शुरू

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारियों की बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं डॉ. गिरीश कुमार संघी का स्वागत करते हुए सम्मेलन के पदाधिकारी तथा बैठक को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम बृजेश पाठक। इस अवसर पर डॉ. संघी का सम्मान करते हुए श्री पाठक।

प्रयागराज, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने आज समस्त वैश्य समाज को भरोसा देते हुये कहा कि राज्य सरकार उनको पूरी तरह से सुरक्षा प्रदान करेगी। उन्होंने कहा कि राज्य में कुछ घटनाएं वैश्य समाज के खिलाफ घटित हुई है, वे पुलिस अधिकारियों से बात करके अपराधियों के खिलाफ कडी कर्रवाई करेंगे। श्री पाठक यहां अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की राष्ट्रीय एवं प्रदेश पदाधिकारी संवाद बैठक को मुख्य अतिथि के नाते संबोधित कर रहे थे। देश और प्रदेश की प्रगति में वैश्य समाज की महत्वपूर्ण भूमिका का जिक्र करते हुये श्री पाठक ने कहा कि वैश्य समाज का व्यक्ति आराम किये बिना सभी को अपनी सेवा उपलब्ध कराता है।

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. गिरीश कुमार संघी को अपना बड़ा भाई बताते हुए उप मुख्यमंत्री श्री पाठक ने कहा कि जब वे राज्यसभा के सदस्य थे तो उस समय उन्हें डॉ. संघी का मार्गदर्शन मिलता रहता था। उन्होंने कहा कि प्रयाजराज में वैश्य संगठन की दो दिवसीय बैठक में जो भी फैसले किये जायेंगे, उसके बारे में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी और प्रदेश अध्यक्ष सुधीर हलवासिया से जानकारी लेकर उसे प्रदेश में लागू कराने का भरसक प्रयास करेंगे। इस अवसर पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यसभा सदस्य डॉ. गिरीश कुमार संघी ने कहा कि वैश्य समाज को एक सूत्र में बांधने के लिए ही इस संगठन का गठन हुआ है क्योंकि वैश्य समाज भिन्न-भिन्न उप जातियों में बिखरा हुआ है, जिसे एकत्र करने की जिम्मेदारी यहां पर बैठे हर एक समाज के प्रतिनिधियों की है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष सुधीर हलवासिया ने कहा कि वैश्य समाज जहां सामाजिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है, वहीं वैश्य समाज को राजनीतिक रूप में भी आगे आने की आवश्यकता है, क्योंकि वैश्य समाज सरकार को अधिक टैक्स देता है, इसलिए देश में वैश्य समाज की राजनीतिक भागीदारी भी अधिक से अधिक होनी चाहिए। कार्यक्रम के संयोजक विदुप अग्रहरि ने सभी अतिथियों का स्वागत किया और सभी को स्मृति चिन्ह प्रदान किया। इस मौके पर अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री एवं हरियाणा के पूर्व विधायक उमेश अग्रवाल ने प्रदेश में वैश्य समाज के विभिन्न घटकों को एकजुट करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधायक संजय गुप्ता और प्रदेश महामंत्री शैलेन्द्र अग्रहरि ने इस अवसर पर वैश्य को आह्वान किया कि 9 अक्टूबर को प्रात: 10 बजे अधिक से अधिक संख्या में पृथ्वी गार्डन सिविल लाइन पहुंच कर कार्यक्रम को सफल बनाए। प्रदेश युवा अध्यक्ष श्रीराम अग्रवाल ने युवाओं से सोसल मीडिया में सक्रिय रूप से कार्यक्रम का प्रचार एवं प्रसार करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारणी सदस्य लालू मित्तल, विकास गुप्ता, मंडल प्रभारी राजकुमार केसरवानी, जिला महामंत्री राजेश गुप्ता, अंकित वैश्य, बब्लू जारी, नगर के महामंत्री प्रमिल केसरवानी, अन्नू केसरवानी, अमन केसरवानी, रामचंद्र गुप्ता, पार्षद किरण जायसवाल, आरती केसरवानी, मनीष गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, विकास गुप्ता, सुधांशु जायसवाल, अमित गुप्ता, रोशनी अग्रवाल, सोनी गुप्ता, राहुल अग्रवाल, इं. संजीव गुप्ता, गोविंद अग्रहरि, विनय अग्रहरि के अलावा सैकड़ों संख्या में समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

करीमनगर में अज्ञात लोगों ने की विधवा की हत्या

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तिम्मापुर मंडल की रामकृष्ण कॉलोनी में गुरुवार आधी रात के बाद अज्ञात लोगों ने 45 वर्षीय विधवा गुज्जुला सुलोचना की हत्या कर दी। हालांकि अभी तक सही कारण का पता नहीं चल पाया है, लेकिन हत्या का कारण जमीन का विवाद बताया जा रहा है। पुलिस के मुताबिक सुलोचना कुछ समय पहले पति की मौत के बाद अपनी मां बलव्वा के साथ रह रही थी।

गुरुवार की आधी रात के बाद घर में सो रहे अज्ञात लोगों ने दरवाजा खटखटाया। दरवाजा खोलते ही उन्होंने सुलोचना पर चाकुओं से हमला कर दिया। जब उन्होंने अपनी बेटी को बचाने की कोशिश की तो उन्होंने बलव्वा पर भी हमला किया। सुलोचना की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बलव्वा गंभीर रूप से घायल हो गया। पड़ोसियों ने बलव्वा को जिला मुख्यालय अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसका इलाज चल रहा है। करीमनगर ग्रामीण एसीपी करुणाकर राव ने सीआई शेषिधर रेड्डी के साथ घटनास्थल का दौरा किया और घटना की जानकारी ली। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मुनुगोडु उपचुनाव : प्रभाकर रेड्डी टीआरएस उम्मीदवार घोषित

टीआरएस प्रमुख केसीआर ने की घोषणा, सौंपा बी फॉर्म

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस पार्टी के अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने शुक्रवार को घोषणा की कि मुनुगोडु उपचुनाव के लिए पूर्व विधायक कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी पार्टी के उम्मीदवार होंगे। मुख्यमंत्री ने यह निर्णय स्थानीय नेताओं, कार्यकर्ताओं, जिला पार्टी नेतृत्व और क्षेत्र के लोगों की सर्वेक्षण रिपोर्ट और राय को ध्यान में रखते हुए लिया है। प्रभाकर रेड्डी पार्टी की स्थापना के बाद से टीआरएस कार्यकर्ता रहे हैं और अलग तेलंगाना राज्य के लिए आंदोलन के दौरान सक्रिय रूप से काम किया।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने मुनुगोडु उपचुनाव में लड़ रहे टीआरएस उम्मीदवार कुसुकुंटला प्रभाकर रेड्डी को शुक्रवार प्रगति भवन में बी. फॉर्म सौंपा। चुनाव खर्च के लिए सीएम ने पार्टी फंड में से 40 लाख रुपये का चेक प्रभाकर रेड्डी को दिया। इस अवसर पर प्रभाकर रेड्डी ने टीआरएस उम्मीदवार के रूप में उपचुनाव लड़ने का मौका देने के लिए सीएम केसीआर को धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर नलगोंडा के जिला मंत्री जगदीश रेड्डी, एमएलसी तक्केल्लपल्ली रविंदर राव, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, विधायक जीवन रेड्डी, गुव्वल बलाराजू, पूर्व एमएलसी श्रीनिवास रेड्डी और अन्य इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।

गौरतलब है कि 2014 में, उन्हें मुनुगोडु से 38,055 मतों के भारी अंतर से विधायक के रूप में चुना गया था। 2018 में हुए पिछले तेलंगाना विधानसभा चुनावों में, उन्होंने फिर से मुनुगोडु से चुनाव लड़ा, लेकिन सीट बरकरार नहीं रख सके।

उन्हें कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने 22,552 मतों के भारी अंतर से हराया था। जहां कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी भारतीय जनता पार्टी की ओर से चुनाव लड़ रहे हैं, वहीं कांग्रेस ने एक महिला पलवई श्रावंती को पार्टी का उम्मीदवार बनाया है। वह मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र से पांच बार विधायक रहे पलवई गोवर्धन रेड्डी की बेटी हैं।

इस बीच शुक्रवार को उपचुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई। नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 14 अक्टूबर है और नाम वापस लेने की तारीख 17 अक्टूबर है। उपचुनाव 3 नवंबर को होगा।

मुनुगोडु पुलिस ने एक कार से 13 लाख रुपये जब्त किए

नलगोंडा, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के गुडापुर चेक पोस्ट पर पुलिस ने वाहन चेकअप के दौरान एक कार से 13 लाख रुपये नकद बरामद किए। उपचुनाव के मद्देनजर आदर्श आचार संहिता को लागू करने के लिए पुलिस द्वारा गुडापुर में एक विशेष चेक पोस्ट स्थापित किया गया था।

पुलिस को सुबह 8.30 बजे गुडापुर के रहने वाले और हैदराबाद के रहने वाले नरसिम्हा की एक कार के डिक्की में रखे बैग में 13 लाख रुपये मिले। नरसिम्हा ने पुलिस को बताया कि हैदराबाद में एक प्लाट बेचने के बाद उन्हें पैसे मिले और दशहरा उत्सव के लिए आते समय अपने पैतृक स्थान पर ले आए। वह कार में पैसे वापस हैदराबाद ले जा रहा था। पुलिस ने कहा कि पैसा जब्त कर लिया गया है और नरसिम्हा के बयान की पुष्टि की जाएगी। नरसिंह को धन के लेन-देन का प्रमाण भी प्रस्तुत करना चाहिए।

मुनुगोडु में जीत के लिए पूरी लगन से काम करें कार्यकर्ता : पार्टी सुप्रीमो

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव के दौरान पार्टी उम्मीदवार की जीत के लिए कार्यकर्ताओं से मिलकर काम करने का आह्वान किया। टीआरएस अध्यक्ष द्वारा मुनुगोडु उपचुनाव के लिए पार्टी के उम्मीदवार के रूप में कुसुकुंतला प्रभाकर रेड्डी के नाम की घोषणा के बाद, टिकट के इच्छुक पार्टी नेताओं कर्ण प्रभाकर और बुरा नरसैया गौड़ ने गुरुवार को यहां प्रगति भवन में मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव से मुलाकात की। बैठक के दौरान केसीआर ने कर्ण प्रभाकर और बुरा नरसैया गौड़ को सूचित किया कि सर्वेक्षण रिपोर्ट पर विचार करने के बाद प्रभाकर रेड्डी के नाम को अंतिम रूप दिया गया है और नेताओं से प्रभाकर रेड्डी की सफलता के लिए मिलकर काम करने को कहा है। केसीआर के साथ बैठक के बाद मीडिया से बात करते हुए, भोंगीर के पूर्व सांसद बुरा नरसैया गौड़ ने कहा कि केसीआर ने वादा किया है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की घोषणा के बाद राष्ट्रीय स्तर पर उनकी सेवाओं का उपयोग किया जाएगा। एक अन्य नेता और पूर्व एमएलसी कर्ण प्रभाकर ने कहा कि पार्टी टिकट की आकांक्षा करना गलत नहीं है। हालांकि, केसीआर ने प्रभाकर रेड्डी को पार्टी का टिकट देने के कारणों की व्याख्या की है और हमें आगामी उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार की सफलता के लिए काम करने के लिए कहा है। उन्होंने कहा कि केसीआर ने आश्वासन दिया है कि भविष्य में सभी नेताओं को अवसर मिलेंगे और परिस्थितियों के आधार पर न्याय किया जाएगा। दोनों नेताओं कर्ण प्रभाकर और बुरा नरसैय्या गौड़ ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कैडर के बीच मतभेदों के आरोपों से इनकार किया और दोहराया कि वे उपचुनाव में पार्टी उम्मीदवार की जीत के लिए कड़ी मेहनत करेंगे।

स्वतंत्र वार्ता

Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com

Epaper :
epaper.swatantravaartha.com

For Advertisement :
swadds1@gmail.com

पेद्दापल्ली में ट्रेन की चपेट में आया व्यक्ति

पेद्दापल्ली, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ओडेला मंडल के पोथकपल्ली में शुक्रवार सुबह एक 50 वर्षीय व्यक्ति मदपु सरैया ट्रेन की चपेट में आ गया। ग्रामीणों के अनुसार, सरैया सुबह करीब छह बजे कृषि कार्यों में शामिल होने के लिए रेलवे ट्रैक पार कर रहे थे, जब वह ट्रेन की चपेट में आ गए। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। उनके परिवार में पत्नी और दो बेटियां हैं। गांव के सरपंच अल्ला राजरेड्डी और उप-सरपंच श्रीनिवास यादव चाहते हैं कि सरकार गरीब परिवार की मदद करे।

कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना में हुआ अब तक का सबसे बड़ा घोटाला : शर्मिला

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। वाईएसआर तेलंगाना पार्टी प्रमुख और आंध्र सीएम जगन मोहन रेड्डी की बहन वाईएस शर्मिला ने तेलंगाना में एक बड़े घोटाले का आरोप लगाया है। शर्मिला ने कहा कि मैं यहां भारत के सबसे बड़े घोटाले को उजागर करने आई हूं। कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना घोटाला बड़ा है, क्योंकि इसमें न केवल वर्चुअल धन लगा है बल्कि असली धन भी लगा है और भारी पैमाने पर सरकारी खजाने का दुरुपयोग हुआ है। इसमें करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये लगाए गए हैं। शर्मिला ने कहा कि कालेश्वरम परियोजना मेरे पिता के दिमाग की उपज थी लेकिन इसे हर रूप में विकृत कर दिया गया है। इसमें निवेश किए गए 1.2 लाख करोड़ रुपये में से लगभग 1 लाख करोड़ रुपये केंद्रीय वित्तीय संस्थानों से आए। हम सीबीआई निदेशक से मिले और उन्होंने भ्रष्टाचार जांचने के लिए एक डीआईजी रैंक के अधिकारी को नियुक्त किया है। तेलंगाना में कालेश्वर के भूपालपल्ली में स्थित कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना भारत में गोदावरी नदी पर एक बहुउद्देश्यीय सिंचाई परियोजना है। वर्तमान में दुनिया की सबसे बड़ी मल्टी-स्टेज लिफ्ट सिंचाई परियोजना है।

शमशाबाद हवाई अड्डे पर भारी मात्रा में सोना जब्त

हैदराबाद, 7 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शमशाबाद में राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (आरजीआईए) पर सीमा शुल्क अधिकारियों ने शुक्रवार को दुबई-हैदराबाद की उड़ान से हैदराबाद पहुंचे एक पुरुष यात्री से 4.895 किलोग्राम वजन का सोना जब्त किया। जब्त किए गए सोने की अनुमानित कीमत करीब 2.57 करोड़ रुपये है। सीमा शुल्क अधिकारियों ने कहा कि विशिष्ट इनपुट के बाद, यात्री को चांदी में लिपटे पीली धातु की तस्करी करते हुए पकड़ा गया और एक एयर कंप्रेसर में छुपाया गया। एक अन्य घटना में, अधिकारियों ने दुबई से हैदराबाद जाने वाली एक अन्य उड़ान से आने वाले दो पुरुष यात्रियों को पकड़ा और उनके चेक-इन बैगेज के अंदर छिपी 24 सोने की छड़ें जब्त कीं।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.